राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 12
अंक : 74
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
बुधवार 28 सितंबर 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट
पेज 3 श्री विट्ठल भाई पटेल और शहीद भगत सिंह को जन्म जयंती के अवसर पर विधानसभा परिसर में उनको श्रद्धांजलि दी गई
पेज 5 शिक्षा विभाग के क्लर्क को 55 लाख दिलाने का झांसा दे बिकवा दिया घर, 15 लाख हड़प
पेज 7 रूस में जासूसी के आरोप में जापानी राजनयिक गिरफ्तार, आंखों पर पट्टी बांधकर हुई पूछताछ; भड़का जापान

जम्मू-कश्मीर में जैश के 2 आतंकी मारे गए

एक दहशतगर्दों के घिरे होने की आशंका

एनकाउंटर में सेना का एक जवान और 2 नागरिक भी घायल

कश्मीर के कुलगाम जिले में सोमवार रात वेस बटपोरा इलाके के पास सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई। सुरक्षाबलों ने आतंकी संगठन जैश ए मोहम्मद के एक आतंकी को मार गिराया। एनकाउंटर में सेना का एक जवान और 2 नागरिक भी घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया है। आतंकी की पहचान पाकिस्तान निवासी अबु हुरैरा के रूप में हुई है, जो ए कैटेगरी का आतंकी था।

एजेंसी

जम्मू/श्रीनगर। कश्मीर में कुलगाम के अहवातू में मंगलवार शाम को सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच एनकाउंटर शुरू हुआ। जवानों ने अब तक जैश ए मोहम्मद के दो आतंकियों को मार गिराया है। वहीं, सुरक्षाबलों ने एक आतंकियों को घेर रखा है। पुलिस ने बताया कि आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने कुलगाम के अहवातू इलाके की घेराबंदी की और तलाशी अभियान शुरू किया। इस बीच आतंकवादियों ने सुरक्षाबलों पर गोलियां चलाईं और मुठभेड़ शुरू हो गई। ADGP विजय कुमार ने बताया कि ये आतंकी कश्मीर में हुई कई वारदातों में शामिल रहे हैं। कश्मीर में 36 घंटे में यह दूसरा एनकाउंटर है।

8 राज्यों में इस्लामिक संगठन के 170 कार्यकर्ता अरेस्ट

दिल्ली के शाहीन बाग से पीएफआई के 30 लोग गिरफ्तार, गैजेट्स-दस्तावेज जब्त

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी और ईडी ने मंगलवार को पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया के कई ठिकानों पर छापेमारी की। देश के 8 राज्यों से 170 पीएफआई कार्यकर्ताओं को अरेस्ट किया गया है। दिल्ली के शाहीन बाग में एनआईए ने रेड करके पीएफआई से जुड़े 30 लोगों को हिरासत में लिया है। शाहीन बाग में इस एक्शन के बाद केंद्रीय पुलिस फोर्स को तैनात कर दिया गया है। टीम ने मोबाइल फोन और अन्य डिवाइस समेत कई दस्तावेज भी अपने कब्जे में लिए हैं।

वहीं, जामिया नगर में धारा 144 लागू कर दी गई है। यहां दो महीने तक चार या उससे ज्यादा लोगों को इकट्ठा होने की अनुमति नहीं है। जामिया यूनिवर्सिटी ने सर्कुलर जारी करके छात्रों से गैदरिंग न करने को कहा है।

महाराष्ट्र से 15, कर्नाटक के कोलार से 6 और असम से 25 पीएफआई कार्यकर्ताओं को पकड़ा गया है। एनआईए और 9 राज्यों की एटीएस एक साथ एक्शन में है। यह पीएफआई पर छापेमारी का दूसरा राउंड है। पहले राउंड में गिरफ्तार कार्यकर्ताओं से पूछताछ में खुलासा हुआ था कि इनका

नेटवर्क पूरे देश में फैल चुका है। इनके मध्य प्रदेश सहित ज्यादातर राज्यों में सिमी से जुड़े होने के भी सबूत मिले हैं।

इसके बाद देशभर की इंटेलिजेंस और सुरक्षा एजेंसियों ने पीएफआई नेटवर्क खंगालने की कवायद शुरू की।

20 राज्यों और 100 से ज्यादा शहरों में इनका सर्विलांस शुरू हुआ। पता चला कि पीएफआई को खाड़ी देशों और बड़े मुस्लिम कारोबारियों से चंदा मिल रहा है।

दिल्ली : शाहीन बाग में छापा, 30 लोग हिरासत में

दिल्ली के शाहीन बाग में एनआईए की टीम ने मंगलवार सुबह छापा मारकर 30 लोगों को हिरासत में लिया है। इनमें से कुछ के बारे में एनआईए को पुख्ता सूचना मिली थी, जबकि कुछ को संदेह के आधार पर हिरासत में लिया गया है।

इस एक्शन के दौरान पूरे शाहीन बाग में केंद्रीय सुरक्षा बल CRPF की तैनाती कर दी गई है। शाहीन बाग में ही CAA-NRC के खिलाफ कई महीने तक लगातार प्रदर्शन हुआ था।

पीएफआई को खाड़ी देशों और भारत के बड़े मुस्लिम कारोबारियों से मिल रहा था चंदा

ईडी ने खुलासा किया है कि पीएफआई के हजारों सदस्य खाड़ी देशों में एक्टिव हैं, जो संगठन के लिए धन जुटाने का काम करते हैं। इन पैसों को अबू धाबी के एक रेस्तरां से मनी लॉन्ड्रिंग के जरिए भारत भेजा जाता था। पीएफआई ने मनी लॉड्रिंग के जरिए पिछले साल 120 करोड़ रुपए जुटाए हैं। पीएफआई का दावा था कि ये पैसे देशभर में दान से जुटाए गए हैं, जबकि ईडी की जांच में पता चला कि संगठन ने फर्जी दान रसीद बनाकर भारत में मनी लॉड्रिंग से धन जुटाया और अधिकारियों को गुमराह किया।

उत्तर प्रदेश : एटीएस ने तीन शहरों से 16 को पकड़ा

उत्तर प्रदेश एटीएस ने मंगलवार सुबह गाजियाबाद, मेरठ और बुलंदशहर में छापेमारी कर 16 लोगों को उठाया है। गाजियाबाद से 12, मेरठ से 3 और बुलंदशहर से 1 संदिग्ध को उठाया है। एटीएस को इनपुट मिले हैं कि ये सभी पीएफआई यानी पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया से जुड़े हुए हैं। ATS ने यह कार्रवाई सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात की है। एटीएस ने बुलंदशहर में पीएफआई से जुड़े वकील को भी उठाया है।

तमिलनाडु के मदुरै शहर में चंडीगढ़ जैसी वारदात

हॉस्टल की लड़कियों की न्यूड वीडियो बनाकर बॉयफ्रेंड को भेजती थी युवती, दोनों गिरफ्तार

चेन्नई। तमिलनाडु के मदुरै शहर एक युवती की ओर से हॉस्टल की लड़कियों की न्यूड फोटो और वीडियो बनाकर बॉयफ्रेंड को शेयर करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। यह मामला बीते गुरुवार को दर्ज किया गया था, लेकिन अब सामने आया है। फिलहाल, दोनों मदुरै सेंट्रल जेल में बंद हैं। पुलिस ने बताया कि मदुरै में बीएड की छात्रा जननी ने अपने हॉस्टल की अन्य लड़कियों की कपड़े बदलते और नहाते हुए की तस्वीरें और वीडियो बनाई। फिर उन्हें व्हाट्सएप

पर रामनाथपुरम कामुदी के रहने वाले अपने बॉयफ्रेंड आशिक को भेज दिया, जो पेशे से डॉक्टर है।

हॉस्टल की लड़कियों को हुआ शक

पुलिस ने बताया कि एक दिन आरोपी हॉस्टल की लड़कियों का वीडियो बना रही थी, तभी कुछ लड़कियों को उस पर शक हुआ। इस पर उन्होंने उसका फोन चेक किया। फोटो गैलरी में कई लड़कियों के वीडियो और तस्वीरें मिलीं। इसके बाद हॉस्टल वार्डन को बुलाया गया, जिन्होंने मदुरै अन्ना नगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करवाई की। इसके बाद पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया।

पहले अपने वीडियो भेजती थी युवती

पुलिन ने बताया कि जननी मार्च से हॉस्टल में रह रही थी। जननी ने पहले खुद के वीडियो भेजे। बाद में बॉयफ्रेंड के कहने पर अपने हॉस्टल की लड़कियों की तस्वीरें और वीडियो भेजना शुरू कर दिया। पुलिस ने दोनों के मोबाइल फोन जब्त कर लिए हैं और डेटा रिकवरी के लिए फोरेंसिक लैब में भेजे दिए हैं। पुलिस का कहना है कि अभी पता नहीं चल पाया है कि आशिक ने वीडियो किसी को भेजे थे या नहीं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बाल विवाह को अमान्य घोषित करने वाले हरियाणा के कानून को दी मंजूरी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बाल विवाह को पूरी तरह निषेध करने वाले हरियाणा के कानून को अपनी मंजूरी दे दी है और इस तरह 15 से 18 वर्ष की आयु के लड़के तथा लड़की के बीच वैवाहिक संबंध पूर्ण रूप से अवैध माना जाएगा। सुप्रीम कोर्ट के एक आदेश के बाद बाल विवाह प्रतिषेध (हरियाणा संशोधन) विधेयक, 2020 लाया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने घोषित किया था कि यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) एक्ट, 2012, एक विशेष कानून होने के नाते, भारतीय दंड संहिता, 1860 और 15 से 18 वर्ष की आयु की नाबालिग पत्नी के साथ यौन संबंध पर लागू होता है। कोर्ट ने कहा था कि आईपीसी की धारा 375 का प्रचलित अपवाद-2 मनमाना और

संविधान का उल्लंघन है। इसके अनुसार, सुप्रीम कोर्ट ने आईपीसी की धारा 375 के मौजूदा अपवाद-2 को अमान्य कर दिया, जिसके तहत 15 से 18 वर्ष की आयु के पुरुष और उसकी पत्नी के बीच यौन संबंध धारा 375 के तहत परिभाषित बलात्कार के अपराध की श्रेणी में नहीं आता है, लेकिन पॉक्सो एक्ट की धारा-6 के प्रावधान के तहत यह बलात्कार की परिभाषा के अंतर्गत आता है। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि सभी राज्य विधायिकाओं के लिए यह बुद्धिमानी होगी कि वे बाल विवाह को शून्य (पूर्ण निषेध) बनाने के लिए कर्नाटक के मार्ग को अपनाएं और यह सुनिश्चित करें कि किसी नाबालिग लड़की और उसके पति के बीच यौन संबंध पॉक्सो एक्ट और आईपीसी के तहत एक दंडनीय अपराध हो। गृह मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा, तदनुसार, बाल विवाह प्रतिषेध (हरियाणा संशोधन) विधेयक, 2020 लाया गया था और कानून को अब राष्ट्रपति की सहमति प्राप्त हो गई है। इसके बाद, हरियाणा में बाल विवाह अब पूरी तरह निषेध होगा और नाबालिगों की शादी को उनके बालिग होने पर भी अदालत से मान्यता नहीं मिलेगी।

यूपी : दलित छात्र की मौत पर बवाल थमा, गिरफ्तारी शुरू

औरैया में पुलिस की गाड़ी फूंकने वालों का वीडियो आया सामने, 9 गिरफ्तार

औरैया। यूपी के औरैया में टीचर की पिटाई से दलित छात्र की मौत के बाद सोमवार को जमकर उपद्रव हुआ। गांव में बच्चे का शव पहुंचने के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने पुलिस की गाड़ी फूंक दी। पुलिस पर पथराव किया। इस मामले में अभी तक कुल 9 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

दरअसल, सोमवार को हालात इतने बेकाबू हो गए थे कि आधी रात आईजी और एडीजी को मौके पर पहुंचना पड़ा। सीनियर अफसरों ने पीड़ित परिवार से बात की। इसके बाद अंतिम संस्कार के लिए परिवार राजी हुआ। मंगलवार सुबह शव के अंतिम संस्कार की तैयारियां भी शुरू हो गई थीं। लेकिन, पुलिस द्वारा उपद्रव में शामिल लोगों की धरपकड़ की सूचना

के बाद परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार करने से मना कर दिया। इससे हालात फिर बिगड़ गए। साढ़े चार घंटे की मान-मनौव्वल के बाद परिजन शव का अंतिम संस्कार करने को मान गए।

पुलिस ने जीप फूंकने का सीसीटीवी फुटेज जारी किया

पुलिस ने अब जीप फूंकने का सीसीटीवी फुटेज जारी किया है। इसमें 8-10 लोग गाड़ी में आग लगाते

दिखाई दे रहे हैं। आग लगाने के बाद जीप को सड़क पर पलट देते हैं। वीडियो के आधार पर पुलिस इन लोगों की पहचान कर गिरफ्तारी में जुट गई है। पुलिस ने गाड़ी जलाने और तोड़फोड़ करने वाले 9 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है।

एसपी चारू निगम ने बताया कि उपद्रव के मामले में 35 नामजद और 200 से 250 अज्ञात पर मुकदमा दर्ज किया गया है। नामजद आरोपियों में मृतक के पिता राजू दोहरे का नाम भी शामिल किया गया है, जबकि अज्ञात में परिवार का नाम डाला गया है।

पुलिस ने एहतियातन औरैया के अछल्दा कस्बे के बाजार को बंद करा दिया है। पुलिस ने बाकायदा अनाउंस कर दुकानों को बंद कराया। कस्बे में कर्फ्यू जैसे हालात हैं। इलाके में कई जगह पुलिस ने बैरिकेडिंग भी कर रखी है।

गलत शब्द लिखने पर टीचर ने की थी पिटाई

बताया जा रहा है कि टीचर ने क्लास में बच्चों का टेस्ट लिया था। इसमें दलित छात्र निखित ने OMR सीट में एक खाने की जगह दो खाने ब्लैक कर दिए थे और सामाजिक विज्ञान में सामाजिक की जगह समाजक लिख दिया था। इससे नाराज टीचर ने उसे डंडे, लात और घूसों से इतना पीटा कि वह बेहोश हो गया। इलाज के दौरान 18वें दिन उसकी मौत हो गई।

आरोपी टीचर फरार

इस घटना की जानकारी मिलते ही सोमवार को स्कूल बंद कर दिया गया। आरोपी टीचर फरार है, पुलिस उसकी तलाश कर रही है। उसके खिलाफ मुकदमा भी दर्ज कर लिया गया है। पोस्टमॉर्टम के बाद शाम को शव परिजन को सौंप दिया गया। वहीं परिजन शव को एंबुलेंस से सीधे स्कूल लेकर पहुंचे और प्रदर्शन शुरू कर दिया। उधर भीम आर्मी के सदस्य भी गांव पहुंच गए और हंगामा कर रहे हैं।

अंकिता के लिए राहुल का प्रदर्शन, औरैया की घटना पर प्रियंका का रोष

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा के दौरान अंकिता भंडारी को न्याय दिलाने के लिए प्रदर्शन किया जबकि पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने उत्तर प्रदेश के औरैया में दलित छात्र की हत्या को लेकर रोष जताया है।

भारत जोड़ो यात्रा में केरल में श्री गांधी के साथ प्रदर्शनकारियों के हाथों में तख्तियां थीं जिन पर 'भाजपा से बेटी बचाओ अंकिता को न्याय दो, भारत की महिलाओं के साथ न्याय करो जैसे नारे लिखे हुए

थे। गांधी ने ट्वीट किया प्रधानमंत्री का नारा - बेटी बचाओ भाजपा के कर्म - बलात्कारी बचाओ ये भारत के पहले प्रधानमंत्री हैं जिनकी विरासत होगी- सिर्फ़ भाषण, झूठे और खोखले भाषण। इनका शासन तो अपराधियों को समर्पित है। अब भारत चुप नहीं बैठेगा।

वाड्रा ने कहा उत्तर प्रदेश के औरैया में एक दलित छात्र की पिटाई के बाद मृत्यु की घटना निंदनीय है। 19 दिन तक छात्र जिंदगी व मौत के बीच जंग लड़ता रहा, लेकिन पुलिस दोषी व्यक्ति को पकड़ न सकी। ये इस तरह की पहली घटना नहीं है।

आखिर कब तक फौरी कार्रवाई करने की बजाय सरकार की कानून व्यवस्था लचर बनकर काम करेगी।

पिछले 24 घंटे में कोरोना मामलों में आई गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली। देशभर में पिछले 24 घंटों में कोविड-19 के सक्रिय मामलों की संख्या में 1057 की कमी आयी जिससे यह आंकड़ा घटकर 42358 रह गया और दैनिक संक्रमण दर 1.18 प्रतिशत है।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि सुबह सात बजे तक 217.82 करोड़

टीके दिये जा चुके हैं। इसी अवधि में 4,255 लोग कोरोना मुक्त हुए हैं, जिससे अब ठीक होने वालों का आंकडा बढ़कर 4,40,04,553 हो गया है। सक्रिय मामलों की दर 0.10 प्रतिशत है और मृत्यु दर 1.19 फीसदी पर बरकरार है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार पिछले 24 घंटों में कोरोना महामारी संक्रमण से ग्रसित 3,230 नये मरीजों की पुष्टि हुई है, जिससे अब संक्रमित मरीजों का कुल आंकड़ा बढ़कर 4,45,75,473 हो गया। इसी अवधि में देश में संक्रमितों के स्वस्थ होने की दर बढ़कर 98.72 प्रतिशत हो गयी है। पिछले 24 घंटों में कोरोना महामारी से दस और मरीजों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 528562 हो गया है। पिछले 24 घंटों में 2,74,755 कोविड परीक्षण किए गये हैं। जिसके बाद कुल परीक्षणों की संख्या 89.41 करोड़ से अधिक हो चुकी हैं।

पिछले 24 घंटों में आठ राज्यों कोराना के मामलों में बढ़ोतरी हुई है और अन्य राज्यों एवं केन्द्र शासित प्रदेशों में इसके मामलों में कमी देखी गयी है।

अंकिता मर्डर केस

पूर्व महिला कर्मचारी ने कहा- मुझे पति से अलग कर अपने रूम में बुलाना चाहता था

अंकिता मर्डर केस, रिसॉर्ट में लड़कियां लाता था पुलकित

एजेंसी

मेरठ। उत्तराखंड में 19 साल की अंकिता भंडारी की हत्या को लेकर रिसॉर्ट में काम कर चुकी पूर्व महिला कर्मचारी ने बड़ा खुलासा किया है। उसका कहना है कि रिसॉर्ट का मालिक पुलकित आर्य और अंकित गुप्ता लड़कियों से बदसलूकी करते थे। पूर्व कर्मचारी ने कहा, 'मैंने वनंतरा रिसॉर्ट मई में जॉइन किया था, लेकिन जुलाई में नौकरी छोड़ दी थी।

पुलकित आर्य और अंकित गुप्ता रिसॉर्ट में लड़कियां लाते थे, वहां वीआईपी भी आते थे। वहां बहुत घिनौनी हरकतें होती थीं।'

लड़के-लड़कियों के नाम तक रजिस्टर नहीं होते थे

देहरादून की रहने वाली इस पूर्व महिला कर्मचारी ने बताया कि मैं वहां फ्रंट ऑफिस में रिसेप्शनिस्ट थी। पूर्व मंत्री विनोद आर्य का बेटा पुलकित आर्य लड़कियों के साथ गंदी हरकतें करता था। उन्हें गंदी गालियां भी देता था। रिसॉर्ट में संदिग्ध लड़के-लड़कियां आते थे। पुलकित रजिस्टर में उनकी एंट्री करने से मना कर देता था। कई बार वह इन लड़के-लड़कियों के साथ गांजा पीता था।

पुलकित की पत्नी ने रिसॉर्ट के बदले घर में काम करने का ऑफर दिया

महिला ने कहा कि एक बार पुलकित की पत्नी रिसॉर्ट आई थी और उसने घर में काम करने को कहा। मैं घर गई, लेकिन कुछ ही दिनों में वहां से वापस रिसॉर्ट आ गई। दरअसल, पुराने रिसेप्शनिस्ट का मैनेजर सौरभ भास्कर से झगड़ा हुआ था। वह काम छोड़कर चला गया। उसका काम मेरे पास आ गया।

पुलकित ने मुझे पति से अलग कर अपने रूम में बुलाने की कोशिश की

पुलकित आर्य ने एक बार स्टाफ से कहा था कि मुझे पति से अलग करे और उसके रूम में भेजे। महिला कर्मचारी ने इससे इनकार कर दिया और कुछ समय बाद नौकरी छोड़कर चली आई। हालांकि मैंने इसकी कभी शिकायत नहीं की। महीनेभर काम करने के बाद मैंने और मेरे पति ने नौकरी छोड़ दी।

पुलकित, सौरभ और अंकित ने वापस लौटने का दबाव बनाया

नौकरी छोड़ने के बाद पुलकित, सौरभ और अंकित ने वापस नौकरी पर लौटने के लिए मुझ पर काफी दबाव बनाया। तीनों ने कई बार कॉल किए। वे कहते थे कि आप आइए काम कीजिए। आपकी सैलरी बढ़ा देते हैं। यहां जो पहले होता था, अब नहीं होगा।

हम एक हफ्ते बाद दोबारा काम पर चले गए। कुछ दिन उनका व्यवहार ठीक रहा। बाद में वे फिर हमसे दुर्व्यवहार करने लगे।

बुर्का पहनकर पंडाल में घुसीं दो महिलाएं, दुर्गा प्रतिमा तोड़ी

पंडाल में आग लगाई, चर्च और दूसरे मंदिर में भी किया तोड़फोड़ का प्रयास

हैदराबाद। हैदराबाद के खैरताबाद में मंगलवार को मां दुर्गा की प्रतिमा को तोड़ने का मामला सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बुर्का पहनकर दो महिलाएं पंडाल में घुसीं और तोड़फोड़ शुरू कर दी। इसके बाद उन्होंने पंडाल में आग लगा दी। स्थानीय लोगों ने दोनों महिलाओं को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया है।

हैदराबाद के सेंट्रल जोन के डीसीपी राजेश ने बताया कि मंगलवार सुबह दो मुस्लिम महिलाएं खैरताबाद

के एक पंडाल में घुसीं और माता की मूर्ति के एक हिस्से को खंडित कर दिया। वहीं, इसका विरोध करने वालों पर भी महिलाओं ने हमला कर दिया।

चर्च और मंदिर में भी किया तोड़फोड़ का प्रयास

इसके बाद दोनों महिलाएं एक चर्च में गईं और वहां भी तोड़फोड़ करने की कोशिश की। जब यहां उनका विरोध किया गया तो दोनों एक हनुमान मंदिर पहुंची और यहां मूर्ति को खंडित करने का प्रयास किया। स्थानीय लोगों ने बताया कि महिलाएं स्पैनर लेकर पंडाल में घुसी थीं। दोनों महिलाओं को सैदाबाद पुलिस के हवाले कर दिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

शार्ट न्यूज

दुर्गा पंडाल में मूर्तियों को तोड़ा, दो महिलाएं हिरासत में ले पुलिस की जांच शुरू

हैदराबाद। हैदराबाद के खैरताबाद इलाके में एक चर्च और दुर्गा पंडाल में कथित रूप से मूर्तियों की तोड़फोड़ का मामला सामने आया है। इस मामले में पुलिस ने तुरंत ऐक्शन लेते हुए दो महिलाओं को हिरासत में लिया है। इन दोनों महिलाओं ने बुर्का पहना हुआ है। पुलिस को शक है कि दोनों महिलाएं मानसिक रूप से बीमार हैं। हैदराबाद पुलिस के मुताबिक, घटना मंगलवार सुबह करीब नौ बजे हुई। बुर्का पहने दो महिलाओं ने खैरताबाद के एक चर्च और एक पंडाल में दुर्गा मूर्ति में तोड़फोड़ की। प्रारंभिक जांच के अनुसार, महिलाएं मानसिक रूप से अस्वस्थ लग रही हैं। हालांकि इस मामले में दो मुकदमे दर्ज किए हैं और जांच शुरू कर दी गई है।

त्रिपुरा में मादक पदार्थों के मामलों की जांच के लिए बनेगी एनसीबी विंग

अगरतला। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने विधानसभा को सूचित किया है कि राज्य सरकार ने नशीली दवाओं के दुरुपयोग के बढ़ते चलन को देखते हुए अगरतला में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की जांच विंग स्थापित करने के लिए केंद्र सरकार का ध्यान आकर्षित किया है। कांग्रेस विधायक सुदीप रॉय बर्मन के ध्यानाकर्षण प्रस्ताव का जवाब देते हुए डॉ. साहा ने कहा कि एनडीपीएस अधिनियम के तहत 19 गंभीर मामले हाल ही में त्रिपुरा पुलिस अपराध शाखा के तहत गठित एक विशेष जांच दल (एसआईटी) को सौंपे गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में पिछले कुछ वर्षों में युवाओं और छात्रों के बीच मादक पदार्थों का उपयोग कई गुना बढ़ गया है और पड़ोसी बंगलादेश और अन्य भारतीय राज्यों के लिए त्रिपुरा मादक पदार्थों की तस्करी के लिए एक गलियारा बन गया है। उन्होंने कहा,एक फुल-बॉडी स्कैनर (निषिद्ध वस्तुओं को ले जाने वाले वाहनों को स्कैन करने के लिए) की खरीद के प्रस्ताव पर विचार किया जा रहा है। वर्तमान में, छह विशेष रूप से प्रशिक्षित खोजी कुत्तों को नशीली दवाओं के खिलाफ अभियान में इस्तेमाल किया जा रहा है जबकि सरकार नशीली दवाओं की लत को समाप्त करने के लिए और अधिक उपकरण खरीदने की योजना पर विचार कर रही है।

केजरीवाल को मोदी के विकल्प के रूप में पेश करने के लिए विधानसभा सत्र बुलाया : मजीठिया

अमृतसर। शिरोमणि अकाली दल के वरिष्ठ नेता सरदार बिक्रम सिंह मजीठिया ने मंगलवार को कहा है कि मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कृषि क्षेत्र में संकट सहित पंजाब के ज्वलंत मुद्दों पर चर्चा छोड़कर, आप आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकल्प के रूप में पेश करने के एकमात्र उद्देश्य से विधानसभा का सत्र बुलाया है। पूर्व मंत्री ने कहा कि यहां आप पार्टी के नेता संजय सिंह के खिलाफ दायर आपराधिक मानहानि के मुकदमे की सुनवाई में शामिल होने के लिए यहां आए थे। पत्रकारों से बातचीत करते हुए श्री मजीठिया ने कहा कि पंजाबी यह बर्दाश्त नहीं करेंगे कि विधानसभा का इस्तेमाल आप पार्टी की अंदरूनी राजनीति के लिए किए जा रहा है। उन्होंने कहा,''पंजाब को जिस तरह से आप पार्टी सरकार की दिल्ली से रिमोट कंट्रोल से चलाया जा रहा है, उससे पंजाबियों में पहले ही रोष है। वे इस बात से दुखी हैं कि सरकार किसानों को फसल के नुकसान का मुआवजा देने की बात तक नही कर रही, धान में बौने वायरस के प्रसार के कारण होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए कोई कार्रवाई नही की जा रही, डेयरी किसान जिनके दुधारू पशु लंपी स्किन की बीमारी के शिकार हो गए थे।

शिअद ने की विस में विश्वास प्रस्ताव पेश करने पर आप की निंदा

चंडीगढ़। शिरोमणी अकाली दल ने आगामी हिमाचल और गुजरात विधानसभा चुनावों में राजनीतिक लाभ लेने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ लगाए गए ऑपरेशन लोटस का राजनीतिकरण करने के लिए भगवंत मान सरकार के विधानसभा में पेश विश्वास मत की निंदा की। अकाली दल के विधायक दल के नेता मनप्रीत सिंह अयाली ने विधानसभा के बाहर पत्रकारों से कहा कि पंजाब के मुख्य मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए विश्वास प्रस्ताव पेश किया गया। उन्होंने विधानसभा में विश्वास प्रस्ताव लाने की जरूरत पर सवाल उठाया कि विपक्षी दल के किसी विधायक ने ऐसी कोई मांग नहीं की थी। आप पार्टी की सरकार को 117 में से 92 विधायकों का समर्थन हासिल है और इस प्रस्ताव को आगे बढ़ाने से संकेत मिलता है कि वह पंजाबियों की वास्तविक चिंताओं को दूर करने के बजाय राजनीति करना चाहती है। श्री अयाली ने कहा कि आप पार्टी की सरकार ने चोर दरवाजे से विश्वास प्रस्ताव पेश किया है।''मैने बिजनेस एडवायजरी कमेटी की बैठक में भाग लिया था और सदन के एजेंडे को अंतिम रूप देने के लिए हुई चर्चा के दौरान किसी भी विश्वास प्रस्ताव को पेश करने का कोई उल्लेख नही किया गया था।''

मिट्टी एवं फाईबर से निर्मित 65 संतों की मूर्तियों का म्यूजियम शुरू

उदयपुर। राजस्थान के उदयपुर में प्रताप सेलिब्रिटी वेक्स म्यूजियम की ओर से मिट्टी एवं फाईबर से निर्मित किये गये 65 संतो की मूर्तियों के साथ शहर में संत म्यूजियम की आज से शुरूआत हुई। गुलाबबाग स्थित समोर बाग में आयोजित म्यूजियम के उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सत्येन्द्र साहू, विशिष्ठ अतिथि चितलवाना के प्रधान हिन्दुसिंह चौहान, चितलवाना के विद्यालय के प्राचार्य भारू मंजू ने फीता काटकर किया। म्यूजियम के निदेशक प्रताप विश्नोई ने बताया कि विश्व में हॉलीवुड व बॉलीवुड के स्टेच्यू सभी जगह उपलब्ध है लेकिन संतों के स्टेच्यू कहीं देखनें को नहीं मिलते है। टूरिज़्म क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिये इस प्रकार के म्यूजियम की आवश्यकता थी। आर्किटेक्ट कमलेश शर्मा ने बताया कि आज तक हमनें भले ही भारत के संतो के इतिहास एवं विरासत के बारें में बताया है लेकिन 10 हजार वर्गफीट के इस म्यूजियम का एलीवेशन पूर्णतया आधुनिक तरीके से किया गया है ताकि भारतीय संस्कृति को कहीं न कहीं वैश्विक स्तर पर दर्शाया जा सकें।

मातृभाषा उन्नयन संस्थान करेगा नवोदित मंचीय कवियों को सम्मानित, प्रविष्टि आमंत्रित

इन्दौर। हिन्दी कवि सम्मेलन अपने शताब्दी वर्ष में प्रवेश कर रहा है। इस शताब्दी वर्ष की स्मृतियों को स्थायी बनाने के उद्देश्य से कवि सम्मेलन की नवांकुर पीढ़ी को मातृभाषा उन्नयन संस्थान काव्य दीप सम्मान से सम्मानित कर उन्हें हिन्दी कवि सम्मेलन के शताब्दी वर्ष से जोड़ेगा। मातृभाषा उन्नयन संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अर्पण जैन अविचल ने बताया, काव्य दीप सम्मान की स्थापना में देश के विभिन्न प्रान्तों से सौ नवांकुर कवियों का चयन किया जाएगा और उनके सम्मान के लिए विभिन्न स्थानों पर आयोजन होंगे, जिसमें उन्हें सम्मानित किया जाएगा। इस सम्मान के लिए नवांकुर कवियों को 30 नवंबर तक अपना परिचय, फ़ोटो व एक वीडियो का लिंक सहित सम्पर्क सूत्र, पता इत्यादि Kavisammelanshatabdi@gmail.com पर मेल करना होगा। चयन मण्डल प्रविष्टि के चयन उपरांत सूचित करेगा। उन्होंने ये भी बताया कि इस सम्मान हेतु आयु सीमा अधिकतम 35 वर्ष है। आवेदक के द्वारा बीते चार वर्ष में ही कवि सम्मेलनों में कविता पाठ करना आरम्भ किया गया हो। यह सम्मान पूर्णत: मंचीय कवियों के लिए ही है। काव्य दीप सम्मान समारोह का आयोजन देश के अलग-अलग प्रान्तों में मातृभाषा उन्नयन संस्थान द्वारा किया जाएगा। सम्मान के लिए प्रविष्टि पूर्णत: नि:शुल्क है। समय सीमा में प्राप्त मंचीय कवियों की प्रविष्टियों पर ही चयन मण्डल चयन करेगा।

उद्धव ठाकरे को सुप्रीम कोर्ट से झटका

कोर्ट ने कहा- चुनाव आयोग तय करेगा असली शिवसेना किसकी, शिंदे गुट ने किया है पार्टी पर दावा

नई दिल्ली। शिवसेना विवाद में मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट से एकनाथ शिंदे गुट को बड़ी राहत मिली है। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली संवैधानिक बेंच ने पार्टी पर शिंदे गुट के दावे को लेकर चुनाव आयोग की कार्यवाही पर लगी रोक हटा दी है।

अब आयोग शिवसेना के चुनाव चिह्न पर फैसला कर सकता है। यह उद्धव ठाकरे के लिए बड़ा झटका है, क्योंकि उद्धव ने इस मामले में विधायकों की योग्यता का फैसला होने तक इलेक्शन कमीशन की कार्यवाही पर रोक लगाने की मांग की थी।

उद्धव की याचिका पर सुनवाई करते हुए 23 अगस्त को जस्टिस एनवी रमना की बेंच ने केस संवैधानिक बेंच को ट्रांसफर करते हुए चुनाव आयोग की कार्यवाही पर रोक लगा दी थी। जस्टिस रमना ने कहा था कि संवैधानिक बेंच यह तय करेगी कि आयोग की कार्यवाही जारी रहेगी या नहीं। इससे पहले चुनाव आयोग ने सिंबल को लेकर शिंदे गुट की याचिका पर सभी पक्षों को नोटिस भेजकर जवाब देने के लिए कहा था।

20 जून से शुरू हुआ था शिवसेना का विवाद

शिवसेना का विवाद 20 जून से शुरू हुआ था, जब शिंदे के नेतृत्व में 20 विधायक सूरत होते हुए गुवाहाटी चले गए थे। इसके बाद शिंदे गुट ने शिवसेना के 55 में से 39 विधायक के साथ होने का दावा किया, जिसके बाद उद्धव ठाकरे ने इस्तीफा दे दिया था। पिछली सुनवाई के दौरान मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा था कि हमारे ऊपर अयोग्यता का आरोप गलत लगाया गया है। हम अभी भी शिवसैनिक हैं। उधर, सुप्रीम कोर्ट में उद्धव ठाकरे गुट की ओर से वकील कपिल सिब्बल ने कहा था कि शिंदे गुट में जाने वाले विधायक संविधान की 10वीं अनुसूची के तहत अयोग्यता से तभी बच सकते हैं, अगर वो अलग हुए गुट का किसी अन्य पार्टी में विलय कर देते हैं। उन्होंने कहा था कि उनके बचाव का कोई दूसरा रास्ता नहीं है।

धामी के आवास में सेवा पखवाड़े के तहत स्वच्छता सम्मान समारोह आयोजित

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को अपने सरकारी आवास स्थित, मुख्य सेवक सदन में सेवा पखवाड़ा 2022 के तहत 'स्वच्छता गौरव सम्मान' कार्यक्रम में स्वच्छता दूतों को सम्मानित किया। साथ ही, उन्होंने पी.एम स्वनिधि के लाभार्थियों एवं स्वच्छता पर आयोजित निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता के विजेता बच्चों को भी सम्मानित किया।

धामी ने प्रदेश के 'स्वच्छता दूतों' का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इनकी संकल्पशक्ति और प्रयासों ने राज्य में स्वच्छता का एक नया अध्याय लिखा है। उन्होंने कहा कि यह प्रत्येक उत्तराखंडवासी के लिए गर्व का विषय है कि स्वच्छ सर्वेक्षण-2022 में हमारे शहरी क्षेत्र के चार निकायों को राष्ट्रपति द्वारा एक अक्टूबर को सम्मानित किया जाएगा। स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण के तहत भी उत्तराखंड राज्य ने छह विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार जीते हैं। उन्होंने इसके लिए सभी स्वच्छता दूतों, शहरी विकास विभाग, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग को बधाई दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे स्वच्छता दूत ही स्वच्छता अभियान की धुरी हैं। भारतीय संस्कृति और दर्शन में स्वच्छता हमेशा से सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। ये हमारे मूल्यों और संस्कारों का अभिन्न अंग है।

मलप्पुरम से भारत जोड़ो यात्रा शुरू

मलप्पुरम (केरल)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो' यात्रा मंगलवार को 20 वें दिन इस जिले के पुलमंथोल जंक्शन से शुरू हुयी। यात्रा में गांधी के साथ सैकड़ों की संख्या में लोग और पार्टी के कार्यकर्ता चल रहे है। केरल चरण की यह यात्रा सुबह 11 बजे एमएसटीएम आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज में रुकेगी और शाम 5 बजे फिर से शुरू होकर शाम 7 बजे मलप्पुरम के पांडिकड सेंट्रल जंक्शन पहुंचेगी। इससे पूर्व सोमवार शाम को एक जनसभा में बोलते हुए, श्री राहुल ने कहा, हम ऐसे भारत को स्वीकार नहीं करेंगे जहां स्नातकों को नौकरी नहीं मिल सकती है। जहां उनके परिवार बढ़ती कीमतों के कारण डूब रहे हैं। उन्होंने कहा ,एक ऐसा भारत, जहां बड़े से बड़े व्यवसायी अपने जितना कर्ज माफ कर सकते हैं, लेकिन हमारे किसान, मजदूर और छोटे व्यवसायी डिफॉल्टर कहलाते हैं और जेल में डाल दिए जाते हैं। राज्य में 19 दिनों में, यात्रा एक अक्टूबर को कर्नाटक में शुरू होने से पहले, 450 किलोमीटर से अधिक के 7 जिलों को कवर करेगी। भारत जोड़ो यात्रा पांच महीने की है, जो कन्याकुमारी से श्रीनगर तक 3,500 किलोमीटर से अधिक लंबी पैदल यात्रा है। यह सामाजिक ध्रुवीकरण, आर्थिक असमानताओं और राजनीतिक केंद्रीकरण को उजागर करने के उद्देश्य से पार्टी के राष्ट्रीय जन संपर्क कार्यक्रम का हिस्सा है।

बुर्का नहीं पहनने पर पत्नी की हत्या, पति ने चाकू से गला रेता

3 साल पहले इकबाल और रूपाली ने की थी लव मैरिज

एजेंसी

मुंबई। मुंबई में एक मुस्लिम युवक ने अपनी हिंदू पत्नी की गला रेतकर हत्या कर दी। शुरुआती जांच में पता चला है कि पत्नी ने अपने ससुराल में मुस्लिम रीति-रिवाज मानने और बुर्का पहनने से मना कर दिया था। मुंबई के तिलक नगर इलाके के रहने वाले इकबाल मोहम्मद शेख ने तीन साल पहले 23 साल की रूपाली नाम की हिन्दू लड़की से लव मैरिज की थी। दोनों का दो साल का बेटा भी है।

शादी के बाद रूपाली पर ससुराल में मुस्लिम रीति-रिवाज को मानने और बुर्का पहनने का दबाव बनाया जा रहा था। इसे लेकर इकबाल और रूपाली में झगड़ा होने लगा था। दोनों पिछले कुछ महीने से अलग रह रहे थे। दोनों के बीच फोन पर ही बात होती थी। इस दौरान भी अक्सर झगड़ा ही होता था।

तलाक की बात सुनकर आया इकबाल को गुस्सा

पुलिस ने बताया कि घटना सोमवार की रात करीब 10 बजे की है, जब इकबाल रूठी पत्नी को मनाने गया था। इस दौरान दोनों के बीच मुस्लिम रीति-रिवाजों को लेकर फिर से झगड़ा होने लगा। गुस्से में रूपाली ने तलाक लेने की बात कह दी। पहले तो इकबाल बेटे का हवाला देते हुए उसे मनाने लगा, लेकिन जब रूपाली तलाक की बात पर अड़ी रही तो इकबाल रूपाली को गली में खींच कर ले गया। वहां चाकू से गला रेत दिया और फरार हो गया।

वारदात के कुछ देर बाद आरोपी गिरफ्तार

रूपाली की चीख सुनकर वहां लोग इकट्ठे हो गए। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई, लेकिन पुलिस जब तक पहुंची रूपाली की मौत हो चुकी थी। पुलिस ने रूपाली के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। इसके बाद आरोपी की तलाश शुरू कर दी गई। थोड़ी ही देर बाद इकबाल को गिरफ्तार कर लिया गया।

रूपाली इकबाल की दूसरी पत्नी थी

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, रूपाली इकबाल की दूसरी पत्नी थी। इकबाल ने पहली पत्नी को तलाक दे दिया था, क्योंकि उसके बच्चे नहीं थे। इसके बाद इकबाल ने रूपाली से लव मैरिज की थी। तिलक नगर के इंस्पेक्टर विलास राठौड़ ने बताया कि सोमवार को आरोपी इकबाल शेख ने पत्नी की चाकू से गला रेतकर हत्या कर डाली। फिलहाल, उससे पूछताछ की जा रही है।

महबूबा ने दी फलों के ट्रकों को लेकर आंदोलन की चेतावनी

एजेंसी

श्रीनगर । पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष एवं जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने मंगलवार को चेतावनी दी कि अगर प्रशासन फलों से लदे ट्रकों को उनके गंतव्य तक नहीं पहुंचने देते है तो वह फल उत्पादकों के साथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर धरना देंगी।

जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा,मैं जम्मू-कश्मीर प्रशासन को चेतावनी देता हूं कि यदि वे फलों के ट्रकों की सुचारू आवाजाही के लिए

श्रीनगर-जम्मू राजमार्ग को खोलने में विफल रहते हैं, तो मैं फल उत्पादकों के साथ मिलकर राजमार्ग को अवरुद्ध कर दूंगी।

कश्मीर की अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार सेब उद्योग पिछले महीने से एक बड़े संकट का सामना कर रहा है क्योंकि सुरक्षा बलों की आवाजाही के नाम पर श्रीनगर-जम्मू राजमार्ग पर सैकड़ों फलों के ट्रक अक्सर रोक दिये जाते हैं। इस प्रक्रिया में अधिकांश सेब सड़ने लगते हैं जिसका खामियाजा उद्योग से जुड़े सभी लोगों को भुगतना पड़ता है।

गुस्साए उत्पादकों ने सोमवार को सोपोर सहित कश्मीर के सभी प्रमुख थोक फल मंडियों को बंद कर दिया। काजीगुंड और बनिहाल के बीच ट्रकों को अक्सर रोका जाता है।

प्रशासन ने सोमवार को सभी फलों के ट्रकों को हाईवे से हटाने के आदेश जारी किए।

महबूबा मुफ्ती मंगलवार सुबह सेब उत्पादकों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए शोपियां पहुंचीं। उन्होंने यह जानने की मांग की कि अगर राजमार्ग की मरम्मत के नाम पर फलों के ट्रकों को रोका गया तो जम्मू से आवश्यक वस्तुएं घाटी में समय पर कैसे पहुंचेंगी।

मुफ्ती ने कहा,सेना के काफिले की आवाजाही की अनुमति देने से फलों के ट्रकों को रोकना कश्मीर के फल उद्योग को नुकसान पहुंचाना है।

क्रेन केबल टूटने से लोहे की छड़ें बस में गिरी, पांच घायल

चेन्नई। तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में रामापुरम के निकट एक क्रेन की केबल टूटने से उसमें बंधी छड़ें एक बस पर गिर गयी जिससे उसमें सवार दो कर्मचारियों समेत पांच लोग घायल हो गये।

पुलिस सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि आज तड़के करीब पांच बजे यह हादसा उस समय हुआ जब चेन्नई मेट्रो रेल लिमिटेड (सीएमआरएल) के पास काम में लगी एक क्रेन की केबल टूट गयी जिसमें बंधी लोहे की छड़ें मेट्रोपॉलिटन ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन (एमटीसी) की बस में गिर गयी। इस हादसे में बस का एक हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। घटना में घायल पांच लोगों को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

उन्होंने बताया कि एमटीसी बस ड्राइवरों और कंडक्टरों को कुंद्राथुर से अलंदूर में एमटीसी डिपो में ड्यूटी के लिए ले जा रही थी कि यह हादसा हो गया।

पनरूति एस. रामचंद्रन अन्नाद्रमुक से निष्कासित किया

चेन्नई। अन्नाद्रमुक के अंतरिम महासचिव एवं तमिलनाडु विधानसभा में विपक्ष के नेता एडप्पादी के. पलानीस्वामी ने मंगलवार को पार्टी संस्थापक एम जी रामचंद्रन के वफादारों की फेहरिस्त में शामिल पूर्व मंत्री पनरूति एस. रामचंद्रन को पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित कर दिया। इससे पहले पूर्व मुख्यमंत्री ओ पनीरसेल्वम के नेतृत्व वाल विद्रोही गुट ने आज रामचंद्रन पार्टी का राजनीतिक सलाहकार नियुक्त किया। पलानीस्वामी ने एक बयान जारी कर कहा कि श्री रामचन्द्रन जो अन्नाद्रमुक के आयोजन सचिव भी हैं। उनको पार्टी की छवि खराब करने और अनुशासन का उल्लंघन करने के लिए पार्टी से निष्कासित किया गया था। उन्हें पार्टी के सभी पदों से मुक्त किया गया है और उनसे कार्यकर्ताओं से कोई भी संबंध नहीं रखने का अनुरोध किया गया है। पनीरसेल्वम द्वारा श्री रामचन्द्रन को पार्टी के राजनीतिक सलाहकार के नियुक्त करने के चंद घंटे के पहले उनके निष्कासन की यह कार्रवाई की गयी है।

त्रिपुरा के कानून मंत्री पर दुष्कर्म पीड़िता को धमकाने का आरोप

अगरतला। त्रिपुरा विधानसभा में कानून मंत्री रतन लाल नाथ के खिलाफ दुष्कर्म पीड़िता को पुलिस के पास नहीं जाने की धमकी देने का आरोप लगाने के एक दिन बाद कांग्रेस विधायक सुदीप रॉयबर्मन ने मंगलवार को मुख्यमंत्री माणिक साहा और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

रॉयबर्मन ने कहा, मैंने विधानसभा के पटल पर मुख्यमंत्री और सभी सदस्यों की उपस्थिति में दुष्कर्मी, जो कि भाजपा का शीर्ष नेता और गोमती सहकारी दुग्ध संघ का अध्यक्ष है, को बचाने में कानून मंत्री की संलिप्तता का विस्तृत विवरण रख दिया है, जिसे विधानसभा की कार्यवाही में शामिल भी कर लिया गया है। अब मुख्यमंत्री और भाजपा की बारी है कि वे कार्रवाई करें।

उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर कानून मंत्री के खिलाफ मुख्यमंत्री कोई कार्रवाई नहीं करते हैं तो इस मामले को पार्टी और प्रधानमंत्री उच्चतम स्तर तक भेजा जाएगा, इसके अलावा उन्हें अदालत में भी घसीटा जाएगा।

रॉयबर्मन ने विधानसभा में आरोप लगाया कि एक गरीब महिला ने कुछ दिन पहले कानून मंत्री के निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले लेफुंगा पुलिस थाने में जाकर भाजपा नेता समीर दास और उनके भतीजे काशीराम दास के खिलाफ दुष्कर्म की शिकायत की थी, लेकिन पुलिस ने कानून मंत्री के निर्देश पर शिकायत दर्ज करने से मना कर दिया और पीड़िता को मंत्री से मिलने का सलाह दिया।

बाद में, नाथ ने पीड़िता से मुलाकात कर उसे चेतावनी दी कि वह न तो पुलिस के पास जाए और न ही किसी को इसके बारे में बताए, वरना उसका परिवार का रोजगार से हाथ धो लेगा, उसके बेटे को छात्रावास से बाहर निकाल दिया जाएगा और उनका भविष्य अधर में लटक जाएगा। श्री रॉयबर्मन ने यह बातें विधानसभा में पीड़िता का वीडियो जारी करते हुए कहा, जो पीड़िता ने सोमवार को मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी के सामने पेश किया था।

पीड़िता के बयान के अनुसार, वह आरोपी समीर दास के घर में काम करती थी। पिछले वर्ष दिसंबर में दास ने उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया, जिसे उसके भतीजे काशीराम ने देख लिया। बाद में काशीराम उसे ब्लैकमेल करने लगा और उसके साथ कई बार दुष्कर्म भी किया।

फुर्सत में मोबाइल पर समय बिताते हैं 63.36 प्रतिशत लोग : सर्वेक्षण

हैदराबाद । एक सर्वेक्षण में खुलासा हुआ है कि देश में 63.36 प्रतिशत लोग अपने खाली समय के दौरान अपने मोबाइल फोन पर समय बिताते हैं।

देश के सबसे बड़े इंफोटेनमेंट ऐप हैदराबाद स्थित वे2न्यूज की ओर से किए गए एक हालिया सर्वेक्षण में इन तथ्यों का खुलासा हुआ है।

सर्वेक्षण के मुताबिक 51 प्रतिशत लोग अपने मोबाइल पर वीडियो देखते हैं और 29 फीसदी लोग ओटीटी ऐप देखते हैं जबकि अन्य लोग संगीत सुनते हैं। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में जो सर्वेक्षण किया गया वह यह समझने के लिए कि लोग अपना खाली समय कैसे बिताते हैं।

सर्वेक्षण में कहा गया कि अब कोरोना वायरस प्रोटोकॉल में ढील दी गई है और शहर खुल गए हैं जिसके कारण यात्रा वापस प्रचलन में है।

सर्वे के मुताबिक 50.71 फीसदी लोग अपने वाहनों से यात्रा करना चुनते हैं। लंबे समय से देश में यात्रा का एक पसंदीदा साधन रही ट्रेन यात्रा अब 26 प्रतिशत और बस यात्रा को 14 प्रतिशत से अधिक लोग पसंद करते हैं। सुरक्षित रहना और ज्ञात लोगों के साथ यात्रा करना कोरोना महामारी के बाद के विकल्पों में एक कारक हो सकता है।

कम से कम 31 प्रतिशत ने कहा कि वे ऑनलाइन और दुकानों में खरीदारी करते हैं जबकि 29.5 प्रतिशत ने कहा कि वे खरीदारी करने से पहले कपड़ों को देखना एवं आज़माना पसंद करते हैं तथा दुकानों में खरीदारी करना पसंद करते हैं।

पिछले कुछ वर्षों में अभूतपूर्व कोरोना संबंधित लॉकडाउन और दुकानों में कदम रखने के लिए लोगों की अनिच्छा के कारण नुकसान झेलने वाले खुदरा स्टोर वॉक-इन में मामूली सुधार पर राहत की सांस लेंगे।

यह सर्वेक्षण पिछले सप्ताह दोनों तेलुगू राज्यों में वे2न्यूज ऐप के तेलुगु भाषी उपयोगकर्ताओं के बीच किया गया था। सर्वेक्षण में शामिल कम से कम 3.50 लाख नागरिक जिनमें 88 प्रतिशत पुरुष और 12 फीसदी महिलाएं हैं। करीब 70 फीसदी उत्तरदाता 21-30 वर्ष की आयु के युवा हैं।

सारण : सड़क हादसे में दो बच्चे की मौत, दो अन्य लोग घायल

एजेंसी

छपरा। बिहार में सारण जिले के छपरा - सिवान राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 531 पर रिविलगंज थाना क्षेत्र के मेथवलियां गांव के समीप मंगलवार को सड़क हादसे में दो बच्चे की मौत हो गयी जबकि दो अन्य घायल हो गए। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, रिविलगंज थाना क्षेत्र के मेथवलियां गांव के सुरेश राय के आठ वर्षीय पुत्र कृष्णा कुमार, नागेंद्र राय का आठ वर्षीय पुत्र सोहित राय, जितेन्द्र सिंह के दस वर्षीय पुत्र रोहित कुमार और महेश सिंह के दस वर्षीय पुत्र विक्की कुमार नवरात्र के अवसर पर झंडा एवं पताका लगा रहे थे। इसी दौरान सिवान की तरफ से आ रहे एक अनियंत्रित कार ने सभी बच्चों को अपनी चपेट में ले लिया।

विपक्ष के जोरदार हंगामे के बीच मान ने पेश किया विश्वास मत

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब विधानसभा सत्र के पहले दिन मंगलवार को विपक्ष के हंगामे के बीच मुख्यमंत्री भगवंत मान ने विश्वास प्रस्ताव पेश किया। विश्वास मत पेश करने से भड़के कांग्रेसियों ने सदन में जमकर नारेबाजी और हंगामा किया तथा कांग्रेस नेता सदन के बीचोंबीच पहुंचकर नारेबाजी करते रहे, जिससे सदन की कार्यवाही में व्यवधान पड़ा और कुछ भी स्पष्ट सुनायी नहीं दे रहा था। इसके बाद कांग्रेस ने सदन से बहिर्गमन किया। हंगामे के दौरान विधानसभा अध्यक्ष कुलतार सिंह संधवां ने विपक्ष के सदस्यों को अपनी सीटों पर जाने को कहा और सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से चलने देने का कई बार आग्रह किया, लेकिन कांग्रेस सदस्य आसन के समीप जाकर नारेबाजी करते रहे। सदन में भारी हंगामा तथा नारेबाजी को देख श्री संधवां ने मार्शल को आदेश दिया कि कांग्रेस के सभी सदस्यों को सदन से बाहर निकाला जाये। कांग्रेस के सदस्यों को सदन की शेष कार्यवाही से निलंबित कर दिया और इस बीच सदन की कार्यवाही दस मिनट के लिये स्थगित रही। कांग्रेस के सदस्यों ने सदन से बाहर आकर सरकार की कारगुजारी पर जमकर भड़ास निकाली।

विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने तो राज्यपाल से मान सरकार को भंग करने तथा 420 का मामला दर्ज करने की मांग की । श्री अमरिंदर राजा वडिंग ने कहा कि आप सरकार को सत्ता का अहंकार आ गया है। श्री बाजवा ने कहा कि पंजाब में सरकारी नौकरियों में भर्ती हो नहीं रही, लेकिन गैंगस्टरों की ऑनलाइन भर्ती जरूर हो रही हैं।

मेघालय : हाई कोर्ट ने मुख्य सचिव के खिलाफ अवमानना मामला लिया वापस

एजेंसी

शिलांग। मेघालय उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार की ओर से सभी खनन किए गए कोयले की माप के संबंध में 'कुछ सकारात्मक उपाय' किये जाने के बाद राज्य के मुख्य सचिव के खिलाफ अवमानना कार्यवाही के अपने पिछले आदेश को वापस ले लिया है। न्यायालय पूर्ण पीठ ने सुनवाई के दौरान बताया कि राज्य की ओर से 19 सितंबर, 2022 की एक रिपोर्ट दाखिल की गई है, जिसमें कुछ जगहों को छोड़कर राज्य में पड़े सभी कोयले की माप का संकेत दिया गया है। रिपोर्ट के साथ संलग्न एक बार-चार्ट के अनुसार, कोल इंडिया लिमिटेड द्वारा नीलामी के लिए उपलब्ध कोयले की कुल राशि लगभग 31,26,025 मीट्रिक टन होने की उम्मीद है। अदालत ने कहा,अगली पांच तिमाहियों में चरणबद्ध तरीके से ऐसे कोयले का परिवहन किया जाना है। यह आशा की जाती है कि अभ्यास योजना के अनुसार और चार्टर्ड आउट के रूप में पूरा किया जाएगा। राज्य की रिपोर्ट को न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) बी पी कटके के समक्ष भी रखा गया था, जिन्हें उच्च न्यायालय की ओर से नियुक्त किया गया है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उच्चतम न्यायालय और राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण के जारी बकाया निर्देशों का अनुपालन किया जा सके।

शार्ट न्यूज

दक्षिणी दिल्ली लोक सभा के सभी 39 निगम वार्डों में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा स्वच्छता अभियान चलाया गया

नई दिल्ली। माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के जन्मदिवस 17 सितंबर से शुरू सेवा पखवाड़े के 11वें दिन दक्षिणी दिल्ली सांसद रमेश बिधूड़ी के नेतृत्व में दक्षिणी दिल्ली लोक सभा के सभी 39 निगम वार्डों में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस दौरान सांसद रमेश बिधूड़ी ने तिगड़ी वार्ड (देवली विधान सभा), सैदुलाजाब वार्ड (छत्तरपुर विधान सभा) आदि विभिन्न वाड़ों में स्वच्छता के कार्यक्रमों में भाग लिया। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ कूड़ा ग्रस्त स्थलों पर साफ-सफाई की। इस मौके पर बिधूड़ी ने लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक भी किया, उन्होंने कहा कि एक स्वस्थ नागरिक ही स्वस्थ राष्ट्र का निमार्ण करता है, सफाई सिर्फ अपने घरों तक ही सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि हर व्यक्ति को अपने गली, मोहल्ले व क्षेत्र में स्वच्छता बनाये रखने के लिए अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी का यह सपना था कि भारत स्वच्छता के प्रति अग्रसर हो, भारत का हर एक नागरिक एक साथ मिलकर देश को स्वच्छ बनाने में अपना योगदान दे। उनके इस सपने को पूरा करने का संकल्प माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने लिया है, उन्होंने वर्ष 2014 में देश में भाजपा की सरकार बनते ही 2 अक्टूबर को स्वच्छ भारत अभियान की शुरूआत की और स्वयं हाथ में झाड़ू उठा सफाई कर देश के जनमानस में स्वच्छता के प्रति अलख जगाई। तब से देश में स्वच्छता रूपी अनेकों बदलाव हुए हैं। यह एक दुखद तथ्य था कि स्वतंत्रता के 60 वर्षों के पश्चात भी देश में लोगों के पास निजी शौचालय नहीं थे। शौचालय के अभाव में महिलाओं को सम्मानजनक जीवन जीने में भी असुविधा का सामना करना पड़ता था। स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत योजना के अंतगर्त गत पिछले 8 वर्षों में 12 करोड़ से अधिक शौचालयों का निमार्ण किया गया है जिससे स्वच्छता के साथ-साथ आज महिलाएं सम्मानजनक जीवन जीने में सक्षम है।

एनआई एक्ट वादों की आयोजित विशेष लोक अदालत में कुल 112 वादों का किया गया निस्तारण

ग्रेटर नोएडा। उच्च न्यायालय, इलाहाबाद व उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ द्वारा प्राप्त निर्देशों के अनुपालन में धारा 138 एनआई एक्ट वादों की निस्तारण के लिए विशेष लोक अदालत का आयोजन जनपद न्यायाधीश गौतमबुद्धनगर की अध्यक्षता में मंगलवार को जनपद न्यायालय गौतमबुद्धनगर में किया गया। जिसमें विभिन्न न्यायालयों द्वारा कुल 112 वादों का निस्तारण किया गया।सचिव पूर्णकालिक जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गौतमबुद्धनगर जयहिंद कुमार सिंह द्वारा न्यायालयवार प्राप्त विवरण के अनुसार बताया गया कि सर्वोत्तमा एन शर्मा अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट-प्रथम द्वारा 1 वाद,नूपुर श्रीवास्तव अपर सिविल जज जूनियर डिविजन द्वितीय द्वारा 3 वाद,प्रदीप कुमार कंसल पीठासीन अधिकारी अतिरिक्त न्यायालय कक्ष संख्या 1 द्वारा 15 वाद,नलिन कांत त्यागी पीठासीन अधिकारी अतिरिक्त न्यायालय कक्ष संख्या 2 द्वारा 42 वाद,विजय कुमार अग्रवाल, पीठासीन अधिकारी अतिरिक्त न्यायालय कक्ष संख्या 3 द्वारा 51 वाद निस्तारित किये गये। उपरोक्तानुसार विशेष लोक अदालत में कुल 112 वादों का निस्तारण किया गया।

दो वाहन चोर गिरफ्तार,चोरी की 6 मोटरसाइकिल बरामद

नोयडा । थाना फेस टु पुलिस ने टीसीएस कट सैक्टर फेस टु के पास से दो शातिर वाहन चोरो अक्षय धामा पुत्र सूरज सिंह निवासी बडी निवाडी थाना बागपत जिला बागपत हाल पता राम पार्क कालोनी थाना ट्रोनिका सिटी जिला गाजियाबाद, मौहम्मद मसूद उर्फ राजा पुत्र मौहम्मद अकबर निवासी ग्राम पावी थाना ट्रोनिका सिटी जिला गाजियाबाद को गिरफ्तार कर लिया।पकड़े गए अभियुक्तों के कब्जे एवं निशादेही पर पुलिस ने चोरी की 6 भिन्न भिन्न कम्पनी की मोटरसाइकिलें बरामद की है। अभियुक्तों से बरामद मोटरसाइकिलें दिल्ली,हरियाणा, गाजियाबाद, नोएडा आदि स्थानो से चोरी होना पायी गयी है। अभियुक्त शातिर किस्म के वाहन चोर हैं। जिनके विरुद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

पुलिस की वर्दी पहनकर हथियार लहराया और पहुंचे हवालात

ग्रेटर नोएडा। थार जीप में डेस्क बोर्ड पर लालबत्ती, हाथ में हथियार और पुलिस इंस्पेक्टर की वर्दी पहनकर वीडियो बनाना दो युवकों को भारी पड़ गया। उनका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो पुलिस ने दोनों युवकों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उनकी गाड़ी को भी जब्त कर सीज कर दिया है। हवालात में पहुंचने पर दोनों युवक माफी मांगने लगे। सोशल मीडिया पर मंगलवार को एक वीडियो बहुत तेजी से वायरल हुआ था। यह वीडियो ग्रेनो वेस्ट में बनाया गया था। वायरल वीडियो में जीप चला रहा युवक हाथ में हथियार लेकर लहरा रहा है, जबकि उसकी बराबर की सीट पर बैठा युवक पुलिस की वर्दी पहने हुए है। गाड़ी के डेस्क बोर्ड पर लालबत्ती रखी है। जीप में एक गाना बज रहा है, 'शहर में चर्चा और थाने में पर्चा हमारे ही मिलेंगे। सेक्टर इकोटेक तीन कोतवाली पुलिस ने वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए दोनों युवकों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। युवकों की पहचान आकाश निवासी सैनी और अंकित निवासी दलेलगढ़ दनकौर के रूप में हुई है। पुलिस ने इनकी गाड़ी को सीज कर दिया है। पुलिस ने दोनों को हवालात में बंद किया तो वे आगे से ऐसी गलती नहीं करने की माफी मांगने लगे। पुलिस ने बताया कि पकड़े गए युवकों ने यूट्यूब पर फेमस होने के लिए वीडियो बनाया था।

पीएफआई : दिल्ली में छापेमारी के बाद 30 से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया गया

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में निजामुद्दीन और शाहीन बाग सहित कई स्थानों पर पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया(पीएफआई) से संबंधित ठिकानों पर दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की छापेमारी के बाद मंगलवार को 30 से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया गया। पुलिस ने बताया कि स्पेशल सेल की टीमों ने सोमवार रात करीब 12.30 बजे छापेमारी शुरू की, जो मंगलवार सुबह तक चली।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में निजामुद्दीन और शाहीन बाग सहित कई स्थानों पर छापेमारी की गई। अभी तक पीएफआई से संबद्ध 30 से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया गया है।

अभी तक कोई मामला दर्ज नहीं किया

दिल्ली पुलिस की जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ) सुमन नलवा ने पीएफआई के खिलाफ इस संयुक्त कार्रवाई की पुष्टि की और बताया कि 30 से अधिक लोगों को अभी तक हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने बताया कि अभी तक कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है क्योंकि जांच अभी जारी है। पुलिस के अनुसार, दिल्ली के उत्तर-पूर्वी, मध्य, दक्षिण-पूर्व और रोहिणी जिलों में अर्धसैनिक बलों को तैनात किया गया है, जहां छापे मारे गए हैं।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि हमने कानून और व्यवस्था की स्थिति सुनिश्चित करने और क्षेत्र में शांति बनाए रखने के लिए जिलों के संबंधित क्षेत्रों में निवारक उपाय किए हैं और अर्धसैनिक बलों को तैनात किया है। यह एक निवारक उपाय के रूप में है ताकि कोई अप्रिय स्थिति न हो।

सूत्रों ने बताया कि शीर्ष अधिकारियों ने जिला प्रमुखों से पीएफआई से जुड़े लोगों की पहचान करने और उनका पता लगाने में विशेष प्रकोष्ठ की टीमों की मदद करने को कहा है। बता दें कि, असम, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और कर्नाटक में मंगलवार को इसी तरह की छापेमारी में पीएफआई के कई कार्यकर्ताओं तथा नेताओं को गिरफ्तार किया गया या हिरासत में लिया गया है।

माना जा रहा है कि, पिछले सप्ताह गिरफ्तार किए गए पीएफआई कार्यकर्ताओं से की गई पूछताछ के आधार पर इन लोगों को हिरासत में लिया गया है।

22 को एनआईए ने देशभर में मारे था छापे

यह कार्रवाई उस समूह के खिलाफ पूरे भारत में इसी तरह की तलाशी के पांच दिन बाद हुई है, जिस पर अक्सर कट्टरपंथी इस्लाम से जुड़े होने का आरोप लगाया जाता है। 22 सितंबर को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के नेतृत्व में बहु-एजेंसी टीमों ने देश में आतंकवादी गतिविधियों का समर्थन करने के आरोप में 15 राज्यों में पीएफआई के ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी के बाद 106 नेताओं और कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया था। एनआईए पीएफआई से जुड़े 19 मामलों की जांच कर रही है। पीएफआई की स्थापना 2006 में केरल में की गई थी और वह भारत में हाशिये पर पड़े वर्गों के सशक्तिकरण के लिए नव सामाजिक आंदोलन चलाने का दावा करता है।

हालांकि, सुरक्षा एजेंसियों का दावा है कि पीएफआई कट्टर इस्लाम का प्रचार कर रहा है।

दिल्ली में बाढ़ का अलर्ट जारी, यमुना का जलस्तर खतरे के निशान से पार

नई दिल्ली। दिल्ली में यमुना नदी के तटवर्ती निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को निकालने के लिए अलर्ट घोषित किया गया है और यमुना नदी का जलस्तर खतरे के निशान 205.33 मीटर से ऊपर 206.18 मीटर तक पहुंच गया है, जो ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों में लगातार बारिश के बाद इस साल जलस्तर में अब तक की सबसे अधिक वृद्धि है।

अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि पूर्वी दिल्ली के जिलाधिकारी अनिल बंका ने कहा कि जलस्तर के 206 मीटर के स्तर को पार करने के बाद मंगलवार सुबह लोगों को निकालने के लिए अलर्ट जारी किया गया।

उन्होंने कहा कि नदी के तटवर्ती निचले इलाकों को खाली कराया जा रहा है और लोगों को ऊंचाई वाले स्थानों पर भेजा जा रहा है।

सरकारी स्कूलों और आसपास के इलाकों में रैन बसेरों में उनके ठहरने की व्यवस्था की गई है। बंका ने कहा कि जलस्तर में और वृद्धि की आशंका के मद्देनजर लोगों को सावधान करने के लिए घोषणाएं की जा रही हैं।

दिल्ली में नदी के निकटवर्ती निचले इलाकों को बाढ़ संभावित क्षेत्र माना जाता है, जहां लगभग 37,000 लोग रहते हैं। दो महीने के भीतर यह दूसरी बार है जब अधिकारियों ने बाढ़ जैसे हालात के कारण निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थान पहुंचाया है।

यमुना नदी में जलस्तर 12 अगस्त को खतरे के निशान 205.33 मीटर से ऊपर पहुंच गया था, जिसके बाद तटवर्ती निचले इलाकों से करीब 7,000 लोगों को निकालकर सुरक्षित स्थान पहुंचाया गया था। 13 अगस्त को जलस्तर 205.99 मीटर पहुंच गया था और इसके बाद यह घटने लगा था।

दिल्ली बाढ़ नियंत्रण कक्ष ने कहा कि पुरानी दिल्ली रेलवे पुल पर जलस्तर मंगलवार सुबह पौने छह बजे 206 मीटर को पार कर गया। सुबह नो बजे तक नदी में जलस्तर बढ़कर 206.18 मीटर हो गया।

बाढ़ नियंत्रण कक्ष के पूर्वानुमान के अनुसार, दिन में तीन बजे से शाम पांच बजे के बीच जलस्तर बढ़कर 206.5 मीटर हो सकता है। अधिकारियों ने हरियाणा के हथिनीकुंड बैराज से सुबह सात बजे लगभग 96,000 क्यूसेक पानी छोड़े जाने की सूचना दी।

अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व की अध्यक्षता में धान क्रय केंद्र को लेकर कलेक्ट्रेट के सभागार में कार्यशाला का हुआ आयोजन

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप एवं जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर के निर्देशों के क्रम में किसानों को उनकी धान की फसल का उचित मूल्य उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जनपद में संबंधित अधिकारियों के द्वारा धान क्रय केंद्रों को लेकर निरंतर कार्यवाही सुनिश्चित की जा रही है। इसी क्रम में मंगलवार को धान क्रय केंद्रों का सुचारू रूप से संचालन करने एवं किसानों को धान की फसल का मानकों के अनुरूप उचित मूल्य उपलब्ध कराने के उद्देश्य से अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गौतमबुद्धनगर वंदिता श्रीवास्तव की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में धान क्रय केंद्र को लेकर कार्यशाला का आयोजन किया गया। आयोजित कार्यशाला का संचालन खाद्य विपणन अधिकारी के द्वारा किया गया। खाद्य विपणन अधिकारी ने अपर जिलाधिकारी को अवगत कराया कि किसानों से धान की खरीद के लिए जनपद में 6 धान क्रय केंद्रों की स्थापना की गई है। जिसमें तहसील दादरी में 1, सदर में 2 तथा जेवर तहसील में तीन क्रय केंद्र सम्मिलित हैं। उन्होंने बताया कि समस्त क्रय केंद्रों की जियो टैगिंग हो चुकी है एवं क्रय केंद्रों को पोर्टल पर सक्रिय करते हुए क्रय केंद्रों पर केंद्र प्रभारी/ स्टाफ की तैनाती कर दी गई है।अपर जिलाधिकारी ने धान क्रय केंद्रों की तैयारियों को लेकर समीक्षा करते हुए कहा की क्रय केंद्रों पर टोकन पंजिका, क्रय पंजिका, निरीक्षण पंजिका, स्टॉक रजिस्टर, शिकायत पंजिका, बोरा रजिस्टर, धान रिजेक्शन पंजिका, टीसीडीसी, क्रय तक पट्टी, मूवमेंट चालान आदि अभिलेख अनिवार्य रूप से होने चाहिए।

श्री विठ्ठल भाई पटेल और शहीद भगत सिंह को जन्म जयंती के अवसर पर विधानसभा परिसर में उनको श्रद्धांजलि दी गई

देश के इन महान सपूतों ने अपने विवेक, समर्पण, त्याग और साहस से भारत की स्वाधीनता में अहम भूमिका निभाई : गोयल

आनंद राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। विठ्ठल भाई पटेल को उनकी 149वीं जन्म जयन्ती और शहीद भगत सिंह को उनकी 115वीं जन्म जयंती के अवसर पर विधानसभा परिसर में भावभीनी श्रद्धांजलि दी गयी। अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष, समाज कल्याण मंत्री श्री राजेन्द्र पाल गौतम, विधानसभा सचिव, श्री राजकुमार के अलावा कई अधिकारी और कर्मचारी भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर अध्यक्ष महोदय ने श्री विठ्ठल भाई पटेल को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि विठ्ठल भाई पटेल केंद्रीय विधानसभा के पहले निर्वाचित भारतीय अध्यक्ष थे। श्री पटेल प्रख्यात विधानवेत्ता, वक्तृत्वकला के आचार्य और भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन के देश-विदेश में प्रचारक, प्रवर्तक थे। वे सरदार वल्लभ भाई पटेल के बड़े भाई थे।

गोयल ने आगे कहा की सन 1923 में वे केन्द्रीय विधान परिषद् के लिए चुने गए और 1925 में इसके अध्यक्ष बन गए। उनकी निष्पक्ष और निर्भीक विचारधारा ने लोगों पर उनके व्यक्तित्व की अमिट छाप छोड़ी। विठ्ठल भाई संसदीय विधि विधानों के प्रकांड विद्वान थे जिसके कारण सदन में सभी दल उन्हें आदर और सम्मान देते थे और उनकी दी हुई विद्वत्तापूर्ण व्यवस्था सभी लोगों को मान्य हुआ करती थी। केंद्रीय विधान सभा के अध्यक्ष के रूप में उन्होंने न सिर्फ भारत बल्कि विदेशों में भी ख्याति अर्जित की।

अध्यक्ष महोदय ने आगे कहा की उन्होंने असहयोग आन्दोलन में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया । विठ्ठल भाई पटेल ने कांग्रेस से त्यागपत्र दे दिया और चित्तरंजन दास और मोतीलाल नेहरु के सहयोग से 'स्वराज' पार्टी की स्थापना की। स्वराज पार्टी का मुख्य उद्देश्य था विधान परिषदों में प्रवेश कर सरकार के काम-काज को बाधित करना। शहीद भगत सिंह की जन्म जयंती पर उनको श्रद्धांजलि देते हुए अध्यक्ष महोदय ने कहा की भगत सिंह भारत के एक महान स्वतंत्रता सेनानी एवं क्रान्तिकारी थे। चन्द्रशेखर आजाद व पार्टी के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर इन्होंने भारत की स्वतंत्रता के लिए अभूतपूर्व साहस के साथ शक्तिशाली ब्रिटिश सरकार का मुक़ाबला किया। लाहौर में बर्नी सैंडर्स की हत्या और उसके बाद दिल्ली की केन्द्रीय संसद (सेण्ट्रल असेम्बली) में बम-विस्फोट करके भगत सिंह ने ब्रिटिश साम्राज्य के विरुद्ध खुला विद्रोह कर दिया था। गोयल ने आगे कहा की आज़ादी के इस दीवाने ने अंग्रेजों और भारत के लोगों को दिखा दिया कि वह आज़ादी के लिये क्या कर सकते है । भगत सिंह राजगुरु, सुखदेव पर अंग्रेजी हुकूमत ने झूठा मुकदमा चला उन्होंने फांसी की सजा सुनाई लेकिन भारत के इन महान सपूतों ने हंसते हंसते बलिदान दे दिया।

अब दिल के रोगों का इलाज होगा फ्री एडु-वैक्सीन से

हेंल्दी हार्ट के लिए लाभदायक है : फ्री एडु-वैक्सीन

विवेक राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली । साइंस एंड आर्ट ऑफ लिविंग (साओल) ने अपने सीएसआर प्रोग्राम पुण्य लाइफ फाउंडेशन के तहत लोगों को सेहतमंद बनाने के लिए एक और बेहतर पहल की है। दिल्ली स्थित पुण्य लाइफ फाउंडेशन ने दिल संबंधी बीमारियों को देश से खत्म करने और लोगों को बचाने के लिए इस मिशन की शुरुआत की है। साओल पिछले 20 सालों से ज्यादा वक्त से जनता की सेवा में लगा है और हार्ट डिसीज से जुड़े अलग-अलग एजुकेशन प्रोग्राम चलाकर लोगों में जागरुकता पैदा कर रहा है। इस तरह के अबतक 5 लाख से ज्यादा लोगों को गाइड किया जा चुका है।

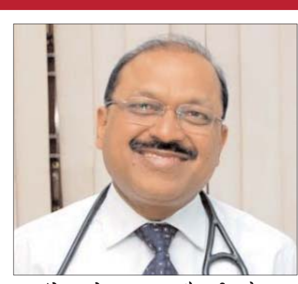

फाउंडेशन ने अब एडु-वैक्सीन के नाम से लाइफस्टाइल को सुधारने का सिंपल और आसान फॉर्मूला तैयार किया है। इस तरह की फ्री एडु-वैक्सीन के जरिए फाउंडेशन का मकसद अगले पांच सालों में देश के 50 करोड़ लोगों तक पहुंचना है और उन्हें अवेयर करना है। इसी साल फाउंडेशन 5 लाख लोगों को एजुकेट करना का टारगेट हासिल कर लेगा। इस एडु-वैक्सीन प्रोग्राम के तहत फ्री मेडिकल चेक-अप्स कैम्प लगाए जाते हैं। लोगों को 10 मिनट का वीडियो दिखाया जाता है और उन्हें समझाया जाता है कि वो कैसे अपने दिल को स्वस्थ रख सकते हैं। साइंस एंड आर्ट ऑफ लिविंग (साओल) कार्डियक केयर मेथोडोलॉजी के फाउंडर और एम्स में पूर्व कंसल्टेंट रहे डॉ.बिमल छाजेड़ का कहना है कि हेल्थ सेक्टर के लिए कार्डियोलॉजी बहुत बड़ा बिजनेस है और बहुत ही कम डॉक्टर्स हैं जो अपने पेशंट को ये समझाते हैं कि कैसे वो अपने दिल को हेल्थी रख सकते हैं।

ऐसे में ये बहुत जरूरी है कि मरीज के दिल से जुड़ी दिक्कतों का जल्द से जल्द पता लगाया जा सके, ताकि काउंसलिंग और मेडिसिन की मदद से ही बिना किसी रिस्क के मरीज को समय पर ठीक किया जा सके। हार्ट को सुरक्षित रखने के लिए सबसे ज्यादा आवश्यक ये है कि लोगों को हार्ट से जुड़ी चीजें बताई जाएं, उन्हें स्वस्थ शरीर की इंपोर्टेंस समझाई जाए, साथ ही ये भी बताया जाए कि कैसे गलत लाइफस्टाइल उनकी सेहत को नुकसान पहुंचाती है। एक बार लोग अपनी बॉडी और लाइफस्टाइल को लेकर सचेत हो जाएं तो फिर हमने जो एडु-वैक्सीन मॉड्यूल तैयार किया है वो लोगों के लिए अपनी जिंदगी में उतारना काफी आसान हो जाएगा. इससे फायदा ये होगा कि लोगों की लाइफस्टाइल बेहतर हो पाएगी और वो स्वस्थ रह सकेंगे।

ओमेक्स सोसाइटी के 93 फ्लैट मालिकों को अतिक्रमण हटाने के लिए 48 घंटे का वक्त

नोएडा। सेक्टर-93 बी स्थित ग्रैंड ओमेक्स सोसाइटी में करीब 93 फ्लैट के बाहर हो रखे अतिक्रमण को हटाया जाएगा। नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने मंगलवार को सोसाइटी पहुंचकर फ्लैट मालिकों को अतिक्रमण हटाने के लिए 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया। अगर तय समय में लोगों ने अतिक्रमण नहीं हटाया तो प्राधिकरण उनको तोड़ देगा। इसके अलावा मंगलवार को त्यागी परिवार की ओर से लगाए गए पेड़ों को भी हटाने के निर्देश दिए गए। प्राधिकरण के इस सख्त निर्णय से सोसाइटी के लोगों में खलबली मच गई है। सोसाइटी में पांच अगस्त 2022 को अपने फ्लैट के बाहर पेड़ लगाने को लेकर श्रीकांत त्यागी का महिला से विवाद हो गया था। इसकी कुछ वीडियो वायरल हो हुई थीं, जिसमें श्रीकांत त्यागी महिला को गाली-गलौच करते नजर आ रहा था। पुलिस ने इस मामले में श्रीकांत त्यागी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था और त्यागी के फ्लैट के बाहर हो रखे अतिक्रमण को तोड़ने के अलावा पेड़ भी हटा दिए थे। इस मामले में एक बार फिर सोमवार को नया मोड़ आ गया। श्रीकांत त्यागी के परिजनों और त्यागी समाज के लोगों ने सोसाइटी के गेट पर प्रदर्शन कर प्राधिकरण को चुनौती दी थी कि अगर 24 घंटे के अंदर लगाए गए पाम के पेड़ों को दोबारा नहीं लगाया और अन्य फ्लैट वालों के अतिक्रमण को नहीं तोड़ा गया तो वे आंदोलन करेंगे। इसके बाद बुधवार को त्यागी के परिजनों ने अपने फ्लैट के बाहर चारों तरफ बड़े-बड़े पेड़ लगा दिए। इसकी शिकायत सोसाइटी वालों ने नोएडा प्राधिकरण से की।

मादक पदार्थों एवं फर्जी सिम कार्डो की तस्करी करने वाले पाँच अभियुक्त गिरफ्तार

20 लाख रुपये अमेरिकन ड्रग्स, एमडीएमए 40 टैबलेट, 279 एक्टिव सिमकार्ड फर्जी और 451 डिटेक्टिव सिमकार्ड बरामद

ग्रेटर नोएडा। एन्टी ऑटो थेफ्ट टीम एवं थाना नालेज पार्क पुलिस ने मादक पदार्थों एवं फर्जी सिम कार्डो की तस्करी करने वाले पाँच अभियुक्तों को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए अभियुक्तों के कब्जे से पुलिस ने अमेरिकन ड्रग्स 55 ग्राम कीमत 20 लाख रूपये, 40 टैबलेट एमडीएमए, विदेशी वीड 90 ग्राम गांजा,279 एक्टिव सिमकार्ड फर्जी और 451 सिमकार्ड डिएक्टिव बरामद किए हैं।अभियुक्तगण विदेशी नागरिकों (चीनी व नाइजिरीयन नागरिक) को सिम आदि मगांकर दिल्ली एनसीआर,जनपद गौतमुबद्धनगर और थाना नॉलेजपार्क क्षेत्र में मौजूद हॉस्टलो में रहने वाले एवं कॉलेजो में पढने वाले छात्रो को सप्लाई कर अवैध धन अर्जित करते हैं। पकड़े गए अभियुक्तगणों में सिक्सटुस नाएईमेका ओकूमा पुत्र ओकूमा निवासी बी 252 राजपुर खुर्द

एक्सटेंशन दिल्ली मूल पता नाइजीरिया, तकल्हा नंदुक पुत्र जमयांग मकान नंबर 46 ब्लाक एन न्यू अरूणा नगर मजनू का टीला सिविल लाइंस उत्तरी दिल्ली, लिट्टन दास पुत्र नेताई निवासी एच नंबर 1375 गली नंबर 3 तुगलकाबाद एक्सटेंशन थाना गोबिन्दपुरी नई दिल्ली मूल पता विष्णुपुर बागमारा चाकदा नादिया पश्चिमी बंगाल, बलराम पुत्र सुखीराम निवासी मकान नंबर 236 लालकुआ विलेज चुंगी नंबर 2 एमबी रोड नई दिल्ली, आसिम खान पुत्र समीख खान निवासी 98बी सेकण्ड फ्लोर जाबिर नगर नई दिल्ली मूल पता विलेज अमारपुर तहसील स्याना थाना खानपुर जनपद बुलन्दशहर रुप में हुई है। गिरफ्तार करने वाली टीम को पुलिस उपायुक्त ग्रेटर नोएडा/स्पेशल सैल ऑपरेशन्स कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर द्वारा 20000 रूपये की धनराशि से पुरस्कृत किया गया। गिरफ्तार उपरोक्त अभियुक्तगण शातिर किस्म के अपराधी हैं।जिनके विरुद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

पार्क में युवक का शव मिला, हत्या की आशंका

नोएडा। हरौला गांव के पार्क में मंगलवार सुबह युवक का शव लहूलुहान अवस्था में मिला। पुलिस ने युवक की हत्या कर शव फेंकने की आशंका जाहिर की है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को सुबह सूचना मिली थी कि हरौला गांव के पार्क में युवक का शव लहूलुहान अवस्था में पड़ा है। पुलिस को मृतक की जेब से मोबाइल, 150 रुपये और आधार कार्ड मिला। आधार कार्ड के आधार पर मृतक की पहचान 30 वर्षीय मिंटू सिंह के रूप में हुई। वह मूलरूप से बिहार के मुजफ्फरपुर का रहने वाला था। आशंका जताई जा रही है कि किसी धारदार हथियार से वार करके युवक की हत्या की गई है। हालांकि, पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के सही कारण का पता चला सकेगा। पुलिस मामले की तह तक जाने के लिए आसपास के लोगों से भी पूछताछ कर रही है।

एनजीटी ने हरियाणा पर लगाया 100 करोड़ रुपये का जुर्माना

एजेंसी

नई दिल्ली। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने हरियाणा में पर्यावरण को लगातार हो रहे नुकसान के लिए हरियाणा सरकार पर 100 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। एनजीटी ने हरियाणा के मुख्य सचिव को पर्यावरण मुआवजे के रूप में 100 करोड़ रुपये की राशि जमा करने का निर्देश दिया है।

जस्टिस आदर्श कुमार गोयल की अध्यक्षता वाली बेंच ने हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एचएसपीसीबी) के अध्यक्ष की अध्यक्षता में नौ सदस्यीय कमेटी का भी गठन किया। कमेटी रियायत समझौते के अनुसार लगे ठेकेदारों के प्रदर्शन का मूल्यांकन कर सकती है और यदि यह पाया जाता है कि ठेकेदार अपेक्षित प्रदर्शन करने में विफल रहा है, तो कमेटी ठेकेदारों को बदलने के लिए उपयुक्त वैकल्पिक व्यवस्था कर सकती है, जैसा कि एनजीटी द्वारा पहले देखा गया था।

एनजीटी ने नोट किया कि एक ही मुद्दे से संबंधित मामले यानी पर्यावरण और सार्वजनिक स्वास्थ्य और आसपास के वन क्षेत्रों के पूर्वाग्रह के

लिए विरासत नगरपालिका ठोस अपशिष्ट डंप साइटों को संभालने और निपटाने के लिए पर्यावरणीय मानदंडों को बनाए रखने में विफलता दिखी।

ट्रिब्यूनल एक मामले की सुनवाई कर रहा था जिसमें कहा गया था कि एक अपशिष्ट प्रबंधन परियोजना विकसित की गई है और एक चीनी कंपनी - ईको-ग्रीन एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड को वर्ष 2017 में एक कॉन्ट्रैक्ट दिया गया था।

हालांकि, उठाए गए कदम अपर्याप्त हैं, कचरे को जलाया जा रहा है, जिससे भारी वायु प्रदूषण हो रहा है, जिसमें न केवल निवासियों को प्रभावित करने की क्षमता है बल्कि असोला भाटी वन्यजीव अभयारण्य में पक्षियों की 193 प्रजातियां, बड़ी संख्या में औषधीय पौधे और 80 से अधिक प्रजातियां हैं। तितलियों की प्रजातियां, काला हिरन, गोल्डर सियार और तेंदुआ। ग्रीन कोर्ट ने कहा कि राज्य पर्यावरण के नियमों के उल्लंघन के प्रतिकूल प्रभाव को नियंत्रित करके पर्यावरण के प्रति संवेदनशील क्षेत्र की रक्षा करने के लिए बाध्य है।

ट्रिब्यूनल ने शुक्रवार (23 सितंबर) को निर्देश पारित करते हुए यह भी कहा, आपातकालीन स्थिति के संबंध में राज्य के अधिकारी यूजर्स चार्ज के भुगतान पर अस्थायी अवधि के लिए लागू कानून के अनुसार निकटतम उपलब्ध भूमि का उपयोग करने के लिए अपने अधिकार क्षेत्र का प्रयोग कर सकते हैं। यदि किसी संयंत्र को स्थापित करने की आवश्यकता है जिसके लिए पर्यावरण मंजूरी (ईसी) की आवश्यकता है, तो ऐसे पौधों से पर्यावरण को लाभ होगा, ईसी के अनुदान की प्रतीक्षा करने की आवश्यकता नहीं है, लेकिन वन, वन्यजीव और जल निकायों के संबंध में सभी पर्यावरणीय मुद्दों का पालन किया जा सकता है।

एनजीटी ने आगे कहा कि बंधवारी स्थल जो पहले से ही कई वर्षों से अस्तित्व में है और 10 एकड़ भूमि जिसे पहले ही मंजूरी दे दी गई है, का उपयोग स्थानीय निकायों के अपशिष्ट उत्पादन को संभालने के लिए अपशिष्ट प्रसंस्करण सुविधाओं की स्थापना के लिए किया जा सकता है। भूमि की अनुपयुक्तता के मामले में, वैकल्पिक व्यवस्था का पता लगाया जाना चाहिए।

समिति कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए प्रदूषण में योगदान करने वालों से मुआवजे की वसूली के लिए वैधानिक नियामकों के साथ समन्वय करने के लिए स्वतंत्र होगी। एनजीटी के आदेश में कहा गया है कि समिति को तीन महीने के भीतर पर्याप्त प्रगति के साथ छह महीने के भीतर मामले में सार्थक प्रगति हासिल करने की उम्मीद है।

संपादकीय

देश के करीब आधे राज्यों में शिक्षा बदहाल

देश के करीब आधे राज्यों में स्कूली शिक्षा की जो ताजा तस्वीर सामने आई है, वह चिंताजनक है। हालत यह है कि कई राज्यों में दसवीं कक्षा के बाद पढ़ाई छोड़ देने वाले बच्चों की संख्या बढ़ती जा रही है। यह स्थिति तब है, जब देश में पिछले साल ही नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू की गई है और इसके तहत इस दशक के अंत यानी 2030 तक स्कूलों में नामांकन दर शत-प्रतिशत हासिल करने का लक्ष्य रखा गया है। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक ही है कि अगर बड़ी संख्या में बच्चे बीच में ही पढ़ाई छोड़ने तो मजबूर होते रहेंगे तो शिक्षा के क्षेत्र में तय किए जा रहे लक्ष्य कैसे हासिल हो पाएंगे ?

गौरतलब है कि केंद्र सरकार के सहयोग से राज्यों में स्कूली शिक्षा का दायरा बढ़ाने और जागरूकता पैदा करने के लिए समग्र शिक्षा कार्यक्रम चल रहा है। इसका मकसद ज्यादा से ज्यादा बच्चों को स्कूली शिक्षा मुहैया करवाना है। पर शिक्षा मंत्रालय के परियोजना मंजूरी बोर्ड की रिपोर्ट बता रही है कि इस अभियान में वैसी कामयाबी मिल नहीं रही, जैसी मिलनी चाहिए। अगर बच्चे बीच में ही पढ़ाई छोड़ रहे हैं तो निश्चित ही इसके पीछे उनकी अपनी मजबूरियां होंगी। लेकिन इसे लेकर सरकारें भी अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकतीं। बड़ा सवाल यह उठता है कि आखिर शिक्षा के इस महाभियान को आगे बढ़ा पाने में सरकारें कामयाब क्यों नहीं पा रहीं ?

शिक्षा मंत्रालय के परियोजना मंजूरी बोर्ड की रिपोर्ट बता रही है कि बिहार, गुजरात और मध्य प्रदेश जैसे बड़े राज्य उन राज्यों में शामिल हैं जहां से स्कूली शिक्षा की यह बदतर तस्वीर सामने आई है। हालांकि ओड़ीशा, त्रिपुरा, असम, पश्चिम बंगाल, झारखंड और कर्नाटक भी इस सूची में शामिल हैं। पर बिहार, गुजरात और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में भी अगर दसवीं कक्षा में बीच में ही पढ़ाई छोड़ देने वालों की दर सबसे ज्यादा हो तो यह चिंताजनक है। इससे यह भी पता चलता है कि इन राज्यों में स्कूली शिक्षा व्यवस्था किस हाल में चल रही है।

मध्य प्रदेश और गुजरात तो संपन्न राज्य होने का दावा करते रहे हैं। हर मामले में गुजरात माडल की दुहाई दी जाती रही है। मध्य प्रदेश भी कोई विपन्न राज्य नहीं है। बिहार की स्थिति भी अब इतनी खराब नहीं है कि स्कूली शिक्षा को लेकर राज्य सरकार कुछ कर पाने में असमर्थ हो। आंकड़े बता रहे हैं कि 2020-21 में बिहार में दसवीं की पढ़ाई बीच में छोड़ने वाले बच्चों की दर 21.4 फीसद रही थी। गुजरात में यह 23.3 और मध्य प्रदेश में 23.8 फीसद रही। त्रिपुरा में यह छब्बीस फीसद रही। ओड़ीशा, झारखंड और कर्नाटक में यह दर सोलह फीसद से ऊपर रही।

इसमें संदेह नहीं कि शहरों के मुकाबले ग्रामीण इलाकों में शिक्षा व्यवस्था आज भी संतोषजनक नहीं है। बड़ी संख्या में स्कूलों के पास अपनी इमारतें नहीं हैं। अगर हैं भी तो जर्जर हालत में। फिर वहां पीने के पानी से लेकर शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव कोई नई समस्या नहीं है। इस हकीकत से इनकार नहीं किया जा सकता कि ग्रामीण इलाकों में बड़ी संख्या में लड़कियां सिर्फ इसलिए स्कूल छोड़ देती हैं कि वहां उनके लिए शौचालय तक नहीं होते।

स्कूलों में शिक्षकों की कमी की समस्या बनी हुई है ही। फिर स्कूली शिक्षा बीच में छोड़ देने का बड़ा कारण गरीबी भी है। ऐसे बच्चों की संख्या कम नहीं है जो अपने परिवार की मदद के लिए जल्द ही रोजगार तलाशने के लिए शहरों की ओर आ रहे हैं। पर बड़ा सवाल यह है कि जिन सरकारों को शिक्षा की मद में केंद्र से पर्याप्त मदद मिल रही है, जो साधन संपन्न हैं, वे भी इस मामले में पिछड़ते क्यों जा रहे हैं ?

जो नेता अपनी पार्टी नहीं संभाल पा रहे वह देश को क्या संभालेंगे?

सुरेश हिंदुस्तानी

एक तरफ भारत जोड़ो यात्रा निकाली जा रही है, तो वहीं दूसरी तरफ राजस्थान में कांग्रेस में बिखराव की ओर कदम बढ़ाती दिख रही है। राजस्थान की लड़ाई के मुख्य सूत्रधार के रूप में जो नेता सामने आए हैं, उसी को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी देने की कवायद की जा रही है। राजस्थान में मुख्यमंत्री बनाए जाने को लेकर छिड़ी आपसी लड़ाई के बीच राज्य में कांग्रेस के भविष्य के सामने एक बड़ा प्रश्नचिन्ह उपस्थित हो गया है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के समर्थक विधायकों ने नेतृत्व पर राजनीतिक दबाव बनाने का जो खेल खेला है, उसका राजनीतिक दृष्टिकोण से अध्ययन किया जाए तो यही प्रमाणित करता है कि यह अनुशासनहीनता की पराकाष्ठा है। इससे यह भी संदेश जा रहा है कि सचिन पायलट को मुख्यमंत्री नहीं बनाने को लेकर जिस प्रकार से गहलोत समर्थक विधायकों ने अपने त्याग पत्र दिए हैं, उससे प्रथम दृष्टया यही लगता है कि ये विधायक कांग्रेस के कम गहलोत के ज्यादा हैं। विधायकों का यह नाटक निश्चित ही गहलोत के संकेत पर ही चल रहा होगा। इसके अलावा केन्द्र की ओर से भेजे गए दो पर्यवेक्षक भी राजस्थान में उत्पन्न हुए राजनीतिक संकट को दूर करने में असमर्थ ही रहे। हालांकि पार्टी अनुशासन को ध्यान में रखते हुए यही कहा जा सकता है कि किसी भी स्थिति में गहलोत समर्थक विधायकों को त्याग पत्र नहीं देना चाहिए था। जब संभावित राष्ट्रीय अध्यक्ष के समर्थक ही विवाद की स्थिति बनाने का प्रयास कर रहे हों, तब अन्य से क्या अपेक्षा की जा सकती है। इस विवाद की जड़ यही है कि गहलोत अपना मुख्यमंत्री बनाना चाह रहे हैं, कांग्रेस का नहीं। अगर कांग्रेस के हाथ में सत्ता रखना है तो फिर सचिन पायलट तो जन्मजात कांग्रेसी हैं। उनको सत्ता की बागडोर देने में कोई आपत्ति नहीं होना चाहिए। भारत में कांग्रेस द्वारा राहुल गांधी के नेतृत्व में एक तरफ भारत जोड़ो यात्रा निकाली जा रही है, तो वहीं दूसरी तरफ राजस्थान में कांग्रेस में बिखराव की ओर कदम बढ़ाती दिख रही है। इसमें सबसे बड़ी बात यह है कि राजस्थान की लड़ाई के मुख्य सूत्रधार के रूप में जो नेता सामने आए हैं, उसी को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी देने की कवायद की जा रही है। अशोक गहलोत समर्थक विधायकों का यह कदम कांग्रेस पार्टी में एक और बिखराव की घटना को जन्मित कर सकता है। सिद्धांत की बात यह है कि राजस्थान में अशोक गहलोत के बाद कांग्रेस के सबसे प्रभावी नेता सचिन पायलट ही हैं, इसके आधार पर लोकतांत्रिक तरीका यही कहता है कि पायलट को मुख्यमंत्री की कुर्सी मिलनी चाहिए, लेकिन ऐसा लगता है कि अशोक गहलोत की पूरा सोच लोकतांत्रिक न होकर पूर्वाग्रह से ग्रसित है। उन्होंने तो यहां तक कह दिया है कि मैं किसी गद्दार के लिए मुख्यमंत्री की कुर्सी नहीं छोड़ सकता। इतना ही नहीं इससे पूर्व अशोक गहलोत मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़ना ही नहीं चाह रहे थे, लेकिन जब राहुल गांधी ने एक पद, एक व्यक्ति के सिद्धांत को प्रतिपादित किया, तब अशोक गहलोत ने इस सिद्धांत को स्वीकार तो कर लिया, लेकिन उनकी नजर मुख्यमंत्री के पद से अलग नहीं हो पा रही है। वे अपने किसी समर्थक को ही मुख्यमंत्री बनाना चाह रहे हैं। हालांकि स्वतंत्र भारत में कांग्रेस के अंदर चौथी बार राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव होने जा रहा है, लेकिन जिस प्रकार के दृश्य दिखाई दे रहे हैं, वह चुनाव के लिए अनुकूल वातावरण बनाने का काम करेंगे, इसमें संशय है। अभी से यह कहा जाने लगा है कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी जिसे चाहेंगे, वही कांग्रेस का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनेगा। इस दृष्टि से राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव महज एक दिखावा ही कहा जाएगा, क्योंकि गांधी परिवार की दृष्टि में अध्यक्ष तय हो चुका है।

अहंकार एवं निजी स्वार्थ छोड़ने से ही विपक्षी एकता संभव

\- ललित गर्ग -

वर्ष 2024 में आम चुनाव एवं इसी वर्ष दिसम्बर में गुजरात एवं हिमाचल प्रदेश में विधानसभा चुनाव की सरगर्मियां अभी से देखने को मिल रही है, यह पहला अवसर होगा जब आम चुनाव के लिये दो वर्ष पहले ही भारतीय जनता पार्टी एवं विपक्षी दल कमर कस चुके हैं। वैसे तो हर चुनाव नजदीक आते ही केन्द्र में नरेन्द्र मोदी सरकार के खिलाफ एकजुटता के विपक्षी दलों के प्रयास शुरू हो जाते हैं। अब तक पिछले आठ साल में दर्जनों बार कांग्रेस समेत दूसरे विपक्षी दलों ने एकजुटता के जब-जब प्रयास किए यह कवायद प्रधानमंत्री के चेहरे से आगे फिक्की ही रही, विपक्षी दलों की एकजुटता के प्रयास टांय-टांय फिस ही होते हुए देखे गये हैं। कारण भी साफ है जो भी दल एकता के प्रयासों में भागीदार बनना चाहता है वह अपने नेता को संयुक्त विपक्ष के प्रधानमंत्री उम्मीदवार के रूप में देखना चाहता है। लेकिन इस बार विपक्षी एकता के प्रयासों में कुछ दम नजर आ रहा है।

विपक्षी एकता के ये प्रयास उसी स्थिति में ज्यादा कारगर हो सकेंगे जब अपने हित के बजाए ये दल जनहित की बात करेंगे, इनके बीच सर्वसम्मति बनेगी। सिद्धांत के रूप में यह संभव प्रतीत होता है कि मोदी के करिश्माई नेतृत्व में भाजपा सीधी लड़ाई में आसानी से हार सकती है लेकिन राजनीति केवल आंकड़ों की ही बाजीगरी नहीं है, यह बहुत हद तक अनुभूति से जुड़ी लड़ाई है जहां भावनाएं, अहसास, राष्ट्रीयता की भावना, आम आदमी की परेशानी पर वजनदार पहल, चुनावी रणनीति एवं कल्पनाशील वायदे भी कायापलट कर देते हैं।

जबसे बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भाजपा से नाता तोड़ा है, वे एक आक्रामक रूप में भाजपा को केवल बिहार ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर पछाड़ने की मुद्रा में आ गये हैं। एक मिशन एवं विजन के साथ वे केन्द्र में भाजपा-सरकार को हटाने के लिये विपक्षी एकजुटता के प्रयास में जुट गये हैं। इसी लक्ष्य को हासिल करने के लिये वे बिहार से बाहर निकल कर विभिन्न विपक्षी दलों के बीच एकता की संभावनाओं को तलाश रहे हैं। इसी के तहत नीतीश कुमार और राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से नई दिल्ली में हुई मुलाकात को भी विपक्षी एकता को लेकर बनने वाली रणनीति से जोड़कर ही देखा जा रहा है। एकता के प्रयासों में तस्वीर का दूसरा पहलू हरियाणा में पूर्व उपप्रधानमंत्री चौधरी देवीलाल की जयंती पर आयोजित रैली में पहुंचे नेताओं से साफ नजर आता है। इस रैली

में दस राज्यों में विपक्षी दलों के सत्रह बड़े नेताओं को आमंत्रित किया गया था। भले ही आमंत्रित ममता बनर्जी, उद्धव ठाकरे व फारूख अब्दुल्ला सरीखे नेताओं ने रैली से दूरी बनाई हो। ऐसा भी नहीं है कि एकता के प्रयासों को इस तरह की रैलियों में नेताओं के आने या न आने से जोड़कर देखा जाए। लेकिन अब तक के अनुभव बताते हैं कि विपक्षी एकता के शक्ति परीक्षण का माध्यम रैलियां ही होती रही हैं। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) ने 'विपक्षी एकता' बनाने के प्रयासों के तहत बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव से मुलाकात की। इस दौरान तीनों नेताओं ने 'भाजपा मुक्त भारत' का आह्वान किया। हालांकि, यह पूछे जाने पर कि क्या बिहार के मुख्यमंत्री को विपक्ष के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में माना जा सकता है। इस पर केसीआर ने कहा, 'ये बातें हम बाद में तय करेंगे।'

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात के बाद नीतीश कुमार व लालू यादव आश्वस्त नजर आए कि वे देश में गैर-भाजपा दलों को एकजुट करने में सफलता हासिल कर ही लेंगे। सोनिया गांधी से कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव के बाद उनकी फिर से मुलाकात होगी। सफल लोकतंत्र के लिये देश में मजबूत विपक्ष होना भी चाहिए, पर जब नेताओं के निजी स्वार्थ व महत्त्वाकांक्षाएं आड़े आती हैं जो ऐसे प्रयास शुरू होने से पहले ही दम तोड़ देते हैं। इसका कारण अब तक प्रधानमंत्री पद को लेकर ही जाने वाली दावेदारी आडे आती रही है। भले पदयात्रा के जरिए राहुल गांधी को पीएम के चेहरे के रूप में पेश करने में जुटी कांग्रेस के साथ खुद नीतीश कुमार, प. बंगाल की सीएम ममता बनर्जी और दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल के अलावा शरद पवार के नाम भी प्रधानमंत्री के लिए विपक्ष की ओर से चलते हैं, पर कोई साझा सहमति जैसे पहले नहीं हुई, अब हो पाएगी इसके आसार कम ही नजर आते हैं। विपक्षी एकजुटता की असफलता का बड़ा कारण अब तक यही एक पहलु बनता रहा है। बावजूद इसके अधिकांश विपक्षी दलों को इसका अहसास होने लगा है कि उनका राजनीतिक वजूद अब उनकी एकता पर निर्भर करता है। उन्हें डर है कि अगर वे ऐसे ही विभाजित रहे तो जल्द ही राजनैतिक रूप से वे अप्रासंगिक हो जाएंगे। इसलिए, वर्तमान में संयुक्त मुकाबले के लिए गैर-भाजपा दलों को एकजुट करने के समानांतर प्रयास किए जा रहे हैं और इसीलिये देश के संविधान एवं कुछ मूलभूत संरचनाओं पर घातक आक्रमण किया जा रहा है। यहां यह तर्क दिया जा सकता है कि अगर सपा, बसपा एवं कांग्रेस ने उप्र विधान सभा चुनाव एक साथ मिल कर लड़ा होता तो भाजपा के नेतृत्व में राजग तीन दलों वाले इस गठबंधन से आसानी से हार गया होता जिसे 8.8 प्रतिशत अधिक मत हासिल हुए होते।

विपक्ष को एक मंच पर लाने के लिए इस बार क्षेत्रीय दलों को जोड़ने और ममता बनर्जी के पुराने फार्मूले पर चुनाव लड़ने पर जोर दिया जा रहा है। इसके तहत पहली योजना नेतृत्व के सवाल को गौण रखते हुए कांग्रेस के इतर सबसे पहले गैरराजग क्षेत्रीय दलों को एक साथ लाने की है। ममता का फार्मूला था कि जो दल जिस राज्य में मजबूत हो, दूसरे दल उस राज्य में उसी की अगुवाई में चुनाव लड़ें। बावजूद इसके विपक्ष के सामने नरेन्द्र मोदी है, उनके करिश्माई एवं जादूई व्यक्तित्व को आसानी से हरा पाना मुश्किल है, उनको परास्त करने का जज्बा किसी भी विपक्षी दल के पास नहीं है। हां, सभी विपक्षी दल एकजुट हो जाये तो यह संभव हो सकता है। जब चिड़िया एका कर लेती है तो शेर की खाल खींच सकती है। विपक्षी दलों को यह बात समझनी होगी। जॉन डिकिन्सन ने भी कहा है कि एकता से हमारा अस्तित्व कायम रहता है, विभाजन से हमारा पतन हो जाता है।' विपक्षी दलों के पतन का कारण एकजुटता न होना ही है। विपक्षी दलों को हाथ ही पांच उंगुलियों की तरह रहने की अपेक्षा है, ये हैं तो पांच लेकिन काम सहस्त्रों का कर लेती है, क्योंकि इनमें एकता है।

जिस गति से विपक्षी एकता के प्रयास हो रहे हैं, उससे तेज गति से भाजपा 2024 के आम चुनाव एवं गुजरात विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी है। बहुत पहले ही मिशन 2024 की तैयारी की शुरुआत कर चुकी भाजपा की रणनीति अपना पुराना गढ़ बचाए रखने और विस्तार की संभावना वाले राज्यों में पूरी ताकत झोंकने की है।

भारत का बढ़ता सार्वजनिक स्वास्थ्य और जीवन शैली संकट

प्रीति झा

भारत में प्रमुख स्वास्थ्य समस्याओं में से एक स्ट्रोक है। यह बहुत खतरनाक बीमारी है और देश में बहुत से लोग इससे पीड़ित हैं। स्ट्रोक तब होता है जब मस्तिष्क के हिस्से में रक्त की आपूर्ति बाधित या कम हो जाती है, जो उनके ऊतकों को ऑक्सीजन और पोषक तत्व प्राप्त करने से रोकती है जिसके कारण मस्तिष्क की कोशिकाएं मिनटों में मरने लगती हैं। स्ट्रोक होना एक चिकित्सा आपातकाल है जिस पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता होती है। मस्तिष्क क्षति और अन्य परिणामों को शीघ्र उपचार के साथ कम किया जा सकता है।

स्ट्रोक के लक्षण सिरदर्द, चलने में परेशानी, एक या दोनों आंखों से देखने में समस्या और बोलने या समझने में समस्याएं हैं। लक्षणों में पक्षाघात या चेहरे, हाथ और पैर की सुन्नता भी शामिल है। लक्षण अलग-अलग मामलों में भिन्न हो सकते हैं। एक व्यक्ति बहुत भाग्यशाली है यदि वह लक्षणों को जल्दी पहचानता है और इलाज के लिए आगे बढ़ता है क्योंकि शुरुआती उपचार इसे और अधिक ठीक करने में मदद कर सकते हैं।

स्ट्रोक कई कारणों से हो सकता है जिसमें अधिक वजन, अत्यधिक शराब पीना, धूम्रपान, उच्च रक्तचाप और उच्च कोलेस्ट्रॉल शामिल हैं।स्ट्रोक का पारिवारिक इतिहास, हृदय रोग, उम्र और लिंग भी एक कारक हो सकता है जिस पर यह रोग निर्भर करता है। 55 से अधिक आयु वर्ग के लोगों और पुरुषों में स्ट्रोक से पीड़ित होने का अधिक जोखिम होता है। कई मामलों में यह विटामिन बी 12 या बी 6 की कमी, फोलिक एसिड की कमी, ग्रीवा रीढ़ की ओस्टियोचोन्ड्रोसिस, दवा का अत्यधिक सेवन आदि के कारण भी होता है।

स्ट्रोक की अनुमानित समायोजित प्रसार दर ग्रामीण क्षेत्रों में 84-262/100,000 और शहरी क्षेत्रों में 334-424/100,000 है। कोलकाता में उच्चतम 42 प्रतिशत होने के साथ मृत्यु दर के मामले में भी व्यापक भिन्नता है। भारत में स्ट्रोक की व्यापकता बढ़ रही है और आईएसए के अनुसार हर साल 18 लाख स्ट्रोक के मामले सामने आते हैं। यह बीमारी एक ब्रेन अटैक है और भारत में विकलांगता का प्रमुख कारण और मृत्यु का दूसरा प्रमुख कारण है। भारत में हर 40 सेकंड में एक व्यक्ति को स्ट्रोक होता है। लोगों में स्ट्रोक की रोकथाम और उपचार के बारे में कम जागरूकता के कारण यह दिन-प्रतिदिन बढ़ रहा है। हालाँकि, उत्तर-पूर्वी राज्यों और तटीय राज्यों में मृत्यु दर 42 प्रतिशत है जो दुनिया में सबसे अधिक है।

उत्तर पूर्व में, बहुत से लोग नमकीन चाय पीते हैं, और तटीय क्षेत्रों में, वे सूखी मछली का सेवन करते हैं जिसमें बहुत अधिक नमक होता है और उच्च रक्तचाप का खतरा बढ़ जाता है और बदले में यह प्रमुख स्ट्रोक जोखिम में योगदान देता है। स्ट्रोक के लिए, भारत सरकार ने आईएसए (इंडियन स्ट्रोक एसोसिएशन) की शुरुआत की है। यह स्ट्रोक के क्षेत्र में वैज्ञानिक अनुसंधान और सफलताओं को आगे बढ़ा रहा है और प्रारंभिक पहचान और हस्तक्षेप के महत्व के बारे में समुदाय और चिकित्सकों की जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए भी लगातार काम कर रहा है। ISA द्वारा हैशटैग #ProtectYourBrain-KnowAboutStroke के साथ एक व्यापक सोशल मीडिया अभियान शुरू किया गया है। आईएसए ने भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, राष्ट्रीय महामारी विज्ञान संस्थान, चेन्नई और भारतीय उच्च रक्तचाप नियंत्रण पहल के साथ भी सहयोग किया है। इसका उद्देश्य 100 जिलों में प्राथमिक स्तर पर डॉक्टरों, नर्सों, पैरामेडिकल स्टाफ और अन्य फ्रंटलाइन स्वास्थ्य कर्मियों को शिक्षित करने के लिए राष्ट्रव्यापी वेबिनार आयोजित करना है।

भारत अन्य विकासशील देशों की तरह एक स्ट्रोक महामारी के बीच में है। महत्वपूर्ण क्षेत्रीय विविधताओं के साथ स्ट्रोक का एक बड़ा बोझ है। स्ट्रोक इकाइयाँ, थ्रोम्बोलिसिस और पुनर्वास मुख्य रूप से शहरी क्षेत्रों में उपलब्ध हैं, खासकर निजी क्षेत्र के अस्पतालों में। पहले कदम के रूप में, भारत सरकार ने कैंसर, मधुमेह, हृदय रोग और स्ट्रोक (एनपीसीडीसीएस) की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम शुरू किया है। सरकार स्ट्रोक सहित सभी गैर संचारी रोगों के लिए स्वास्थ्य देखभाल के विभिन्न स्तरों पर शीघ्र निदान, प्रबंधन, बुनियादी ढांचे, जन जागरूकता और क्षमता निर्माण पर ध्यान केंद्रित कर रही है। भारत में बढ़ते स्ट्रोक के बोझ से निपटने के लिए सरकार और निजी दोनों क्षेत्रों के एक संगठित प्रयास की आवश्यकता है।

हड्डियों के कमजोर होने से बढ़ जाता है ऑस्टियोपोरोसिस का खतरा, ऐसे करें बचाव

मिताली जैन

अगर आपकी हड्डियां कमजोर हैं तो इसका अर्थ है कि आपकी बॉडी को आवश्यकता के अनुसार कैल्शियम नहीं मिल रहा है। इसलिए आपको अपनी डाइट में कैल्शियम इनटेक बढ़ाने की आवश्यकता है। इसके लिए आप कैल्शियम रिच फूड्स का सेवन करें। व्यक्ति के स्वस्थ रहने के लिए हड्डियों का मजबूत होना बेहद आवश्यक है। जब व्यक्ति की हड्डियां कमजोर हो जाती हैं, तो इससे ऑस्टियोपोरोसिस होने का खतरा काफी बढ़ जाता है। यह एक ऐसी स्थिति है, जब गिरने या हड्डियों पर हल्का दबाव पड़ने से भी फ्रैक्चर हो सकता है। ऑस्टियोपोरोसिस से संबंधित फ्रैक्चर आमतौर पर कूल्हे, कलाई या रीढ़ में होते हैं। नाजुक हड्डियों के कारण हिप फ्रैक्चर गंभीर और घातक भी हो सकता है। आपके साथ यह समस्या ना हो, इसलिए आपको हड्डियों का अतिरिक्त ध्यान रखने की आवश्यकता होती है। इसके लिए कुछ आसान उपाय अपनाए जा सकते हैं, जिसके बारे में आज हम आपको इस लेख में बता रहे हैं-

अगर आपकी हड्डियां कमजोर हैं तो इसका अर्थ है कि आपकी बॉडी को आवश्यकता के अनुसार कैल्शियम नहीं मिल रहा है। इसलिए आपको अपनी डाइट में कैल्शियम इनटेक बढ़ाने की आवश्यकता है। इसके लिए आप कैल्शियम रिच फूड्स का सेवन करें। इसके अलावा, डॉक्टर की सलाह पर कैल्शियम सप्लीमेंट भी लिए जा सकते हैं। कुछ लोग सोचते हैं कि हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए केवल कैल्शियम की जरूरत होती है। जबकि ऐसा नहीं है। आपको कैल्शियम के साथ-साथ विटामिन डी पर भी ध्यान देना चाहिए। विटामिन डी शरीर को कैल्शियम को अवशोषित करने में मदद करता है। ऐसे में अगर विटामिन डी कम होगा तो कैल्शियम इनटेक से भी आपको कोई लाभ नहीं होने वाला है। व्यायाम करना संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। यह ना केवल आपके वजन को मेंटेन करने में मददगार है। जब आप वॉकिंग से लेकर योग, रस्सी कूदना, वाटर एरोबिक्स, सीढ़ियां चढ़ना आदि एक्सरसाइज को अपने रूटीन का हिस्सा बनाते हैं तो इससे आपकी हड्डियों को भी मजबूती मिलती है।

डॉलर की मार रुपया लाचार

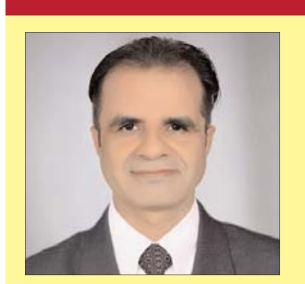

डॉलर के आगे नतमस्तक होते रुपए से, पहले से मौजूद महंगाई डायन को अपार सफलता शक्ति मिलने की संभावना

वैश्विक स्तरपर वर्ष 2022 यह तीसरा वर्ष है जब दुनिया का करीब-करीब हर देश आर्थिक, स्वास्थ्य, शिक्षा सहित कुछ क्षेत्रों में परेशानियों से मुकाबला कर रहे हैं पिछले दो वर्षों में तो कुछ समय पूरी दुनिया के लिए विभीषिका से गुजरे जब कोरोना महामारी का प्रलय उमड़ पड़ा था और मानवीय शक्तियों, व्यवस्थाओं, उपायों को ध्वस्त करते हुए अपनी प्रलयकारी तबाही का इतिहास यह महामारी रची गई। बड़ी मुश्किल से 2022 में हर देश अपनी अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत कर विकास की गति को पकड़ ही रहा था कि कोरोना महामारी के अन्य वेरिएंट्स ने हमला बोला और अब वैश्विक मंदी की चपेट से दुनिया मुकाबला कर रही है, क्योंकि रिकवरी अर्जित करने में अनेक रोड़े सामने आ रहे हैं हालात यह है कि वर्ष कंप्लीट होने में सिर्फ़ 3 माह बचे हैं लेकिन दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था अमेरिका सहित अनेक देश आर्थिक मंदी की चपेट में आ चुके हैं, इसके साथ ही दशकों की रिकॉर्ड महंगाई और महंगे होते ब्याज भी चुनौतियां खड़ी कर रहे हैं अमेरिका के फेडरल रिजर्व ने 0.75 फ़ीसदी ब्याज दर में बढ़ोतरी की जो इस कदर खतरनाक हो गई कि दुनिया भर की करेंसी डॉलर के आगे बौनी होने लग गई, जिसमें भारतीय रुपया 27 सितंबर 2022 को अपने रिकॉर्ड निचले स्तरपर गिरकर 81.63 पर बंद हुआ। हालांकि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें लगातार मंदी के चलते कम हो रही है और आज पिछले 8 माह के सबसे निम्न स्तरपर लुढक कर 80 डालर प्रति बैरल के स्तर से नीचे आया है जो जनवरी 2022 के बाद पहली बार इतने निचले स्तरपर हुआ है परंतु इस गैप को डॉलर के रिकॉर्ड स्तरपर रुपए को लाचार करने के कारण लाभ मिलने में कठिनाई होने को रेखांकित किया जा सकता है, क्योंकि जानकारों के अनुसार रुपया डॉलर के मुकाबले 82 पार जा सकता है।चूंकि स्थिति क्रिटिकल है इसलिए आज हम इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से डॉलर बनाम रुपए पर चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम डालर के मुकाबले कमजोर होते रुपए के प्रतिकूल प्रभाव की करें तो, रुपये के कमजोर होने का सबसे प्रतिकूल असर देश के आयात बिल पर पड़ेगा। जैसे-जैसे रुपया लुढ़क रहा है देश का आयात बिल बढ़ता जा रहा है। अब आयात करने के लिए कारोबारियों को पहले के मुकाबले ज्यादा पैसे खर्च करने पड़ेंगे। आयात पर निर्भर कंपनियों का मार्जिन कम होगा। इसकी वसूली मूल्य वृद्धि कर की जाएगी। इससे पहले से मौजूद महंगाई और ज्यादा बढ़ेगी। ऐसा होने से पेट्रोलियम पदार्थों, विदेश भ्रमण और विदेशी सेवाओं का उपभोग करना महंगा हो जाएगा। रुपये के कमजोर होने से विदेश मुद्रा भंडार पर भी नकारात्मक असर पड़ता है। इससे देश का खजाना खाली होगा। देश की आर्थिक स्थिति के लिहाज से यह सही नहीं है।

साथियों बात अगर हम डॉलर के मुकाबले कमजोर होते रुपए के अनुकूल प्रभाव की करें तो एक विशेषज्ञ के अनुसार, रुपये के गिरने को हमेशा नकारात्मक दृष्टि से देखा जाता है, लेकिन तुलनात्मक रूप से यह उतना भी बुरा नहीं होता। बल्कि हमें इस आपदा को अवसर में तब्दील करना चाहिए। उन्होंने कहा कि रुपये के गिरने से अंतरराष्ट्रीय बाजार में हमारे उत्पाद सस्ते होते हैं जिससे भारतीय वस्तुओं की मांग बढ़ जाती है। भारतीय रुपये के लगातार कमजोर होने का एक सीधा लाभ हमें यह दिखाई पड़ रहा है कि भारत का निर्यात लगातार वृद्धि कर रहा है। इससे बाजार में निर्माण सेक्टर में बढ़ोतरी होगी और रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी।

साथियों बात अगर हम डालर के मजबूत होने पर रुपए के अनुकूल और प्रतिकूल प्रभाव की तुलना करें तो, रुपये के कमजोर होने से दूसरी तरफ हमारे एक्सपोर्ट्स बेहतर करेंगे, क्योंकि रुपया कमजोर होने से बाहर वालों के लिए हमारा माल सस्ता हो जाता है, लिहाजा हमारा एक्सपोर्ट बढ़ जाएगा, एक्सपोर्ट बढ़ने से फॉरेन एक्सचेंज (विदेशी मुद्रा) की हमारी समस्या तो कम होगी, लेकिन हमारा इंपोर्ट कहीं ज्यादा बढ़ रहा है तो हमारा ट्रेड डेफिसिट (घाटा) बना हुआ है। ट्रेड डेफिसिट होने से हमारा रुपया और कमजोर हो जाएगा, इससे महंगाई बढ़ेगी, गरीब लोगों को इसकी मार ज्यादा झेलनी पड़ेगी, जिनकी नौकरी जा चुकी है उनके लिए मुसीबत और ही बढ़ेगी।

कुछ ही समय पहले महंगाई की दर रिकॉर्ड स्तरपर पहुंच गई थी, जिसे कम करने के लिए सरकार ने तेल कंपनियों पर पेट्रोल-डीजल की कीमतें घटाने के लिए दबाव बनाया था। खाद्य तेलों के आयात पर टैक्स कम कर राहत दी गई थी और तेल कंपनियोंसे यह लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाने के लिए कहा गया था। लेकिन बदले हालात में सरकार के वे सभी प्रयास निष्फल साबित हो सकते हैं। आयात महंगा होने से ये सभी वस्तुएं एक बार फिर महंगी हो सकती हैं और आम उपभोक्ताओं को महंगाई की मार झेलनी पड़ सकती है।साथियों बात अगर हम इस मामले पर माननीय केंद्रीय वित्त मंत्री के बयान की करें तो, रुपये में आई बड़ी गिरावट के बाद रुपया अन्य मुद्राओं की तुलना में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले काफी मजबूत है। रुपये के रिकॉर्ड निचले स्तरपर जाने से जुड़े सवाल पर उन्होंने कहा कि रिजर्व बैंक और वित्त मंत्रालय स्थिति पर बहुत करीबी नजर रख रहे हैं। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा कि अगर कोई एक मुद्रा है जो खुद को संभालाने में सक्षम है और अन्य मुद्राओं की तुलना में उतार-चढ़ाव या अस्थिरता से बची हुई है, तो वह भारतीय रुपया है। हमने बहुत अच्छी तरह से वापसी की है। हमने काफी अच्छी तरह से इस स्थिति का सामना किया है।

उन्होंने रुपये की गिरती कीमत के बारे में पूछे जाने पर कहा कि गिरावट के मौजूदा दौर में डॉलर के मुकाबले अन्य मुद्राओं की स्थिति पर भी अध्ययन करने की जरूरत है। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 81.63 रुपये प्रति डॉलर के स्तर तक पहुंच गया है। पिछले कुछ महीनों में लगातार ये गिरावट जारी है।

हौसलों की उड़ान

चलो भरे हौसले की उड़ान,
पार करें हर इम्तिहान,
खुद से वादा करके
करें स्वयं की बात का सम्मान।

हमारा है यह प्यारा सा जहान,
थम जाएगा यह भी एक तूफान,
कोशिश करके तो देखें,
हमारी जमी हमारा आसमान।

दो कदम में क्यों हुई हमें थकान,
जब छोड़ने हैं हमारे अनोखेपन के निशान,
अपने अंदर के वह हुनर को दिखाएं,
यह दुनिया भी देखकर हो जाए हैरान।

पूरे होंगे हमारे सारे अरमान,
भरेंगे हम स्वयं में आत्मविश्वास और स्वाभिमान,
हर नेक चीज में बेहतरीन बनने की कोशिश हो,
लेते जाए संपूर्ण शिष्टाचार और ज्ञान।

चलो भरे हौसले की उड़ान,
पार करें हर इम्तिहान,
खुद से वादा करके
करें स्वयं की बात का सम्मान।

शार्ट न्यूज

शिक्षा विभाग के क्लर्क को 55 लाख दिलाने का झांसा दे बिकवा दिया घर, 15 लाख हड़प

बरेली। बरेली में शिक्षा विभाग में तैनात एक क्लर्क को 55 लाख दिलाने का झांसा देकर 15 लाख रुपए हड़प लिए जाने का मामला सामने आया है। क्लर्क ने तीन लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी और रुपए हड़पने का मुकदमा दर्ज कराया है। बरेली के जोगीनवादा में रहने वाले वीरपाल ने नवीन अग्रवाल, अनिल कुमार गुप्ता और राजकुमार विमल पल्ली के खिलाफ थाना बारादरी में केस किया है। आरोप है कि इन तीनों ने उन्हें 55 लाख दिलाने का झांसा देकर मकान बिकवाकर 15 लाख रुपये हड़प लिए। वीरपाल ने बताया कि वह शिक्षा विभाग में कार्यालय सहायक हैं और भदपुरा ब्लॉक में तैनात हैं। उन्होंने श्रीराम लाइफ इंश्योरेंस कंपनी से लगभग 50-50 हजार किश्त के दो बीमा कराए थे। दो किश्तें ही जा पाई थीं और वह बीमा चलाने के इच्छुक नहीं थे। पिछले साल जुलाई में नवीन अग्रवाल ने उन्हें फोन किया और कहा कि वह हैदराबाद आईजीएमएस से बोल रहा है। रकम भेजने का दबाव बना रहे आरोपी 15 लाख रुपये भेजने के बाद आरोपियों ने पैन कार्ड होल्ड होने की बात कहकर आरोपियों ने 2.80 लाख रुपये फिर मांगने शुरू कर दिए। कहा कि जब तक होल्ड नहीं हटेगा, 55 लाख रुपये नहीं भेजे जा सकेंगे। उन्होंने जांच कराई तो पैन कार्ड पर होल्ड न होने की बात सामने आई, जिसके बाद उन्हें ठगी का अहसास हुआ।

कबड्डी खेल रही छात्राओं से छेड़खानी करने लगे मनचले, रोकने पर शिक्षक को भी पीटा

प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ सिटी कस्बा स्थित प्रताप बहादुर इंटर कॉलेज में सोमवार को कबड्डी खेल रही छात्राओं से युवक छेड़खानी करने लगे। शिक्षक ने विरोध किया तो युवकों ने उनसे मारपीट की। बाद में अन्य शिक्षक पहुंचे तो एक युवक को पकड़कर पुलिस को सौंप दिया गया। पीबी इंटर कॉलेज के खेल शिक्षक अखिलेश सिंह सोमवार दोपहर परिसर में महिला कबड्डी टीम को अभ्यास करा रहे थे। आरोप है कि तीन बाहरी युवक पहुंचे और छात्राओं से छेड़खानी करने लगे। शिक्षक ने विरोध किया तो युवकों ने चार और लोगों को बुला लिया। वे छात्राओं से बदतमीजी करने लगे। यह देख शिक्षक छात्राओं को क्लास में भेजने लगे। आरोप है कि इस पर युवक अश्लील हरकत करने लगे। विरोध पर शिक्षक को युवकों ने पीट दिया। बाद में कई अन्य शिक्षक पहुंचे तो युवक भागने लगे। शिक्षकों ने एक को बाइक समेत पकड़ लिया और पुलिस को सौंप दिया। खेल शिक्षक, प्रवक्ता महेंद्र प्रताप सिंह, सहायक अध्यापक अमरेंद्र प्रताप सिंह और कर्मचारी विनीत सिंह ने प्रधानाचार्य को पत्र देकर केस दर्ज कराने की मांग की। प्रधानाचार्य अनूप सिंह ने बताया कि छेड़खानी और मारपीट कॉलेज के छात्रों के साथ बाहरी युवकों ने की है। एक को पकड़कर पुलिस को दिया गया है। तहरीर देकर रिपोर्ट दर्ज कराई जाएगी।

कुशीनगर : नवरात्रि के मद्देनजर सक्रिय हुए एंटी रोमियो स्क्वॉड ने 62 मनचले दबोचे

कुशीनगर। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले में महिलाओं व छात्राओं से छेड़छाड़ करने और उन पर फब्तियां कसने वाले मनचलों की धरपकड़ के लिये पुलिस के एंटी रोमियो स्क्वॉड ने नवरात्रि के मद्देनजर धरपकड़ अभियान चलाकर अब तक '62 रोमियो' को पकड़ा है। पुलिस के अनुसार मनचलों के खिलाफ एंटी रोमियो स्क्वॉड ने 21 से 30 सितंबर तक विशेष अभियान चलाया है। इसके तहत धार्मिक स्थलों के आसपास विशेष निगरानी रखी जा रही है। जिससे नवरात्रि एवं अन्य त्योहारों पर पूजा स्थलों पर आने वाली महिलाओं को मनचले परेशान न कर सकें। स्क्वॉड की महिला टीम ने 25 सितंबर तक स्कूल, कॉलेज, मॉल, पार्क और बाजार समेत 12018 स्थानों पर अभियान चलाया। इस दौरान 68889 लोगों से पूछताछ के आधार पर 62 मनचलों की गिरफ्तार की गई। स्क्वाड ने पूछताछ के लिये पकड़े गये 117 लोगों को चेतावनी देकर छोड़ दिया। समूचे गोरखपुर मंडल में चलाये जा रहे इस अभियान में कुशीनगर जिला अव्वल है। कार्रवाई की तत्परता के मामले में दूसरे नंबर पर गोरखपुर और तीसरे स्थान पर महराजगंज है, जबकि चौथे नंबर पर देवरिया है। इस मामले में देवरिया पुलिस एक भी रोमियो को गिरफ्तार नहीं कर पाई।इस संबंध में पुलिस अधीक्षक धवल जायसवाल ने बताया कि मनचलों पर नकेल कसने के लिए बिना वर्दी में पुलिसकर्मी जगह जगह तैनात किए गए हैं। इनकी नजर मनचलों पर बनी रहती है। थोड़ी सी हरकत की नहीं कि पुलिस उन्हें दबोच लेती है। जायसवाल ने बताया कि कुछ युवक स्कूल, कॉलेज व ट्यूशन आने जाने के दौरान लड़कियों को तंग करते हैं।

औरैया में जातिगत भेदभाव का शिकार हुआ मासूम दलित छात्र : सपा

लखनऊ/औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जिले में शिक्षक की जबरदस्त पिटाई से दलित समुदाय के एक छात्र की सोमवार को मौत के मामले में हुए उपद्रव एवं आगजनी का मामला अब राजनीतिक रंग भी लेने लगा है। मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी (सपा) ने 15 वर्षीय दलित छात्र की मौत को जातिगत भेदभाव का परिणाम बताते हुए इसके लिये योगी सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। गौरतलब है कि औरैया के अछल्दा थाना क्षेत्र में आदर्श इंटर कॉलेज के 10वीं कक्षा के छात्र निखित कुमार पुत्र राजू दोहरे को सामाजिक विज्ञान के शिक्षक अश्विनी सिंह ने 07 सितंबर को परीक्षा में एक शब्द गलत लिखने पर जमकर पीट दिया। इससे घायल हुए छात्र को सैफई मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराना पड़ा। लंबे इलाज के बाद कल सुबह उसकी मौत हो गयी। इससे गुस्साये अछल्दा गांव के लोगों ने छात्र का शव स्कूल के सामने रखकर नारेबाजी की। इस दौरान भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं के भी पहुंचने के बाद गांव में उपद्रव एवं आगजनी की स्थिति उत्पन्न हो गयी। ये लोग अब तक आरोपी शिक्षक की गिरफ्तारी नहीं होने के कारण नाराज हैं और शव का अंतिम संस्कार नहीं करने दे रहे हैं। गुस्सायी भीड़ ने कल देर रात पुलिस के वाहनों को आग भी लगा दी। इलाके में रात भर पुलिस की गश्ती के बाद मंगलवार को सुबह जिला प्रशासन ने एहतियातन अछल्दा में बाजार बंद रखने का आदेश दिया है। इस बीच सपा ने इस मुद्दे को उठाते हुए इस घटना को जातिगत भेदभाव का नतीजा बताया। सपा ने इस मामले में मीडिया रिपोर्टों के हवाले से ट्वीट कर कहा, औरैया में एक दलित छात्र को योगी जी के स्वजातीय व भाजपा संरक्षित शिक्षक ने जातीय भेदभाव की भावना के तहत पीट पीट कर मार डाला। 18 दिन हो गए भाजपाइयों ने शिक्षक को फरार करवा दिया।

यूपी के 12 जिलों में मामूली बारिश का अलर्ट

लखनऊ। यूपी के 12 जिलों में आज मामूली बारिश का अलर्ट है। बीते 24 घंटे में 6.6 मिलीमीटर बारिश हुई है। मौसम विभाग के वैज्ञानिकों की मानें तो पूर्वांचल की जिले में अभी भी बारिश होने की संभावना है। 30 सितंबर को मानसून की आखिरी बारिश होने का अनुमान लगाया गया है। अब तक इस साल मानसून शुरू होने से 1 जून से लेकर अबतक 533.8 मिलीमीटर बारिश हुई। जो कि औसत अनुमान से 36 प्रतिशत कम है। बुधवार को पूर्वांचल के 12 जिलों में मध्यम बारिश होने का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम वैज्ञानिकों का मानना है कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश से पूर्वांचल की तरफ जा रहे ट्रफ रेखा का असर है जो बारिश हो रही है। वैज्ञानिकों की मानें तो यूपी में मौसम सितंबर माह में सबसे अच्छा रहा। आंचलिक विज्ञान केंद्र के निदेशक जेपी गुप्ता बताते हैं कि सितंबर माह में करीब 19 प्रतिशत बारिश ज्यादा हुई जिससे प्रदेश भर में पड़े सूखे का असर भी कम हुआ। बीते 24 घंटे में जहां 244 प्रतिशत बारिश ज्यादा हुई वैसे ही पूरे सितंबर माह के 15 दिन हुई बारिश का औसत अनुमान 250 से 300 प्रतिशत आसपास रहा। आंचलिक विज्ञान केंद्र के निदेशक जेपी गुप्ता बताते हैं कि बुधवार को खासकर पूर्वांचल के जिले में बारिश होगी। पूर्वांचल के जिलों में महाराजगंज, देवरिया, कुशीनगर, संत रविदास नगर, गोरखपुर, बलिया, गाजीपुर, चंदौली, समेत 12 जिलों में बारिश होने का अलर्ट जारी किया गया है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश से पूर्वांचल की तरफ जाने वाली ट्रक रेखा की वजह से यह मानसून के आखिरी समय पर बारिश हो रही है। यह बारिश 29 से 30 सितंबर तक को ज्यादा होने की संभावना भी है।

काशी विश्वनाथ-ज्ञानवापी मामले में नया विवाद

कोर्ट में बताया मस्जिद और जमीन अदला-बदली एग्रीमेंट में मंदिर

वाराणसी। काशी विश्वनाथ-ज्ञानवापी प्रकरण में नया विवाद आ गया है। इससे हड़कंप है। अंजुमन इंतजामिया कमेटी ने विगत दिनों कंट्रोल रूम वाली जिस भूमि का विनिमय विश्वनाथ धाम के साथ किया था, उसके अनुबंध (एग्रीमेंट) पत्र की चौहद्दी में काशी विश्वनाथ मंदिर की सम्पत्ति दर्शायी गई है। उधर, अंजुमन की ओर से अदालत में दक्षिण-पश्चिम में मस्जिद बताकर मुकदमा भी लड़ा जा रहा है। एक ही जमीन को कहीं मंदिर तो कहीं मस्जिद बताने के बाद वादी अधिवक्ता अनुबंध पत्र को बतौर साक्ष्य कोर्ट में पेश करने की तैयारी में है।

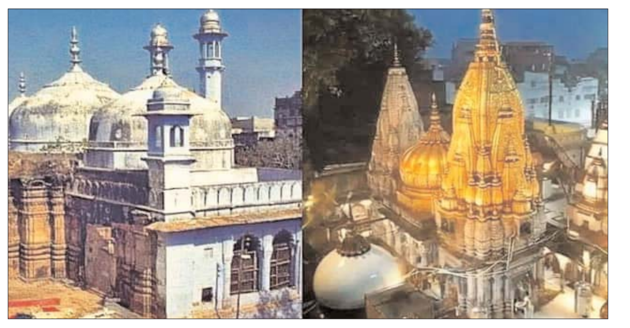

क्या है पूरा मामला

काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के निर्माण के दौरान ज्ञानवापी परिसर के उत्तरी पूर्वी छोर पर 158 वर्ग मीटर भूमि पर तीन मंजिला कंट्रोल रूम था। यह कंट्रोल रूम विशेष रूप से ज्ञानवापी की सुरक्षा के लिए ही बनाया गया था। उस भूमि का स्वामित्व भी सुन्नी सेंट्रल वफ्फ बोर्ड यानी मुस्लिम पक्ष के पास था। कॉरिडोर के लिए इस जमीन की जरूरत महसूस हुई तो पिछले साल 10 जुलाई को मंदिर प्रशासन और अंजुमन इंतजामिया के बीच अनुबंध हुआ। इसमें कंट्रोल रूम की जमीन वफ्फ बोर्ड से खरीदने पर सहमति बनी। जमीन का मूल्यांकन 1.32 करोड़ रुपये तय हुआ। इतनी ही धनराशि की 92.93 वर्ग मीटर जमीन ज्ञानवापी से कुछ दूरी पर स्थित बांसफाटक में मुस्लिम पक्ष को देने पर सहमति बनी। इसके बाद जमीनों की अदला-बदली कर दी गई है।

कंट्रोल रूम वाली जिस जमीन को काशी विश्वनाथ मंदिर को दी गई उसके विनिमय अनुबंध (बिक्री पत्र) में लिखी गई चौहद्दी में विश्वनाथ मंदिर की सम्पत्ति दर्शाई गई है। अनुबंध पर मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी सुनील कुमार वर्मा और अंजुमन की ओर से सचिव अब्दुल बातिन नोमानी की सहमति है। संयुक्त सचिव मो. यासीन की गवाही भी है। उधर अंजुमन की ओर से अदालत में सौंपे दस्तावेज में कंट्रोल रूम वाली जमीन के एक दिशा में मस्जिद दर्शाते हुए दावा भी किया गया है।

इसकी सुनवाई जारी है। इस सम्बंध में अंजुमन इंतजामिया के सचिव मो. यासीन का कहना है कि जमीन की चौहद्दी में मस्जिद नहीं आ रही है। वही, मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी का कहना था कि अंजुमन के पदाधिकारियों की सहमति से अनुबंध तैयार किया गया।

बाराबंकी में सड़क हादसा, श्रद्धालुओं से भरी गाड़ी पलटी, दर्जनभर घायल

बाराबंकी। बारांबकी जिले में महादेव में मुंडन करवाने के साथ दर्शन करके लौट रहे श्रद्धालुओं से भरी पिकअप बाराबंकी-बहराइच नेशनल रामनगर हाईवे से जा रही थी। इसी दौरान बिन्दौरा नहर के निकट अचानक छुट्टा जानवर आ गए। पिकअप चालक जब तक वाहन संभालता तब तक असंतुलित होकर पिकप सड़क किनारे खड्डु में जाकर पलट गई। इस घटना में डेढ़ दर्जन श्रद्धालु घायल हो गए। जिन्हें सीएचसी बड़ागांव में भर्ती कराया गया।

जनपद फतेहपुर थाना हदगांव के अन्तर्गत बड़ी बाग निवासी सुरेंद्र पाल अपने तीन वर्षीय पुत्र प्रिंस का मुंडन संस्कार के लिए अपने रिश्तेदारों को पिकप पर लादकर रामनगर के ऐतिहासिक महादेव मंदिर पर गये थे। मुंडन संस्कार के बाद दर्शन पूजन करने के बाद सुरेन्द्र पाल रिश्तेदारों के साथ वापस फतेहपुर जनपद जा रहे थे। पिकअप बाराबंकी-बहराइच नेशनल हाईवे पर मसौली थाना क्षेत्र के शारदा सहायक बिन्दौरा नहर पुल के निकट पहुंची कि अचानक हाईवे पर छुट्टा गोवंशीय पशु पिकअप से आकर टकरा गई। पशु से टकराने के बाद पिकअप असंतुलित हो गई और सड़क के किनारे जाकर खड्डु में पलट गई।

चीख-पुकार सुनकर रुके राहगीर

पिकअप के पलटते ही उसमें सवार लोग जोर-जोर से चीखने लगे। उनकी आवाज सुनकर आसपास खेतों में काम कर रहे ग्रामीण व राहगीरों का जमावड़ा लग गया। राहगीरों की सूचना पर पुलिस पहुंची और सभी घायलों को बाहर निकाला। सभी को एम्बुलेंस से सीएचसी बड़ागांव में ले जाकर भर्ती कराया गया।

बाराबंकी में बाढ़ से बिगड़ने लगे हालत, गांवों में भरा पानी

एजेंसी

बाराबंकी। नेपाल से छोड़े गए तीन लाख क्यूसेक पानी से बाराबंकी जिले में तराई में हालात बिगड़ने लगे। कई गांवों में बाढ़ का पानी भरने से लोगों को गांवों से निकालने का कार्य शुरू हो गया है। वहीं रामसनेहीघाट क्षेत्र के एक प्राथमिक कटान के मुहाने पर आ गया। शिक्षकों ने विद्यालय से सारा सामान निकाल कर बच्चों को छुट्टी दे दी। गांव में दहशत का माहौल बना हुआ है। नेपाल में हो रही बरसात से से पानी भी अधिकता होने पर गिरिजा व बनबसा बैराज से सरयू नदी में तीन लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। जिससे जिले में नदी उफनाने से रामनगर, सिरौलीगौसपुर व रामसनेहीघाट तहसील के 60 गांवों में पानी फिर भर गया। नदी का जलस्तर 106.296 दर्ज किया गया जो खतरे के निशान से 40 सेंटीमीटर ऊपर पहुंच गया। रास्ता बंद होने से गांवों का आवागमन ठप हो गया है। ब्लॉक पूरेडलई का प्राथमिक विद्यालय डेमा किचूली का आधा हिस्सा नदी में आ गया है। सुबह विद्यालय पहुंचे शिक्षकों ने हालात देख आनन फानन बच्चों को छुट्टी देकर फर्नीचर व अभिलेख बाहर निकाल लिया। स्कूल किसी भी समय नदी में समा सकता है। गांव के लोगों में दहशत मची हुई है।

फर्रुखाबाद : पति ने पत्नी की धारदार हथियार से गर्दन काट कर हत्या की

फर्रुखाबाद। उत्तर प्रदेश में फर्रुखाबाद जिले के शहर कोतवाली क्षेत्र में, पत्नी से किसी विवाद को लेकर पति ने धारदार हथियार से गर्दन काट कर पत्नी की हत्या कर दी। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि शहर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम खानपुर नगला निवासी सुनील कठेरिया ने बीती मध्य रात्रि में किसी बात को लेकर पत्नी से विवाद इतना बढ़ गया था, सुनील कठेरिया ने अपनी पत्नी की धारदार हथियार से गर्दन पर प्रहार करके उसकी हत्या कर दी। जनपद शाहजहांपुर के थाना मदनापुर के ग्राम गुलाब की निवासी किरन (38 वर्ष) का दूसरा विवाह सुनील कठेरिया के साथ हुआ हुआ था।

लखनऊ के लिए 'ब्लैक मंडे' साबित हुआ सोमवार, निवेशकों के 150 करोड़ रुपए साफ

लखनऊ। शेयर बाजार से उम्मीद बांधे लोगों को सोमवार तगड़ा झटका लगा। विदेशी संस्थागत निवेशकों की जबरदस्त बिकवाली में लखनऊ के भी 150 करोड़ रुपये से अधिक डूब गए। यह नुकसान लगातार दो कारोबारी सत्र के दौरान हुआ है। शेयर बाजार की अनिश्चितता से घबराए निवेशक दिन भर फोन या लैपटॉप की स्क्रीन पर टकटकी बांधे रहे। दोपहर तक चर्चा थी कि बाजार संभल जाएगा। गिरावट के बावजूद आईटी के शेयर ठीक जा रहे थे लेकिन बाजार बंद होते-होते उम्मीदें धड़ाम हो गईं।

प्रॉपर्टी का काम कर रहे इमरान चौधरी के शेयर में दो दिनों के भीतर 25 हजार रुपये डूब गए। गोमती नगर निवासी महेन्द्र पाण्डेय को जरा भी उम्मीद नहीं थी कि बाजार अचानक तगड़ा झटका देगा। दो दिनों में उनको 50 हजार रुपये से अधिक की चोट लगी है। लोगों को उम्मीद थी कि त्योहारी सीजन शुरू होते ही संसेक्स-निफ्टी ऊपर जाएंगे लेकिन ऐसा हुआ नहीं। 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सूचकांक 953.70 अंक नीचे आया तो नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 311.05 अंक तक नीचे आ गया।

शेयर मार्केट में अभी जारी रहेगा अनिश्चितता का दौर

विशेषज्ञों का कहना है कि बाजार में बिकवाली जारी रह सकती है। इसकी वजह यह है कि भारत समेत एशिया के कई देशों की करेंसी में डॉलर के मुकाबले 3 से 9 फीसदी तक गिरावट दर्ज की गई है। एवोक इंडिया के प्रमुख प्रवीण द्विवेदी ने बताया कि दो कारोबारी दिनों में सिर्फ लखनऊ के ही निवेशकों को 150 करोड़ रुपये का झटका लगा है। देश भर में 11 लाख करोड़ की चोट लगी। इसकी वजह डॉलर के मुकाबले रुपये का 37 वर्षों में सबसे बड़ी गिरावट, ब्याज दरों में बढ़ोतरी की आशंका जैसे कारण हैं। डॉलर मजबूत होने से विदेशी निवेशक यहां से पैसा निकाल अपने बाजार में लगा रहे हैं।

बीएचयू में योग करते समय बेहोश हुई शोध छात्रा, नाक से ब्लीडिंग के बाद मौत

वाराणसी। बीएचयू में आयुर्वेद की शोध छात्रा अनुभा उपाध्याय की मंगलवार सुबह करीब योग करते समय मौत हो गई। योग करते समय अचानक नाक से खून आने लगा। क्रिया-शरीर विभाग के वैद्य सुशील दुबे ने बताया कि सुबह सात बजे तक फिट थी। बताया कि उसे पहले से ही बीमारी थी। उसके ब्लड नलियों मे सूजन की समस्या थी।

सात बजे योग के दौरान उसके नाक से ब्लीडिंग होने लगी और बेहोश हो गई। उसे अस्पताल लेकर गए तो डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। अनुभा ने गोरखपुर विश्वविद्यालय से स्नातक और परस्नातक की थी। अनुभा संकाय के क्रिया-शरीर विभाग डॉ. संगीता गहलोत के अंडर में शोध छात्रा थी। वह वर्किंग वुमेन हॉस्टल में रहती थी। उसने बीएचयू के मनोविज्ञान विभाग से डिप्लोमा भी किया है।

फिजियोलॉजी डिपॉर्टमेंट के वैद्य सुशील दुबे ने बताया कि अनुभा को टाकायासू आर्टराइटिस नाम एक दुर्लभ बीमारी थी। उसके पिता ने इस बीमारी के बारे में बताया था। यह खून के नसों की बीमारी है। यह कुल मिलाकर 4 देशों में ही रिपोर्ट की गई है। अमेरिका, कनाडा और भारत में ही साल भर में 2-3 लोगों की मौत होती है।

अस्पताल लेकर गए तो डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। अनुभा की बॉडी बीएचयू अस्पताल की मर्चरी में ही रखी गई है। उसके माता-पिता को जानकारी दी गई है। बताया जा रहा है कि अनुभा ने गोरखपुर विश्वविद्यालय से बीए और एमए की डिग्री हासिल की है। वह कुशीनगर की रहने वाली थी।

फर्रुखाबाद में बुजुर्ग किसान की सिर कूचकर हत्या

फर्रुखाबाद। फर्रुखाबाद में नलकूप पर सो रहे बुजुर्ग किसान की सिर कूचकर हत्या कर दी गई। मंगलवार सुबह उसका खून से लथपथ शव चारपाई पर पड़ा मिला। पुलिस ने घटनास्थल पर जांच पड़ताल की। शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।मामला कोतवाली फतेहगढ़ के ग्राम बुढनामऊ का है। यहां रहने वाले 50 साल के रामकुमार कटियार उर्फ रामू चार भाइयों में सबसे छोटे थे। बड़े भाई अनिल, विजय और सुनील के साथ वह भी खेती करते थे। परिजनों नें बताया कि रामू की शादी नहीं हुई थी।

उप्र में लंपी वायरस से संक्रमित पशुओं के ठीक होने की दर 64 फीसदी

लखनऊ। भारत सरकार के आंकड़ों की मानें तो उत्तर प्रदेश में योगी सरकार ने लंपी वायरस के प्रकोप से गोवंश को प्रभावी रूप से सुरक्षित बचाने में कामयाबी पायी है। राज्य में लंपी वायरस के संक्रमण से पशुओं के स्वस्थ होने की दर 64 फीसदी है वहीं मृत्यु दर घटकर मात्र एक फीसदी रह गयी है। योगी सरकार का दावा है कि इस वायरस के संक्रमण को रोकने में प्रशासन की मुस्तैद रणनीति कारगर साबित हुयी है। केन्द्रीय पशु पालन और डेयरी विभाग के आंकड़ों के मुताबिक देश के 14 राज्यों में अपने पैर पसार चुके इस वायरस से सर्वाधिक प्रभावित 06 बड़े राज्यों में उत्तर प्रदेश भी शामिल था। इनमें राजस्थान एवं पंजाब के आंकड़े बेहद चिंताजनक हालात की ओर इशारा कर रहे हैं। जबकि इन आंकड़ों के मुताबिक उत्तर प्रदेश में स्थिति काबू में है।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार राजस्थान में 11.34 लाख पशु लंपी वायरस से संक्रमित हुए हैं। इनमें 50,366 की मृत्यु हुई है। वहीं, पंजाब में संक्रमित हुए पशुओं की संख्या 1,73,159 है, जिनमें 17,200 पशुओं की मृत्यु हुई है। गुजरात में 1,56,236 पशु इस वायरस से प्रभावित हुए हैं, जिनमें 5,544 की मृत्यु हुई है।

सुभासपा को तोड़कर महेंद्र राजभर ने बनायी सुहेलदेव स्वाभिमान पार्टी

मऊ। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रहे बागी नेता महेंद्र राजभर ने मंगलवार को नई पार्टी के गठन का ऐलान कर दिया।

महेंद्र राजभर ने यह घोषणा करते हुए बताया कि उनके दल का नाम सुहेलदेव स्वाभिमान पार्टी रखा गया है।

हाल ही में महेंद्र राजभर ने सुभासपा में चल रहे आंतरिक गतिरोध के बीच पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। सुभासपा के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर से नाराज चल रहे पार्टी के तमाम नेता और सैकड़ों कार्यकर्ता भी महेन्द्र राजभर के साथ नये धड़े से जुड़ गये हैं।

बीते 5 सितंबर को महेंद्र राजभर ने अपने 30 कार्यकर्ताओं के साथ मीडिया के सामने सुभासपा की टोपी उतारकर इस्तीफा दे दिया था। इस दौरान महेंद्र राजभर ने ओमप्रकाश राजभर पर पार्टी को उसकी नीतियों से भटकाने का आरोप लगाया था। उन्होंने यह भी कहा था कि ओमप्रकाश राजभर परिवारवाद की राह में आगे बढ़ रहे हैं। वह राजभरों की कमाई और मेहनत पर पानी फेर रहे हैं। महेंद्र राजभर के इस्तीफे के बाद जिले में अलग-अलग स्थानों पर तमाम कार्यकर्ताओं ने पार्टी से इस्तीफा दिया था।

इस तमाम राजनीतिक उठापटक के बाद कार्यकर्ताओं की मंत्रणा से मंगलवार को महेंद्र राजभर ने नई पार्टी के गठन का ऐलान कर दिया।

2 मादक पदार्थ तस्कर गिरफ्तार, 45 किलो गांजा बरामद

बागपत। चंदीनगर थाना पुलिस के हाथ बड़ी सफलता लगी है। पुलिस ने सर्विलांस टीम की मदद से चेकिंग के दौरान खासपुर मोड़ के पास से दो गाजा तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से करीब 45 किलो 500 ग्राम गांजा बरामद हुआ है। तस्कर गांजे की तस्करी मुजफ्फरनगर जनपद में करते थे। सोमवार देर रात चांदीनगर पुलिस ने चेकिंग के दौरान क्षेत्र के खासपुर मोड़ के समीप विशाखा पटनम से बागपत की तरफ आ रहे कार सवार दो गांजा तस्करों को 45 किलो 500 ग्राम गांजे के साथ गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की पूछताछ में गांजा तस्करों ने बताया कि वह उरगवैविशाखा पटनम से गांजा लेकर बागपत जा रहे थे।

औरैया में दलित छात्र की मौत के मामले में प्रभावी कार्रवाई करे सरकार : मायावती

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के औरैया जिले में स्कूल शिक्षक की पिटाई से एक दलित छात्र की मौत के मामले में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने मंगलवार को कहा कि सरकार को ऐसा संगीन मामला रफादफा करने के बजाय तत्काल प्रभावी कार्रवाई करना चाहिये।

गौरतलब है कि औरैया के अछल्दा थाना क्षेत्र में आदर्श इंटर कॉलेज के 10वीं कक्षा के छात्र निखित कुमार पुत्र राजू दोहरे को सामाजिक विज्ञान के शिक्षक अश्विनी सिंह ने 07 सितंबर को परीक्षा में एक शब्द गलत लिखने पर जमकर पीट दिया। इससे घायल हुए

छात्र को सैफई मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराना पड़ा। लंबे इलाज के बाद कल सुबह उसकी मौत हो गयी।

उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने इस मामले पर ट्वीट कर कहा, औरैया में शिक्षक की पिटाई से दलित छात्र की मौत पर सरकारी उदासीनता व लापरवाही का मामला काफी तूल पकड़ता जा रहा है। इंसाफ व उचित कार्रवाई के अभाव में लोग काफी आक्रोशित हैं। सरकार ऐसे संगीन मामलों को रफादफा करने के बजाय तुरन्त प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करे, बीएसपी की यह माँग।

मायावती ने मीहलाओं, दलितों और गरीबों के मन में उपज रही असुरक्षा का मुद्दा भी उठाते हुए कहा, साथ ही, यूपी में दलितों, गरीबों, मजलूमों व अल्पसंख्यकों आदि के साथ-साथ महिलाओं की असुरक्षा का मामला भी काफी चर्चाओं में है। महिला पुलिसकर्मियों के विरुद्ध थाना में शोषण व अन्याय की खबरें भी लगातार सुर्खियों में हैं, जो सरकार के कानून-व्यवस्था के दावे को गलत साबित करती हैं।

गर्भवती पत्नी को गोद में लेकर पहुंचा पति

लापरवाही : कौशांबी में 30 मिनट तक नहीं मिला स्ट्रेचर

कौशांबी। कौशांबी के जिला अस्पताल में गर्भवती महिला को स्ट्रेचर नहीं मिल सका। इसके बाद पति उसे गोद में लेकर इमरजेंसी वार्ड तक पहुंचा।

कौशांबी के जिला अस्पताल में व्यवस्थाओं की हकीकत देखने को मिली, जिसका वीडियो सामने आया है। एक पति दर्द से कराह रही गर्भवती पत्नी को गोद में लेकर प्रसव कक्ष तक गया। काफी कोशिश के बाद उसे अस्पताल प्रशासन ने स्ट्रेचर मुहैया नहीं कराया। सीएमएस डॉ. दीपक सेठ ने प्रकरण में वीडियो की जांच के बाद कड़ी कार्रवाई की बात कही है।

सरसवा ब्लाक के बख्शी का पूरा के रहने वाला संतोष कुमार मेहनत-मजदूरी करके परिवार का गुजारा करता है। सोमवार की दोपहर करीब 12 बजे उसकी गर्भवती पत्नी अन्नू को प्रसव पीड़ा हुई। इलाज के लिए वह आनन-फानन में पत्नी को लेकर जिला अस्पताल पहुंचा। इमरजेंसी से पता चला कि अभी स्ट्रेचर की कोई व्यवस्था नहीं है। मौजूद स्वास्थ्य कर्मियों ने उसे प्रसव कक्ष में जाने के लिए कहा।

मजबूरी में संतोष दर्द से कराह रही पत्नी को अपनी गोद में लेकर लेबर वार्ड में पहुंचा। वार्ड में पहुंचने पर स्टाफ नर्स ने हैरानी जताते हुए मरीज को भर्ती करने की जगह दिखाई। वहां अन्नू का इलाज शुरू हो सका। अस्पताल में हुई इस घटना का किसी ने वीडियो बना लिया। यह वीडियो अब सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है।

30 मिनट तक नहीं मिला स्ट्रेचर

पीड़ित संतोष कुमार ने बताया कि इमरजेंसी में तैनात लोगों से स्ट्रेचर की मांग करता रहा, लेकिन आधे घंटे तक स्ट्रेचर मुहैया नहीं कराया गया। उसे पत्नी का दर्द नहीं देखा गया तो वह उसे गोद में लेकर लेबर वार्ड तक पहुंचा। वहां पर नर्स ने पत्नी को भर्ती करके इलाज शुरू किया।

इमरजेंसी के लिए 4 स्ट्रेचर की सुविधा

सीएमएस डॉ. दीपक सेठ ने बताया कि जिला अस्पताल के इमरजेंसी में चार स्ट्रेचर हैं। इन्हीं स्ट्रेचर से वार्ड में मरीजों को शिफ्ट किया जाता है। इमरजेंसी में मरीज ज्यादा आ जाने के कारण स्ट्रेचर खाली नहीं रहा होगा।

कहा कि वायरल वीडियो की सत्यता की जांच कराई जा रही है। जांच के बाद इमरजेंसी में स्ट्रेचर उपलब्ध न कराने वाले कर्मचारियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

कुशीनगर : गैर इरादतन हत्या के दोषी को सात साल कैद की सजा

कुशीनगर। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश विजय कुमार हिमांशु ने छेड़खानी को लेकर हुई मारपीट में एक व्यक्ति की मौत के 07 साल पुराने मामले में दोषी पाए गए अभियुक्त को 07 साल की कैद की सजा सुनायी है।

कुशीनगर के कुबेरस्थान थाना क्षेत्र के पचरूखिया के टोला भरटोली में हुयी इस घटना के मुकदमे में छेड़खानी के दोषी पाए जाने पर 03 आरोपियों को 03 साल के कैद की सजा सुनाई है। इनमें पिता पुत्र शामिल हैं। अदालत ने इन पर 20 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है।

सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता उपेंद्र कुमार पाठक ने मंगलवार को बताया कि अवधेश पुत्र कैलाश निवासी पचरुखिया टोला भरटोली ने कुबेरस्थान थाने में 14 जून 2017 को अपनी तहरीर में बताया कि 12 जून को सायं सात बजे उसकी भाभी गांव के बाहर गई थी।

गांव के संतोष, मंटू व मनोज ने उनके साथ छेड़खानी की। भाभी उनका विरोध करते हुए घर पहुंची और पूरे मामले की जानकारी दे रही थी उसी समय गांव के गौतम, राजकुमार, संतोष, मनोज, रामनाथ व एक अन्य नाबालिग उनके घर पहुंच गये और गालीगलौच करने लगे। उन्हें मना करने पर वे लोग उतावले हो गये और ईंट से गौतम ने उसके पिता कैलाश राजभर को मार दिया।

शार्ट न्यूज

सीतारमण की शिकायतों का समय पर समाधान और रिफंड में तेजी लाने की अपील

नयी दिल्ली। केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आयकर विभाग से शिकायतों का समय पर समाधान करने के साथ ही रिफंड में तेजी लाने और रिर्टन का समय पर प्रोसेस करने की आज अपील की। सीतारमण ने आयकर विभाग के चयनित कर्मचारियों को वित्त मंत्री पुरस्कार से सम्मानित करने के अवसर पर यह अपील की। इस दौरान उन्होंने युवाओं को करों की महत्ता को समझाने और उनमें इसको लेकर जागरूकता लाने के उद्देश्य से आयकर विभाग की डिजिटल कॉमिक पुस्तकों का विमोचन भी किया। मोटु पतलु नामक यह कॉमिक अंग्रेजी, हिंदी, तमिल, तेलुगु और गुजराती में है। इस मौके पर वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी और वित्त राज्य मंत्री डा भगवत किशनराव कराड के साथ ही केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड के अध्यक्ष नितिन गुप्ता भी मौजूद थे। श्रीमती सीतारमण ने आयकर विभाग की अब तक यात्रा पर बनी फिल्म का भी अनावरण किया।

प्रधान ने किया 13वीं फिक्की ग्लोबल स्किल सम्मेलन 2022 का उद्घाटन

नयी दिल्ली। केन्द्रीय शिक्षा और कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था को अधिक उत्पादक और मजबूत बनाने के लिए हमें अपने कार्यबल को अधिक उत्पादक बनाना होगा। श्रम कानूनों का सरलीकरण और एप्रेंटिसशिप जैसी पहल हमारे कार्यबल को और अधिक जोशपूर्ण बनाने में एक लंबा सफर तय करेगी। श्री प्रधान ने मंगलवार को यहां 13वीं फिक्की ग्लोबल स्किल्स सम्मेलन 2022 का उद्घाटन कर उसे संबोधित किया। उन्होंने भारत के कौशल इकोसिस्टम को और अधिक जीवंत बनाने के लिए कौशल का लाभ उठाने पर अपने विचार साझा किए। श्री प्रधान ने कहा कि हमारा देश सौभाग्यशाली है कि उसकी कुल जनसंख्या में काम करने वालों का अनुपात अधिक है। शिक्षा और कौशल को हमारी कुल जनसंख्या में काम करने वाले इस अनुपात को ऊर्जावान और मजबूत ताकत में बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है। उन्होंने कहा कि अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट से आगामी डिजिटल विश्वविद्यालय तक हम अपनी शिक्षा और कौशल इकोसिस्टम को और अधिक आकर्षक बनाने के लिए अनेक पहल और नीतिगत सुधार कर रहे हैं। श्री धर्मेन्द्र प्रधान ने शिक्षा और कौशल क्षेत्र में और परिवर्तन लाने के लिए एक मजबूत शिक्षा-उद्योग-नीति निर्माता संपर्क बनाने और सामूहिक दृष्टिकोण के साथ काम करने का भी आह्वान किया।

मारेली ने बेंगलुरु में शुरू किया आर एंड डी सेंटर

बेंगलुरु। ऑटोमेटिव उद्योग से जुड़ी कंपनी मारेली ने नवाचार क्षमता खासतौर पर सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग में बढ़ावा देने के लिए बेंगलुरु में अनुसंधान एवं विकास केंद्र (आरएंडडी सेंटर) की शुरुआत की। कंपनी ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि नए तकनीकी आरएंडडी केंद्र के पूरी तरह से शुरू हो जाने के बाद यह कंपनी के गुरुग्राम में स्थित इंजीनियरिंग सेंटर के साथ मिलकर कंपनी की आरएंडडी क्षमता को गति प्रदान करेगा और इससे अनुसंधान दल में सदस्यों की संख्या 1600 से अधिक हो सकती है। बेंगलुरु स्थित केंद्र में आगामी दो वर्षों में 600 इंजीनियरों को नियुक्त करने की योजना है। बेंगलुरु स्थित केंद्र में मुख्य तौर पर मारेली से जुड़ी बड़ी तकनीकों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा जो इलेक्ट्रोनिक्स, ऑटोमोटिव लाइटिंग, आंतरिक पावरट्रेन और इलेक्ट्रिक पावरट्रेन से जुड़ी है। मारेली के कार्यकारी अध्यक्ष दिनेश पालीवाल ने कहा, कंपनी के इस रणनीतिक कदम से मैं खुश हूं। आरएंडडी और नवाचार में दुनिया के महत्वपूर्ण देशों में से भारत एक है और हम यहां गहरी प्रतिभा को तलाशने के लिए उत्साहित हैं।

देश का डाटा सेंटर उद्योग अगले ढाई वर्षों में हो सकता है दोगुना : रिपोर्ट

हैदराबाद। वित्तीय, मनोरंजन और खुदरा क्षेत्र में बढ़ते डेटा उपयोग और क्लाउड सेवा प्रदाताओं द्वारा उच्च प्रतिबद्धता भारतीय डेटा सेंटर (डीसी) उद्योग के विकास को बढ़ावा देगी जिससे 2024 तक 78 लाख वर्ग फुट रियल एस्टेट क्षेत्र की मांग बढ़ेगी। रियल एस्टेट और निवेश प्रबंधन की विशेषज्ञ वाली एक पेशेवर सेवा प्रदान करने वाली कंपनी जेएलएल ने डाटा सेंटर अपडेट- एच1 2022 में कहा कि मांग को पूरा करते हुए आगामी ढाई वर्षों में निवेश की 4.6 अरब डॉलर की जरुरत हो सकती है। रिपोर्ट के अनुसार, डाटा सेंटर उद्योग की क्षमता आने वाले ढाई वर्षों में दोगुना होकर 1318 मेगावाट हो सकती है जो वर्तमान में 637 मेगावाट है। देश में मार्च 2022 तक प्रति व्यक्ति औसत मासिक डाटा उपयोग 15.8 जीबी रहा है जो इससे पिछले वर्ष की समान अवधि में 12.3 जीबी थी। उन्होंने कहा कि मुंबई में क्षमता वृद्धि के उच्चतम हिस्से होने के कारण 46 लाग वर्ग फुट की मांग होगी, इसके बाद चेन्नई में 19 लाख वर्ग फुट और एनसीआर-दिल्ली में सात लाख वर्ग फुट की मांग होगी। विनियामक अनुमोदन और निर्माण अवधि डीसी (डेटा सेंटर) की क्षमता को चालू होने के लिए तीन से चार साल की समय सीमा तक ले जाएगी।

रुपया 14 पैसे उछला

मुंबई। दुनिया की प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर में नरमी आने से आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 14 पैसे उछलकर 81.53 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया। वहीं, पिछले कारोबारी दिवस रुपया 58 पैसे टूटकर अबतक के रिकॉर्ड निचले स्तर 81.67 रुपये प्रति डॉलर तक लुढ़क गया था। शुरुआती कारोबार में रुपया 22 पैसे की मजबूती के साथ 81.45 रुपये प्रति डॉलर पर खुला। सत्र के दौरान बिकवाली से समर्थन पाकर यह 81.30 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। हालांकि लिवाली होने से यह 81.64 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर तक लुढ़क गया। अंत में पिछले सत्र के 81.67 रुपये प्रति डॉलर के मुकाबले 14 पैसे की तेजी के साथ 81.53 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया।

पीबीएफआईए ने शुरू किया वनस्पति अधारित नवरात्र अभियान

नयी दिल्ली। नवरात्र के अवसर पर प्लांट बेस्ड फूड्स इंडस्ट्री एसोसिएशन (पीबीएफआईए) ने 'प्लांट-बेस्ड फूड्स पर स्विच करें-नवरात्रि से शुभारम्भ' अभियान की शुरुआत की। इस अभियान को 26 सितंबर से पांच अक्टूबर तक चलाया जाएगा। पीबीएफआईए ने एक बयान में कहा कि यह वनस्पति आधारित (प्लांट बेस्ड) अभियान वास्तविक होने के साथ ही डिजिटल जागरूकता कार्यक्रम है जिसमें 20 लाख लोगों तक पहुंचने का लक्ष्य है। इस अभियान में सिम्पोजियम, विशेषज्ञ वार्ता, शेफ प्रतियोगिता और प्लांट-बेस्ड क्लबों का गठन जैसी जमीनी गतिविधियों के लिए फूड टेक्नोलॉजी, होटल प्रबंधन, पोषण और कृषि पाठ्यक्रमों में मुख्य रूप से शामिल कई संस्थानों की भागीदारी है। इस अभियान में वनस्पति आधारित खाद्य क्षेत्र की अपार संभावनाओं के बारे में समझ में वृद्धि होगी जबकि युवा, उज्ज्वल दिमागों को नवाचार करने और शोध करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

रिलायंस रिटेल ने खोला देश का पहला सेंट्रो स्टोर

नयी दिल्ली। रिलायंस रिटेल ने मंगलवार को सेंट्रो नाम से एक नए प्रकार के फैशन और लाइफस्टाइल स्टोर की शुरुआत की। इस स्टोर को मध्य और प्रीमियम सेंगमेंट के ग्राहकों की जरूरतों का ध्यान रखते हुए डिजाइन किया गया है। राजधानी के वसंत कुंज में स्थित रिलायंस सेंट्रो स्टोर में 300 से अधिक स्वदेशी एवं अंतरराष्ट्रीय ब्रांड और 20 हजार से अधिक लाइफस्टाइल उत्पादों को प्रदर्शित किया गया है। यह स्टोर 75 हजार वर्गफुट में फैला हुआ है।

फिल्म उद्योग के लिए 2030 तक सालाना 100 अरब डॉलर के कारोबार का लक्ष्य रखा सरकार ने

मुंबई। सूचना और प्रसारण सचिव अपूर्व चंद्रा ने भारतीय मीडिया और मनोरंजन उद्योग को अपना कारोबार 2030 तक 100 अरब डॉलर रखने का लक्ष्य रखा है और कहा है कि फिल्म निर्माण उद्योग में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) को बढ़ावा देने की योजना पर काम किया जा रहा है।

चंद्रा ने मंगलवार को यहां इस उद्योग पर केंद्रित सम्मेलन ' फिक्की फ्रेम्स फास्ट ट्रैक 2022' के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि सरकार सिनेमैटोग्राफ अधिनियम में संशोधन का प्रस्ताव संसद के आगामी सत्र में प्रस्तुत कर सकती है जिसमें फिल्म पायरेसी और फिल्मों के प्रमाणन संबंधी प्रावधों में बदलाव का प्रस्ताव है।

सूचना प्रसारण सचिव ने कहा, भारत अगले 10 वर्षों में 10 हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था होगी, हमें यह लक्ष्य बनाना चाहिए कि मीडिया और मनोरंजन क्षेत्र 2030 तक 100 अरब डॉलर से अधिक हो जाए। उन्होंने कहा कि मंत्रालय इस दिशा में उद्योग को रह संभव मदद देने को तैयार है।

उन्होंने यह भी कहा कि फिल्म क्षेत्र में भारत में अधिक विदेशी निवेश लाने के लिए इन्वेस्ट इंडिया का लाभ उठाया जाएगा। उन्होंने इस बात का जिक्र किया कि सरकार ने फिल्म उद्योग से संबंधित अपनी विभिन्न इकाइयों को एकीकृत करने के लिए उनका आपस में विलय कर दिया है और मुंबई स्थित राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम (एनएफडीसी) सरकार की सिनेमाई गतिविधियों का केंद्र बनने जा रहा है।

चंद्रा ने कहा, ''इसके माध्यम से हम फिल्म सुविधा कार्यालय को नया रूप देना चाहते हैं। हम इसे भारत में उद्योग

को आकर्षित करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार द्वारा बनाई गई मुख्य निवेश शाखा इन्वेस्ट इंडिया को सौंपने जा रहे हैं। इस साल भारत में 100 अरब डॉलर से ज्यादा का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आ रहा है। हम विदेशी निवेश लाने के लिए इन्वेस्ट इंडिया का लाभ उठाना चाहते हैं, हम भारत आने के लिए विदेशी फिल्म निर्माताओं तक पहुंचेंगे।

सूचना प्रसारण सचिव ने घोषणा की कि भारत सरकार राज्यों के साथ मिलकर काम करेगी और एक आदर्श रंगमंच नीति तैयार करेगी। इसके साथ ही भारत में फिल्म शूटिंग को बढ़ावा देने के लिए सरकार राज्यों के साथ मिलकर काम करेगी।

उन्होंने हाल ही में कान्स फिल्म फेस्टिवल में, हमने भारत में विदेशी फिल्मों की शूटिंग के लिए ऑडियो-विजुअल को-प्रोडक्शन और प्रोत्साहन योजना के लिए प्रोत्साहन योजना की घोषणा का भी उल्लेख किया।

पिछले पांच-छह वर्षों से सिनेमाघरों की संख्या में गिरावट की प्रवृत्ति को उलटने की जरूरत बताते हुए उन्होंने कहा कि हम फिल्म फैसिलिटेशन ऑफिस को इन्वेस्ट इंडिया के साथ काम करने का काम सौंपेंगे ताकि थिएटर खोलने के लिए सिंगल-विंडो पोर्टल बनाया जा सके। उन्होंने कहा, ''हम राज्यों के साथ मिलकर एक मॉडल थिएटर पॉलिसी भी बनाएंगे, ताकि राज्य इसे अपना सकें और उस पर काम कर सकें।

उन्होंने बताया कि सिनेमैटोग्राफ अधिनियम में प्रस्तावित संशोधनों पर कल फिल्म उद्योग के कुछ दिग्गजों के साथ उनकी एक उपयोगी बैठक हुई। उन्होंने कहा, सभी हितधारकों ने एंटी-पायरेसी (फिल्म-चोरी) के प्रावधानों और यू/ए श्रेणी के साथ आयु वर्गीकरण में संशोधन जैसे प्रस्तावित संशोधनों का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि फिल्म उद्योग के समर्थन से हम संसद के शीतकालीन सत्र में संशोधित विधेयक पेश करने की उम्मीद करते हैं।

उन्होंने यह भी बताया कि सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा गठित एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग एंड कॉमिक्स (एवीजीसी) प्रमोशन टास्क फोर्स अगले 15 दिनों के भीतर रिपोर्ट सौंप देगी।

उन्होंने एवीजीसी को भविष्य का क्षेत्र बताते हुए कहा कि हॉलीवुड की सर्वश्रेष्ठ फिल्में अब बेंगलुरु और अन्य जगहों पर बन रही हैं, एवीजीसी 20 साल पहले आईटी क्रांति की तरह अगली क्रांति होगा।

उन्होंने यह भी बताया कि सरकार निजी क्षेत्र के सहयोग से एवीजीसी के लिए राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना की जा रही है इसके लिए सैद्धांतिक निर्णय लिया जा चुका है। इसमें सरकार की 48 फीसदी हिस्सेदारी, फिक्की की 26 फीसदी और सीआईआई की 26 फीसदी हिस्सेदारी का प्रस्ताव है।

भारत से पूरी दुनिया में फैलेगी लेजेंड 1942 की खुशबू

मुंबई। लेजेंड 1942 भारत की समृद्ध प्राकृतिक और सांस्कृतिक विरासत का जश्न मनाने वाली चुनिंदा सामग्रियों से प्रेरित और बनाए गए लक्ज़री परफ्यूम की एक आकर्षक श्रृंखला है जो अपना सुगंध पूरे विश्व में फैलाने को तैयार है। बॉलीवुड महानायक अमिताभ बच्चन भी इस लक्जरी परफ्यूम के प्रमोटरों में शामिल हैं।

लेजेंड 1942 की सह-स्थापना अनुराधा संसार ने की है, जो एक अनुभवी फ्रेगरेंस पेशेवर और विश्व स्तर पर प्रशंसित ब्रांड रणनीतिकार हैं।

लेजेंड 1942 एक दर्शन से पैदा हुआ है जो सुगंध, कपड़ों की तरह व अभिव्यक्ति का साधन हो सकता है। इसकी हर पेशकश विविध मूड, अवसरों और मौसमों को समाहित करती है। यह पहनने वाले को अलग दिखने और भावनाओं को बढ़ाने की अनुमति देता है।

लेजेंड 1942 भारत की जीवंत भावना और वैश्विक भारतीयों की नई नस्ल का जश्न मनाता है। इसके मिश्रण जैस्मीन, लैवेंडर, केसर, चंदन, गुलाब, दवाना और गुलाबी चंपाका जैसे कालातीत अवयवों से तैयार किए गए हैं। यह ना केवल व्यक्ति के जुनून को दर्शाता है बल्कि लोगों के व्यक्तित्व को उभारने में भी मदद करता है। आखिर यह लोगों के लिए एक ऊर्जा के समान है।

सुश्री अनुराधा संसार ने कहा,हमारा दृष्टिकोण लेजेंड 1942 को एक घरेलू लक्जरी ब्रांड बनाना है जो वास्तव में विश्व स्तरीय घ्राण अनुभव प्रदान करता है।

हमने मेड इन इंडिया फ्रेगरेंस, एक बार में एक बातचीत के बारे में कथा को बदलने के लिए तैयार किया है। भारत को अपने लिए और अपने किसानों को प्रेरणा के रूप में लेकर, हम यहां अपनी मातृभूमि की सुगंधित विरासत को उसके योग्य फल तक ले जाने के लिए हैं।

इसका संग्रह ऑनलाइन उपलब्ध है और 30 मिलीलीटर के लिए 3,000 रुपये से इसकी शुरूआत है। लेजेंड 1942 एक नए भारत के लिए तैयार किए गए देसी परफ्यूम का एक संग्रह है।

बेहतरीन चमेली, लैवेंडर, केसर, चंदन, गुलाब, दावना और गुलाबी चंपाका सुगंधों से युक्त वे आधुनिक भारतीय द्वारा गर्व के साथ लगाने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। संग्रह में तीन प्रकार, फ्लैम्बॉयन्स, हेरिटेज और इन-डीएनए शामिल हैं। प्रत्येक प्रकार काले और सफेद उप-संस्करणों में उपलब्ध है, जो छह अद्वितीय परफ्यूम की सुगंधित छटा बिखेरता है।

पेट्रोल-डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं

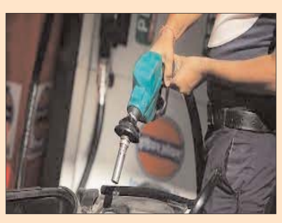

नयी दिल्ली। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमत 85 डॉलर प्रति बैरल से नीचे उतर जाने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम मंगलवार को भी स्थिर रहे। कच्चे तेल की कीमत पिछले आठ महीनों के न्यूनतम स्तर पर हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लंदन ब्रेंट क्रूड आज 0.98 प्रतिशत बढ़कर 84.88 डॉलर प्रति बैरल पर और अमेरिकी क्रूड भी 1.02 प्रतिशत की वृद्धि से 77.49 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। घरेलू स्तर पर तेल विपणन कंपनी भारत पेट्रोलियम के अनुसार, पेट्रोल और डीजल की कीमतों में आज भी कोई बदलाव नहीं हुआ। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है। देश में पिछले चार महीने से ईंधन की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। मुंबई में पेट्रोल के दाम 106.31 रुपये प्रति लीटर और और डीजल की कीमत 94.27 रुपये प्रति लीटर है। पेट्रोल और डीजल की कीमतें मूल्य वर्धित कर (वैट) और माल ढुलाई शुल्क के आधार पर सभी राज्यों में अलग-अलग हैं। पेट्रोल-डीजल के मूल्यों की प्रतिदिन समीक्षा की जाती है।

शक्कर सस्ती, खाद्य तेलों में गिरावट, चना महंगा , दाल मजबूत, चावल सामान्य

इंदौर। सियागंज किराना बाजार में शक्कर खरीदी सुस्ती से सस्ती बिकी।खाद्य तेलों में नरमी रही। दलहनो में मजबूती दर्ज की गई। वहीं दालों में भाव ऊंचे बताए गए। चावल में उठाव सामान्य रहा।

शक्कर में खरीदी सुस्त बताई गई। आज शक्कर में कामकाज 3680 से 3740 रुपये के स्तर पर चला। शक्कर में 08 गाड़ी आवक हुई। खोपरा गोला, खोपरा बूरा में कामकाज बना रहा।

खाद्य तेल में लिवाली कमज़ोर रहने से भाव गिरावट लिए रहे। आज मूंगफली तेल तथा सोयाबीन रिफाइंड में भाव कम हुए। तिलहन में प्लान्टो की लिवाली बताई गई।

स्थानीय संयोगितागंज अनाज मंडी में चना कांटा तथा मसूर महंगी बिकी। दालों में मांग से भाव ऊंचे बोले गए। आज दालें मजबूती लिए रही। चावल में उठाव साधारण रहा। शक्कर 3580 से 3740 रुपये प्रति क्विंटल। खोपरा गोला 158 से 178 रुपये प्रति किलोग्राम। खोपरा बूरा 1925 से 3175 रुपये प्रति 15 किलोग्राम। हल्दी खडी 100 से 162 रुपये प्रति किलोग्राम। साबूदाना 5700 से 7000, पैकिंग में 7200 से 7400 रुपये प्रति क्विंटल।

सरसों निमाड़ी 5700 से 5800, रायडा 5400 से 5500 रुपये प्रति क्विंटल।

मूंगफली तेल इंदौर 1640 से 1650, सोयाबीन रिफाइंड इंदौर 1120 से 1125, सोयाबीन साल्वेंट 1095 से 1100, पाम तेल 950 से 955 रुपये प्रति 10 किलो। चना (कांटा) 4850 से 4900, मसूर 6175 से 6200, तुअर निमाड़ी 6800 से 7400, तुअर सफेद (महाराष्ट्र) 7700 से 7900, तुअर (कर्नाटक) 7900 से 8000, मूंग 6900 से 7200, मूंग हल्की 5800 से 6400, उड़द 7400 से 7600, उड़द मीडियम 6300 से 6800, उड़द नया 7000 से 7600, हल्का 2500 से 4500 रुपये प्रति क्विंटल। चना दाल 6100 से 6200, तुअर दाल सवा नंबर 9500 से 9600, तुअर दाल फूल 10000 से 10200, तुअर दाल बोल्ड 10500 से 11200, आयातित तुअर दाल 9100 से 9200, मसूर दाल 7300 से 7600, मूंग दाल 9000 से 9300, मूंग मोगर 9300 से 9600, उड़द दाल 9000 से 9300, उड़द मोगर 9600 से 9900 रुपये प्रति क्विंटल।

वित्त मंत्री ने की अनुसूचित जाति की कल्याणकारी स्कीमों में बैंकों के प्रदर्शन की समीक्षा

नयी दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अनुसूचित जातियों के लिए चलायी जा रही कल्याणकारी योजनाओं और ऋण आदि के क्षेत्र में सरकारी बैंकों के प्रदर्शन का आज यहां समीक्षा की। आधिकारिक जानकारी के अनुसार इस बैठक में राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष विजय सांपला, सरकारी बैंकों और सिडबी एवं नाबार्ड जैसी वित्तीय संस्थानों के प्रमुख के साथ ही केन्द्रीय वित्त राज्य मंत्री डॉ भगत किशनराव कराड और वित्तीय सेवाओं के सचिव भी मौजूद थे। सरकार ने अनुसूचित जातियों के कई कार्यक्रम शुरू किये हैं जिसमें स्टैंडअप इंडिया, क्रेडिट इन्हांसमेंट गांरटी स्कीम और वेंचर कैपिटल फंड आदि शामिल है। इन विशेष कार्यक्रमों के माध्यम से सरकार अनुसूचित जातियों के समग्र विकास पर जोर दे रही है।

मोटोवोल्ट ने पेश की अर्बन ई-बाइक

नयी दिल्ली। देश में तेजी से बढ़ रहे विद्युत वाहनों के बाजार में मोटोवोल्ट ने अपनी नयी अर्बन ई-बाइक को बाजार में उतारने की घोषणा की है। अर्बन ई-बाइक को एक बार चार्ज करने के बाद 120 किलोमीटर की दूरी तय की जा सकती है। जो अन्य ई-बाइकों के मुकाबले बहुत अधिक है।

मोटोवोल्ट मोबिलिटी प्राइवेट लिमिटेड के यहां आयोजित कार्यक्रम में अर्बन ई-बाइक का अनावरण लोकसभा सदस्य प्रवेश साहिब सिंह वर्मा और कंपनी के संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) तुषार चौधरी ने किया।

अर्बन की शुरुआती कीमत 49,999 रुपये है जिसे 999 रुपये में बुक किया जा सकता है। ग्राहक मोटोवोल्ट की वेबसाइट और 100 से ज्यादा स्टोरों से ई-बाइक को खरीद सकते हैं जिसमें ईएमआई का भी विकल्प है। अर्बन में 16एएच तथा 20 एएच की हटा सकने वाली (रिमोवल) बैटरी है जो 36 वॉल्ट की है। बैटरी को पूरा चार्ज करने में तकरीबन चार घंटों का वक्त लगता है। चालीस किलो वजनी इस ई-बाइक की अधिकतम रफ्तार 25 किलोमीटर

प्रतिघंटा है। अर्बन में स्टार्ट बटन के साथ हैंडल लॉक और अन्य फिचर्स दिए गए हैं। अर्बन ई-बाइक को बिना पंजीकरण एवं लाइसेंस के चलाया जा सकता है।

वर्मा ने कहा, देश में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) को बढ़ावा देने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। हमने इन वाहनों की खरीद को लेकर विभिन्न योजना एवं पहल के साथ उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजनाओं की शुरूआत की है। नयी कंपनियां जैसे मोटोवोल्ट का बाजार में ऐसे उत्पादों का लाना प्रशंसनीय है। वक्त की मांग है कि उत्सर्जन मुक्त, उचित मूल्य और एक सुरक्षित यातायात का विकल्प आने वाली पीढ़ी के लिए हो जिससे आसानी से यात्रा की जा सकी। उन्होंने कहा, अर्बन का अनावरण करते हुए एक नए उत्साह का अनुभव हो रहा है। मैं वादा करता हूं कि आने वाले संसद सत्र के पहले दिन अर्बन से जाऊंगा। हमारे सभी सांसदों को संसद में इलेक्ट्रिक वाहनों से जाना चाहिए जैसा कि ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री जाते हैं। इस कदम से वातावरण को बहुत लाभ होगा और युवाओं को प्रेरणा मिलेगी।

देश में केंद्र और राज्य सरकारें ई-वाहनों को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कदम उठा रही है। सार्वजनिक ई-वाहन के लिए चार्जिंग स्टेशन और बैटरी अदला-बदली(स्वैपिंग) स्टेशनों को स्थापित किया जा रहा है जिससे तय है कि वाहन क्षेत्र में आने वाला युग इलेक्ट्रिक वाहनों का होगा।

चौधरी ने यहां आयोजित कार्यक्रम में कहा कि अन्य ई-बाइकों के अलावा अर्बन बेहद अलग है जिसे विशेषतौर पर युवाओं के लिए ध्यान में रखकर बनाया गया है। इसका डिजाइन और निर्माण स्वदेश में वैश्विक बाजार के लिए किया गया है। इसकी आरामदायक सीट पर बिना थके लंबी यात्रा की जा सकती है। अर्बन अपनी प्रतिद्वंदी ई-बाइकों से अकांक्षापूर्ण, अलग, नवीनतम और खास है।

वैश्विक बाजार की तेजी के बावजूद सेंसेक्स और निफ्टी फिसले

मुंबई। वैश्विक बाजार की तेजी के बावजूद स्थानीय स्तर पर वित्तीय सेवाएं, यूटिलिटीज, बैंकिंग, धातु, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, पूंजीगत वस्तुएं और पावर समेत ग्यारह समूहों में हुई बिकवाली से आज सेंसेक्स और निफ्टी लगातार पांचवें दिन भी गिरकर बंद हुए।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 37.70 अंक फिसलकर 57107.52 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 8.90 अंक उतरकर 17007.40 अंक रहा गया। हालांकि बीएसई की मझौली और छोटी कंपनियों में हुई लिवाली ने बाजार को और अधिक गिरने से बचा लिया। मिडकैप 0.01 प्रतिशत बढ़कर 24,554.00 अंक और स्मॉलकैप 0.49 प्रतिशत की तेजी लेकर 27,990.87 अंक पर पहुंच गया।

इस दौरान बीएसई में कुल 3540 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 1868 में लिवाली जबकि 1539 में बिकवाली हुई वहीं 133 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह एनएसई में 28 कंपनियों में तेजी जबकि शेष 22 में नरमी रही।

बीएसई के 11 समूहों में बिकवाली का दबाव रहा। इससे कमोडिटीज 0.22, वित्तीय सेवाएं 0.56, इंडस्ट्रियल्स 0.39, यूटिलिटीज 0.59, ऑटो 0.34, बैंकिंग 0.78, पूंजीगत वस्तुएं 0.71, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.55, धातु 0.83, पावर 0.58 और रियल्टी समूह के शेयर 0.16 प्रतिशत टूट गए। वहीं, तेल एवं गैस 1.24, दूरसंचार 0.73, आईटी 0.67, टेक 0.75, हेल्थकेयर 0.69 और ऊर्जा समूह की 0.91 की तेजी से बाजार को बल मिला। इस दौरान अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर तेजी का रुख रहा। जर्मनी का डैक्स 0.34, जापान का निक्केई 0.53, हांगकांग का हैंगसेंग 0.03 और चीन का शंघाई कंपोजिट 1.40 प्रतिशत चढ़ गया जबकि ब्रिटेन के एफटीएसई में 0.36 की गिरावट रही।

कारोबार की शुरुआत में 231 अंक की तेजी लेकर 57,376.52 अंक पर खुला सेंसेक्स मजबूत लिवाली की बदौलत थोड़ी देर बाद ही 57,704.57 अंक के उच्चतम स्तर तक चढ़ गया। इसके बाद हुई बिकवाली से यह दोपहर से पहले ही 56,950.52 अंक के निचले स्तर तक लुढ़क गया। संभलने की कोशिशों के बावजूद अंत में यह पिछले दिवस के 57,145.22 अंक के मुकाबले 0.07 प्रतिशत फिसलकर 57,107.52 अंक पर रहा। इसी तरह निफ्टी भी 95 अंक मजबूत होकर 17,110.90 अंक पर खुला। सत्र के दौरान यह 17,176.45 अंक के उच्चतम जबकि 16,942.35 अंक के निचले स्तर पर भी रहा। अंत में पिछले सत्र के 17,016.30 अंक की तुलना में 0.05 प्रतिशत उतरकर 17,007.40 अंक पर रहा। इस दौरान सेंसेक्स की 12 कंपनियों के शेयर लाल जबकि शेष 18 के हरे निशान पर रहे। नुकसान उठाने वाली कंपनियों में टाटा स्टील 2.25, टाइटन 1.79, कोटक बैंक 1.52, एसबीआई 1.39, टेक महिंद्रा 1.08, आईसीआईसीआई बैंक 0.96, एचडीएफसी 0.83, एचडीएफसी बैंक 0.76, मारुति 0.66, एलटी 0.60, एक्सिस बैंक 0.20 और सन फार्मा 0.04 प्रतिशत शामिल है।

वहीं, पावरग्रिड 1.81, इंडसइंड बैंक 1.32, डॉ. रेड्डी 1.29, एचसीएल टेक 1.25, नेस्लेइंडिया 1.19, एशियन पेंट 0.94, इंफोसिस 0.90, विप्रो 0.86, टीसीएस 0.80, रिलायंस 0.75, भारती एयरटेल 0.72, आईटीसी 0.69, हिंदुस्तान यूनीलीवर 0.59, अल्ट्रासिमको 0.43, एनटीपीसी 0.35, बजाज फाइनेंस 0.21, बजाज फिनसर्व 0.13, महिंद्रा एंड महिंद्रा ने 0.04 प्रतिशत का लाभ कमाया।

प्रधानमंत्री एक अक्टूबर को करेंगे देश में 5 जी सेवा का शुभारंभ

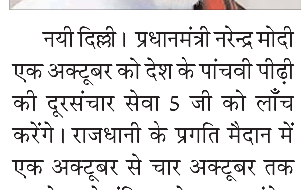
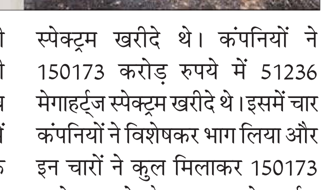

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एक अक्टूबर को देश के पांचवी पीढ़ी की दूरसंचार सेवा 5 जी को लाँच करेंगे। राजधानी के प्रगति मैदान में एक अक्टूबर से चार अक्टूबर तक चलने वाले इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी) के उद्घाटन के अवसर पर श्री मोदी इस सेवा को शुरू करने वाले हैं। हालांकि इस संबंध में आधिकारिक तौर पर कोई जानकारी नहीं दी गयी है लेकिन दूरसंचार मंत्रालय के सूत्रों का कहना है कि प्रधानमंत्री उस दिन देश में 5 जी इंटरनेट सेवा की शुरूआत कर सकते हैं। आईएमसी के उद्घाटन के अवसर पर संचार, इलेक्ट्रानिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव भी मौजूद रहेंगे। इसका आयोजन दूरसंचार विभाग और टेलीकॉम सेवायें देने वाली कंपनियों के शीर्ष संगठन सीओएआई मिलकर करता है। इस वर्ष आईएमसी का छठवां संस्करण है। उल्लेखनीय है कि गत एम अगस्त को संपन्न हुयी 5 जी स्पेक्ट्रम नीलामी में कंपनियों ने 1.50 लाख करोड़ रुपये से अधिक के स्पेक्ट्रम खरीदे थे। कंपनियों ने 150173 करोड़ रुपये में 51236 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम खरीदे थे। इसमें चार कंपनियों ने विशेषकर भाग लिया और इन चारों ने कुल मिलाकर 150173 करोड़ रुपये के 51236 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम खरीदे हैं। ये कंपनियां कर वर्ष 13365 करोड़ रुपये का भुगतान करेगी। स्पेक्ट्रम खरीदने वालों में अदाणी डेटा नेटवर्क, भारती एयरटेल, रिलायंस जियो और वोडाफोन आइडिया सेलुलर शामिल है। रिलायंस जियो ने सबसे अधिक 88078 करोड़ रुपये में 24740 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम लिया है।

भारती एयरटेल ने 48088 करोड़ में लिये 19867 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम, वोडाफोन आइडिया सेलुलर ने 18799 करोड़ रुपये में 6228 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम और अदाणी डेटा नेटवर्क ने 212 करोड़ रुपये में 400 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम लिया है। इसके तत्काल बाद कंपनियों ने 5 जी सेवा शुरू करने की तैयारियां शुरू कर दी और इसके लिए उपकरण आदि लगाने की शुरूआत कर दी थी।

सरसों और मूंगफली तेल के भाव चढ़े; मसूर और उड़द दाल सस्ती

नयी दिल्ली। विदेशी बाजार के मिलेजुले रुख के बीच मांग निकलने से सरसों तेल एवं मूंगफली तेल के भाव चढ़ गए जबकि मूसर दाल और उड़द दाल सस्ती हो गई।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का अक्टूबर वायदा 17 रिंगिट फिसलकर 3464 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। वहीं, इस दौरान अमेरिकी सोया तेल का अक्टूबर वायदा 0.37 सेंट की बढ़त लेकर 62.83 सेंट प्रति पौंड हो गया। इस दौरान सरसों तेल 72 रुपये और मूंगफली तेल 146 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हो गया। वहीं, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पुराने स्तर पर टिके रहे।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव स्थिर रहे।

दाल-दलहन : दाल-दलहन के बाजार में मिलाजुला रुख रहा। इस दौरान मसूर दाल 100 रुपये और उड़द दाल 100 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हो गई। वहीं, चना, चना दाल, मूंग दाल, और अरहर दाल के भाव पड़े रहे।

अनाज : अनाज मंडी में भी टिकाव रहा। इस दौरान गेहूं और चावल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

दाल-दलहन : चना 4500-4600, दाल चना 5500-5600, मसूर काली 8200-8300, मूंग दाल 8100-8200, उड़द दाल 10300-10400, अरहर दाल 9500-9600 रुपये प्रति क्विंटल रहे।

शार्ट न्यूज

ममता, मोना की तिकड़ियों से हॉप्स की बड़ी जीत

नयी दिल्ली, । पहली महिला प्रीमियर लीग में तेज रफ्तार से दौड़ रहे हॉप्स फुटबाल क्लब ने मंगलवार को यहां नेहरू स्टेडियम पर खेले गए एकतरफ़ा मुकाबले में गढ़वाल एफसी को 7–2 से हरा कर पूरे अंक अर्जित किये। मैच की श्रेष्ठ खिलाड़ी ममता ने हॉप्स के लिये चार बेहतरीन गोल जमाये, जबकि मोना ने तीन गोल किये। गढ़वाल के गोल सांफिडा नोंग्रुम और दीपिका पाल के नाम रहे। दिन के दूसरे मैच में अहबाब ने ईमी हीरोज़ फुटबॉल क्लब को 6–1 से पराजित किया। विजेता टीम के लिए प्रतिज्ञा क्षेत्री ने दो गोल किये जबकि देबीका रोजाना, रेनू और अंजलि ने एक–एक गोल बांटे। ईमी का एकमात्र गोल सविता ने किया। पुरुषों की प्रीमियर लीग में भारतीय वायुसेना ने रेंजर्स एफसी को 3 –2 से हराकर पूरे अंक अर्जित किए। विजेता टीम के 19 मैचों में 28 अंक हैं और रेंजर्स ने 20 मैचों में 25 अंकों के साथ लीग का समापन किया।

जालंधर : शहीद भगत सिंह की 115वीं जयंती पर हॉकी मैच का आयोजन

जालंधर। शहीद–ए–आजम भगत सिंह की 115वीं जयंती के उपलक्ष्य में बुधवार, 28 सितंबर को यहां बाल्टर्न पार्क के स्थानीय सुरजीत हॉकी स्टेडियम में हॉकी मैच खेला जाएगा। सुरजीत हॉकी सोसायटी के अध्यक्ष जिला उपायुक्त जसप्रीत सिंह ने मंगलवार को बताया कि वह जिला प्रशासन के साथ मिलकर पंजाब एंड सिंध बैंक और सुरजीत हॉकी अकादमी के बीच बुधवार को प्रदर्शनी हॉकी मैच का आयोजन करेंगे। सिक्स–ए–साइड एस्ट्रोटर्फ सुरजीत हॉकी स्टेडियम में यह मैच शाम 5.45 बजे शुरू होगा। जसप्रीत सिंह ने कहा कि इस मौके पर जिले में 14 साल के आयु वर्ग में खेडां वतन पंजाब दियां–2022 में रजत पदक जीतने वाले सुरजीत हॉकी अकादमी के खिलाड़ी को भी सम्मानित किया जाएगा।

पुरुष हॉकी विश्व कप 2023 : भारत का पहला मुकाबला स्पेन से

लुसाने (स्विट्जरलैंड)। हॉकी पुरुष विश्व कप ओडिशा 2023 में भारत का पहला मैच 13 जनवरी 2023 को स्पेन के खिलाफ होगा। अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एफआईएच ने बताया कि यह मैच राउरकेला के नवनिर्मित बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में खेला जाएगा। टूर्नामेंट की शुरुआत 13 जनवरी को ही ओलंपिक 2016 की स्वर्ण पदक विजेता अर्जेंटीना और अफ्रीका की सर्वोच्च रैंकिंग वाली टीम दक्षिण अफ्रीका के बीच उद्घाटन मैच के साथ होगी, जो भुवनेश्वर के कलिंग स्टेडियम में खेला जाएगा। इस स्टेडियम ने पुरुष विश्व कप 2018 के फाइनल की मेजबानी भी की थी। महासंघ ने बताया कि भुवनेश्वर में दिन का दूसरा मैच दुनिया की नंबर एक टीम ऑस्ट्रेलिया और फ्रांस के बीच होगा। दूसरी ओर, राउरकेला का नवनिर्मित बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम अपने पहले एफआईएच विश्व कप मैच की मेजबानी करेगा, जिसमें इंग्लैंड और वेल्स एक दूसरे से भिड़ेंगे। दिन के दूसरे मुकाबले में भारत और स्पेन आमने सामने होंगे। टूर्नामेंट में कुल 44 मैच खेले जाएंगे। फाइनल मुकाबला 29 जनवरी को स्थानीय समयानुसार शाम सात बजे भुवनेश्वर में खेला जाएगा।

शेखावाटी किंग्स ने रोमाचंक मुकाबले में मेवाड़ मॉन्क्स को दो अंक से दी मात

जयपुर। राजस्थान की गुलाबी नगरी जयपुर में एटलेंचर स्पोर्टस द्वारा आयोजित केईआई रियल कबड्डी लीग के सीजन 2 छठे दिन हुए मुकाबलों में शेखावाटी किंग्स ने रोमाचंक मुकाबले में मेवाड़ मॉन्क्स को केवल दो अंक से मात दी जबकि जोधाना वारियर्स ने अरावली ईगल्स को तीन अंक एवं चंबल पाइरेट्स ने जयपुर जगुआर को पांच अंको से हराया वहीं सिहं सूरमा ने बिकाना राइडर्स को करारी शिकस्त दी। सोमवार को हुए पहले मुकाबले में चंबल पाइरेट्स और जयपुर जगुआर के बीच रोमांच और कांटे का खेल देखने को मिला जिसमें चंबल ने जयपुर को पांच अंकों से हरा दिया। मैच का फाइनल स्कोर चंबल 40 और जयपुर 35 अंक रहा। अजय मैन ऑफ द मैच रहे। दूसरे मैच में शेखावाटी किंग्स और मेवाड़ मॉन्क्स के बीच हुए जबरदस्त मुकाबले के शुरुआत से ही दोनो टीमें एक दूसरे पर भारी पड़ने की कोशिश करती दिखी। जिसमें शेखावाटी ने मेवाड को दो अंको से हराया। शेखावाटी टीम के लक्ष्य मैन ऑफ द मैच रहे। मैच का अंतिम स्कोर शेखावाटी 42 और मेवाड़ 44 अंक रहा। तीसरे मैच में जोधाना वारियर्स और अरावली ईगल्स के बीच हुए मुकाबले में आक्रामक खेल देखने को मिला। दोनो टीमों ने अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन से शानदार नमूना पेश करते हुए मुकाबले के अंत तक सबको बांधे रखा। मुकाबले में जोधाना वारियर्स ने तीसरी जीत के साथ अरावली ईगल्स को करारी शिकस्त देते हुए तीन अंकों से मुकाबला जीत लिया। मैच का फाइनल स्कोर जोधाना वारियर्स 37 और अरावली ईगल्स 34 अंक रहा। मैच में जोधाना के दिनेश मैन ऑफ द मैच रहे।

शुभमन गिल ने बल्ले से मचाया धमाल, काउंटी क्रिकेट में ठोकी अपनी पहली सेंचुरी

नई दिल्ली। भारतीय बल्लेबाज शुभमन गिल ने काउंटी क्रिकेट में अपनी पहली सेंचुरी जड़ दी है। गिल ने मंगलवार को इंग्लैंड के होव में ग्लेमोर्गन के लिए खेलते हुए ससेक्स के खिलाफ 119 रन की शानदार शतकीय पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी के दौरान 16 चौके और दो छक्के लगाए। काउंटी चैंपियनशिप डिविजन दो में उनका पहला शतक है। गिल ने सुबह 91 रन से अपनी पारी आगे बढ़ाई और दूसरे दिन के आठवें ओवर में बाएं हाथ के तेज गेंदबाज सीन हंट पर दो रन लेकर अपने प्रथम श्रेणी करियर का आठवां शतक पूरा किया। 23 वर्षीय भारतीय बल्लेबाज ने ऑफ स्पिनर जैक कार्सन की गेंद पर कैच थमाने से पहले 139 गेंदें खेली तथा 16 चौके और दो छक्के लगाए। ग्लेमोर्गन के टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी के लिए उतरने पर गिल तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए। उनकी शानदार पारी से ग्लेमोर्गन ने पहले दिन तीन विकेट पर 221 रन बनाए थे। गिल जब आउट हुए तो उसका स्कोर पांच विकेट पर 277 रन था। गिल का यह काउंटी चैंपियनशिप में तीसरा मैच है। उन्होंने पहले मैच में वारेस्टरशर के खिलाफ 92 रन बनाए थे। हालांकि वो मैच ड्रॉ रहा था। इसके अलावा वह मिडिलसेक्स के खिलाफ दूसरे मैच में वह 22 और 11 रन ही बना पाए थे।

दीप्ति के दावों पर सवाल उठाने को लेकर जेसन गिलेस्पी ने माइकल वॉन, हीथर नाइट को दिया मुंहतोड़ जवाब

नई दिल्ली। क्रिकेट में मांकडिंग नाम का जिन्न एक बार फिर से बाहर निकल आया है और इस पर खूब चर्चा भी हो रही है। इसकी खास वजह भारतीय ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा का इंग्लैंड की बल्लेबाज चार्ली डीन को नॉन स्ट्राइक एंड पर किया गया रन आउट है। दीप्ति ने लॉर्ड्स में पिछले सप्ताह चार्ली डीन के क्रीज से बाहर आने पर नॉन–स्ट्राइकर एंड पर स्टंप्स गिरा दिए थे और फिर एक बार मांकडिंग पर बहस शुरू हो गई। इस बहस में अब ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज जेसन गिलेस्पी भी कूद पड़े हैं। गिलेस्पी ने भारतीय ऑलराउंडर दीप्ति का समर्थन करते हुए कहा है कि नियम में कहीं भी इस बात का उल्लेख नहीं किया गया है कि बल्लेबाज को चेतावनी देने की जरूरत है। दीप्ति ने भारत लौटने के बाद खुलासा करते हुए कहा था कि उन्होंने बल्लेबाज को चेतावनी दी थी क्योंकि वह बार–बार ऐसा कर रही थी। हालांकि इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हीथर नाइट ने दीप्ति के दावों को खारिज करते हुए कहा कि भारतीय ऑलराउंडर ने एक बार भी चेतावनी नहीं दी थी। इंग्लैंड मेंस टीम के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने भी हीथर नाइट का समर्थन किया है। गिलेस्पी ने अब माइकल वॉन और हीथर नाइट को आड़े हाथों लेते हुए ट्वीट करते हुए लिखा, सॉरी–कानूनों में ऐसा कुछ भी नहीं है जो कहता है कि नॉन स्ट्राइक एंड पर बल्लेबाज को चेतावनी देने की जरूरत है।

दक्षिण अफ्रीका टी20 श्रृंखला से बाहर हो सकते हैं शमी

मुंबई। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी कोरोनावायरस के कारण ऑस्ट्रेलियाई श्रृंखला के बाद दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली टी20 श्रृंखला से भी बाहर हो सकते हैं। क्रिकबज़ ने सूत्रों के हवाले से सोमवार को यह जानकारी दी।

तीन मैचों की टी20 श्रृंखला से बाहर होने वालों में दूसरा नाम दीपक हुड्डा का है, जो पीठ की चोट के कारण टीम का हिस्सा नहीं बन पायेंगे और चिकित्सीय सहायता के लिये बेंगलुरु की राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) रवाना होंगे।

सूत्रों के अनुसार हरफनमौला शाहबाज़ अहमद और श्रेयस अय्यर को 15–सदस्यीय स्क्वाड में शामिल किया गया है, हालांकि बीसीसीआई की ओर से फिलहाल कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

क्रिकबज़ ने सोमवार को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सूत्रों के हवाले से कहा कि शमी पूरी तरह कोरोना से नहीं उभरे हैं।

भारत के अनुभवी तेज गेंदबाज ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मंगलवार, 20 सितंबर को मोहाली में खेले गये पहले टी20 से पूर्व कोरोना संक्रमित हुए थे जिसकी वजह से वह तीन मैचों की श्रृंखला में नहीं खेल सके।

क्रिकबज़ ने बताया कि शमी वायरस से न उभर पाने के कारण भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच बुधवार, 28 सितंबर से शुरू होने वाली टी20 श्रृंखला से भी बाहर हो सकते हैं।

उल्लेखनीय है कि शमी ने पहले टी20 के लिए भारतीय टीम के साथ तिरुवनंतपुरम की यात्रा नहीं की है, जबकि शमी की जगह ऑस्ट्रेलियाई श्रृंखला में शामिल किये गये उमेश यादव वहां पहुंचे हैं। प्रोटियाज टीम रविवार से ही केरल में है।

क्रिकबज ने सूत्रों के हवाले से कहा, उनके (शमी के) पूरी तरह से फिट होने में लगने वाले समय के बारे में कोई चिकित्सीय सूचना नहीं है, लेकिन फिलहाल आसार अच्छे नहीं लग रहे हैं।

शमी विश्व कप के लिए चार अतिरिक्त खिलाड़ियों में शामिल हैं। उन्होंने संयुक्त अरब अमीरात में पिछले साल हुए विश्व कप के बाद कोई टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है। उनका आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच जुलाई में इंग्लैंड के खिलाफ खेला गया एकदिवसीय था। इसी बीच, सूत्रों ने बताया कि दीपक हुड्डा भी पीठ की चोट के कारण इस श्रृंखला से बाहर हो गये हैं।

पीठ की चोट के कारण हुड्डा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले गये तीसरे टी20 के लिए उपलब्ध नहीं थे। बीसीसीआई ने रविवार को बयान जारी करके इसकी पुष्टि की थी।

नयी सूचना के अनुसार हुड्डा की चोट पर एनसीए के चिकित्सा कर्मियों को ध्यान देने की आवश्यकता हो सकती है। उन्होंने तिरुवनंतपुरम की यात्रा भी नहीं की है और उनकी जगह श्रेयस अय्यर को टीम में शामिल किया जा सकता है। विश्व कप टीम में कोई बदलाव होगा या नहीं, इसकी तत्काल कोई जानकारी नहीं है। इंदौर में चार अक्टूबर को साउथ अफ्रीका टी20 सीरीज खत्म होने के बाद भारतीय टीम छह अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना होगी। विश्व कप 16 अक्टूबर से शुरू हो रहा है लेकिन भारत का पहला मैच 23 अक्टूबर को पाकिस्तान के खिलाफ है। दक्षिण अफ्रीका टी20 श्रृंखला के लिए भारतीय टीम~रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल (उप–कप्तान), विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), दिनेश कार्तिक (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, युजवेंद्र चहल, अक्षर पटेल, अर्शदीप सिंह, हर्षल पटेल, दीपक चाहर, जसप्रीत बुमराह, उमेश यादव और श्रेयस अय्यर (संभावित)।

हॉकी ओलंपिक में भारत को पदक जिताना चाहती हूँ : उपासना

एजेंसी

बेंगलुरु। हॉकी जगत में बड़ी छलांगें लगाने वाली भारत की युवा मिडफील्डर उपासना सिंह ने मंगलवार को खुलासा किया कि वह हॉकी से पहले क्रिकेट खेला करती थीं और अब वह हॉकी ओलंपिक में देश को पदक जिताना चाहती हूँ।

उपासना ने कहा, मैं हमेशा से खेलों में रुचि रखती थी। मैंने क्रिकेट से शुरुआत की थी, लेकिन अपने कोच की सलाह पर हॉकी का रुख किया। उन्होंने कहा कि युवावस्था में हॉकी खेलते हुए उन्हें चोट लगी थी जिससे वह हॉकी खेलने के लिये और अधिक तत्पर हो गयीं। उपासना ने महज 11 साल की उम्र से हॉकी खेलने शुरू कर दिया था। उन्होंने कहा कि हॉकी खेलते हुए मुझे कई बार चोट लगी और मैं हार नहीं मानी और दृढता और समर्पण भावना के साथ हॉकी खेलने का फैसला किया।

उपासना के इस फैसले को उनके माता–पिता का समर्थन मिला, लेकिन उनके पड़ोसियों ने हॉकी खेलने के उनके फैसले पर सवाल उठाया था। उन्होंने बताया कि जब मैने हॉकी खेलनी शुरू की तो हमारे आसपास के लोग महिला हॉकी के बारे में नहीं जानते थे। आज स्थिति पूरी तरह से बदल गयी है। पिछले दशक में हमारी टीम के प्रदर्शन और हमारी उपलब्धियों की बदौलत हॉकी एक प्रसिद्ध खेल बन गया है। यहां तक कि मेरे परिवार के सदस्य भी अब चाहते हैं कि बेटियां हॉकी खिलाड़ी बनें।

उपासना अपने हॉकी के सफर को आगे बढ़ाते हुए 2013 में मध्य प्रदेश हॉकी अकादमी चली गयीं और इसी साल जूनियर नेशनल करियर की शुरुआत की। उन्होंने अपनी टीम को रजत पदक जीतने में मदद भी की। इसके बाद उपासना ने 2016 में सीनियर राष्ट्रीय में पदार्पण किया और एक बार फिर रजत पदक विजेता टीम का हिस्सा रहीं। मध्य प्रदेश की 21 वर्षीय मिडफील्डर ने कहा, मैं उस समय काफी छोटी थी।

स्वीडन अंडर-17 महिलाओं ने भारत को 3-1 से हराया

गिरोना (स्पेन)। स्वीडन अंडर–17 महिला फुटबॉल टीम ने फीफा अंडर–17 महिला विश्व कप से पहले आयोजित अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच में सोमवार को एकतरफा मुकाबले में भारत को 3–1 से मात दी। स्वीडन की ओर से आइडा ग्रामफोर्स (44वां मिनट), सारा फिरग्रेन (47वां मिनट) और सेलमा एस्ट्रोम (54वां मिनट) ने गोल किये। सुधा टिर्की ने 62वें मिनट में भारत का सांत्वना गोल जमाया। ग्रामफोर्स ने यहां टोरेमिरोना रिलाइस में खेले गये मैच का पहला हाफ समाप्त होने से पूर्व कॉर्नर को गोल में तब्दील करके अपनी टीम को बढ़त दिलायी। फिरग्रेन ने हाफ टाइम के ठीक दो मिनट बाद एक और गोल जमाकर स्वीडन की बढ़त दोगुनी की। फिरग्रेन के क्रॉस की बदौलत एस्ट्रोम ने भी 54वें मिनट गोल किया। सुधा ने इसके बाद कप्तान अस्तम ओराओन की सहायता से भारत के लिये गोल दागा लेकिन यह केवल हार के अंतर को ही कम कर सका।

दक्षिण अफ्रीका का अजेय रथ रोकना चाहेंगे रोहित

तिरुवनन्तपुरम। भारतीय क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक सफल अभियान के बाद बुधवार को अजेय दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की टी20 श्रृंखला की शुरुआत करेंगे। दक्षिण अफ्रीका ने कभी भी भारत में टी20 श्रृंखला नहीं हारी है, लेकिन कंगारुओं को 2–1 से हराने के बाद रोहित के रणबांकुरे इस सिलसिले को समाप्त करना चाहेंगे।

भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा, लोकेश राहुल और विराट कोहली के बल्ले से निकले रन अगले महीने होने वाले विश्व कप से पहले बहुमूल्य हैं। सूर्यकुमार यादव ने भी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों में एक अर्द्धशतक से साथ 115 रन बनाये, और इन चारों बल्लेबाजों से यहां भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है।

अग्रणी ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या को आराम देकर इस श्रृंखला के लिये दीपक हुड्डा को टीम में शामिल किया गया था, लेकिन उनकी पीठ में चोट लगने के कारण अंततः शाहबाज़ अहमद को टीम में रखा गया है। शाहबाज के खेलने पर हालांकि संशय बना हुआ है क्योंकि वह अगले महीने टी20 विश्व कप के लिये ऑस्ट्रेलिया जाने वाली टीम का हिस्सा नहीं हैं।

विश्व कप टीम के अतिरिक्त खिलाड़ियों में शामिल मोहम्मद शमी कोरोना से न उभर पाने के कारण ऑस्ट्रेलिया के बाद दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 से भी बाहर रह सकते हैं। यदि ऐसा होता है उन्हें विश्व कप से पहले मैदान पर समय नहीं मिल सकेगा।

जसप्रीत बुमराह और हर्षल पटेल हालांकि इस सीरीज में खेलेंगे और उन्हें टी20 विश्व कप से पहले मैदान पर पर्याप्त समय मिलेगा। चोट से लौटकर आये बुमराह और हर्षल का प्रदर्शन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विस्मरणीय रहा था। बुमराह ने दो मैच खेलकर छह ओवर में 72 रन दिये और एक विकेट झटका जबकि हर्षल ने तीन मैचों में आठ ओवर डालकर 99 रन देकर केवल एक विकेट झटका। दक्षिण अफ्रीका इससे पहले जून में भी टी20 श्रृंखला के लिये भारत आयी थी, जब पांच मैचों की सीरीज 2–2 पर समाप्त हुई। दूसरी ओर, प्रोटियाज टीम की गेंदबाजी कागिसो रबाडा, आनरिक नॉर्खेया और तबरेज़ शम्सी की उपस्थिति में बेहद मजबूत है। पिछली सात पारियों में 223 रन बनाने वाले रीज़ा हेंड्रिक्स और इतनी ही पारियों में 202 रन बनाने वाले हेनरिक क्लासेन के साथ दक्षिण अफ्रीका यह श्रृंखला कब्जाने की प्रबल दावेदार है।

रूस में जासूसी के आरोप में जापानी राजनयिक गिरफ्तार, आंखों पर पट्टी बांधकर हुई पूछताछ; भड़का जापान

टोक्यो। रूस ने एक जापानी राजनयिक को संवेदनशील जानकारी हासिल करने की कोशिश के आरोप में हिरासत में लिया है। वहीं, जापान ने जासूसी के आरोपों को खारिज कर दिया है। साथ ही रूसी अधिकारियों पर अपमानजनक तरीके से पूछताछ करने का आरोप लगाया और रूस से मामले में माफी की मांग की है।

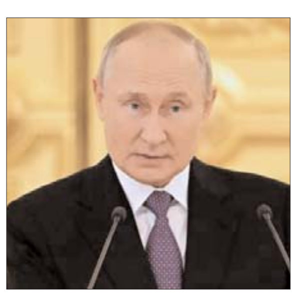

रूस की एजेंसियों ने एफएसबी के हवाले से एक खबर में कहा था, %पैसे लेकर संवेदनशील जानकारी लेते हुए जापान के राजनयिक को रंगे हाथों पकड़ा गया है। वह रूस के बारे में ऐसी जानकारी हासिल कर रहा था, जिसे एशिया–प्रशांत क्षेत्र में किसी अन्य देश के साथ साझा करने पर रोक है। रूस की संघीय सुरक्षा सेवा (एफएसबी) ने आरोप लगाया कि व्लादिवोस्तोक में पदस्थ वाणिज्य दूत मोतोकी तत्सुनोरी ने पश्चिमी प्रतिबंधों के प्रभाव से जुड़ी जानकारी भी हासिल करने की कोशिश की।

जापान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि एक अधिकारी को 22 सितंबर को हिरासत में लिया गया था और उसकी आंखों पर पट्टी बांधकर पूछताछ की गई थी। उनके साथ बदसलूकी की गई और हम इसका विरोध करते हुए माफी की मांग करते हैं। वहीं, रूस के विदेश मंत्रालय ने सोमवार को मॉस्को में जापान के दूतावास को सूचना दी थी कि अधिकारी को अवांछित व्यक्ति घोषित किया गया है और गैरकानूनी जासूसी गतिविधियों में लिप्त होने के चलते उसे 48 घंटे में देश छोड़ने को कहा गया है।

रूसी राजदूत को तलब कर घटना पर जताया विरोध

जापान के मुख्य कैबिनेट सचिव हिरोकाजु मात्सुनो ने कहा कि रूस की कार्रवाई पूरी तरह से आधारहीन है। मात्सुनो ने बताया कि जापान के उप विदेश मंत्री ताकियो मोरी ने रूसी राजदूत को तलब कर इस घटना पर कड़ा विरोध जताया।

उन्होंने रूस की सरकार से घटना पर औपचारिक माफी और ऐसी घटना दोबारा ना हो इसके लिए कदम उठाने की मांग की है।

गौरतलब है कि रूस के 24 फरवरी को यूक्रेन में सैन्य कार्रवाई शुरू करने के खिलाफ जापान के रूप पर प्रतिबंध लगाने के बाद से उसने कई बार जापान को शत्रु देश बताया है। अमेरिका, यूरोपीय संघ के देशों और उनके पश्चिमी सहयोगियों को भी रूस यही कहता है।

भारत के फैसले का सिंगापुर के होटलों पर असर, महंगी हो गई रोटी

सिंगापुर। भारत में गेहूं निर्यात पर मई से प्रतिबंध लागू होने का असर सिंगापुर के भोजनालयों में दिखाई दे रहा है। मंगलवार को प्रकाशित एक मीडिया रिपोर्ट में कहा गया कि खासतौर से रोटी पसंद करने वाले पंजाबी समुदाय को इसकी कीमत चुकानी पड़ रही है। सुपरमार्केट चेन फेयरप्राइस ने कहा कि पिछले कुछ हफ्तों में मांग बढ़ने के कारण गेहूं के आटे की आपूर्ति कम रही है। भारत में गेहूं और आटे के निर्यात पर प्रतिबंध के कारण ये स्थिति हो सकती है। द स्ट्रेट्स टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार फेयरप्राइस के सप्लायर अब श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और अमेरिका जैसे विभिन्न देशों से गेहूं का आटा मंगवा रहे हैं। यहां के एक प्रमुख भोजनालय – शकुंतला के प्रबंध निदेशक मथवन आदि बालकृष्णन ने कहा, आटे की कमी हमारे व्यापार को बुरी तरह प्रभावित करेगी। हम अपने ग्राहकों पर लागत का पूरा बोझ नहीं डाल सकते। हमें कीमतों को कम रखने की कोशिश करनी होगी। उन्होंने बताया कि रेस्टोरेंट को भारत से गेहूं के आटे के लिए पांच सिंगापुर डॉलर प्रति किलो का भुगतान करना पड़ता था।

भारत आपको याद कर रहा है शिंजो आबे, जापान में दोस्त का जिक्र कर भावुक हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

एजेंसी

टोक्यो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टोक्यो में अपने जापानी समकक्ष फुमियो किशिदा से मंगलवार को मुलाकात की। प्रधानमंत्री मोदी जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे के राजकीय अंतिम संस्कार में हिस्सा लेने के लिए टोक्यो पहुंचे हैं। पीएम मोदी ने शिंजो आबे को याद किया। इस मौके पर मोदी ने किशिदा से कहा कि मुझे विश्वास है कि आपके नेतृत्व में भारत–जापान के संबंध और प्रगाढ़ होंगे और नई ऊंचाई हासिल करेंगे। वहीं, किशिदा ने आबे के राजकीय अंतिम संस्कार में आने को लेकर मोदी का आभार व्यक्त किया।

पिछली यात्रा की याद

आबे के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध रखने वाले मोदी ने कहा कि मैं पूर्व प्रधानमंत्री आबे के आकस्मिक निधन से बेहद दुखी हूं..उन्होंने भारत–जापान संबंधों को एक ऊंचे मुकाम पर पहुंचाया और कई क्षेत्रों में संबंधों का विस्तार भी किया।

मोदी ने अपनी पिछली जापान यात्रा

को याद करते हुए कहा कि उस दौरान उनकी आबे के साथ लंबी बातचीत की थी। उन्होंने कहा कि भारत आपको याद कर रहा है शिंजो आबे। गौरतलब है कि आबे (67) की आठ जुलाई को उस समय गोली मारकर हत्या कर दी गई थी, जब वह दक्षिणी जापानी शहर नारा में चुनाव प्रचार के दौरान एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

कई द्विपक्षीय मुद्दों पर बात

किशिदा के साथ मुलाकात के दौरान मोदी ने द्विपक्षीय साझेदारी को मजबूत करने के साथ–साथ एक मुक्त, खुले व समावेशी हिंद–प्रशांत क्षेत्र के लिए आबे के योगदान को याद किया। इस दौरान दोनों नेताओं ने भारत और जापान की विशेष रणनीतिक व वैश्विक साझेदारी को और मजबूत करने और क्षेत्र में तथा विभिन्न अंतरराष्ट्रीय समूहों व संस्थानों में एक साथ काम करने को लेकर अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट किया कि प्रधानमंत्री किशिदा के साथ सार्थक बैठक की। कई द्विपक्षीय मुद्दों पर बातचीत की। पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे के निधन पर संवेदना भी व्यक्त की।

सीरिया के तट पर प्रवासी जहाज के डूबने की घटना में मृतकों का आंकड़ा 100 हुआ

काहिरा। सीरिया में टार्टस प्रांत के तट पर एक प्रवासी जहाज के दुर्घटनाग्रस्त होने से मृतकों की संख्या बढ़कर 100 हो गयी है। सीरियाई बंदरगाह प्राधिकरण के प्रमुख समीर कब्रासली ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सरकारी समाचार एजेंसी सना ने श्री कब्रासली के हवाले से अपनी रिपोर्ट में बताया कि आपातकालीन सेवाओं को टार्टस तट के पास जहाज के मलबे से 100 शव बरामद हो चुके हैं। कब्रासली ने कहा कि लेबनानी अधिकारियों ने प्रवासियों के साथ लापता हुए जहाज के बारे में दमिश्क को चेतावनी नहीं दी थी और दुर्घटना होने के बाद ही सीरियाई अधिकारियों से संपर्क किया था।यह जहाज पिछले हफ्ते लेबनान से साइप्रस के लिए रवाना हुआ था, जिसमें सीरियाई, लेबनानी और फिलिस्तीनी नागरिकों के साथ–साथ अज्ञात नागरिकता वाले लोग भी शामिल थे। एक जीवित बचाए गए व्यक्ति के अनुसार जहाज में लगभग 150 यात्री सवार थे।

त्रिपुरा : जापान ने संचार प्रणाली में सहयोग में दिलचस्पी दिखाई

अगरतला। त्रिपुरा के सूचना मंत्री सुशांत चौधरी ने मंगलवार को कहा कि जापान ने त्रिपुरा में संचार प्रणाली का विकास करने में सहयोग की इच्छा व्यक्त की है। चौधरी ने कहा कि नयी दिल्ली में जापान उच्चायोग की द्वितीय सचिव, मारी सकाई सोमवार को अपनी त्रिपुरा यात्रा के दौरान उनके साथ कई मुद्दों पर बातचीत की। जापानी राजनयिक राज्य में निवेश की संभावनाओं का पता लगाने और राज्य के विकास में सहयोग को बढ़ावा देने के लिए यहां आयी थीं। उन्होंने कहा, उन्होंने राज्य में बेहतर संचार नेटवर्क के लिए सहयोग में दिलचस्पी दिखाई, जिसकी आवश्यकता राज्य को भी है। हालांकि चर्चा बहुत ही शुरुआती स्तर पर हुई और निश्चित रूप से परियोजना को अंतिम रूप राज्य सरकार द्वारा प्रस्ताव के अनुसार और केंद्र सरकार की मंजूरी के बाद दिया जाएगा।

यूरोपीय संघ ने मंकीपॉक्स के खिलाफ अतिरिक्त वैक्सीन खुराक खरीदी

ब्रुसेल्स। यूरोपीय आयोग ने कहा है कि यूरोपीय संघ (ईयू) के देशों में मंकीपॉक्स के मामलों की घटती संख्या के बावजूद 10 हजार से अधिक टीकोविरिमैट टीके हासिल किया गया है। इस बीच, संकट प्रबंधन आयुक्त जेनेज़ लेनार्सिक ने कहा, मंकीपॉक्स का खतरा कोरोना महामारी जैसी पूर्ववत महामारियों की ही तरह है। मंकीपॉक्स वायरस से बचाव के लिए बनाई गईं, ये डोज हमारे नागरिकों के लिए एक अतिरिक्त स्तर की सुरक्षा प्रदान करेंगे और यह डोज संक्रमित व्यक्तियों तक सबसे पहले पहुंचायी जाएगी। आयोग ने सोमवार को कहा कि सदस्य देशों में तत्काल जरूरतों वाले रोगियों के इलाज के लिए स्वास्थ्य आपातकालीन तैयारी और प्रतिक्रिया प्राधिकरण द्वारा खरीद को वित्त पोषित किया गया। यूरोपीय स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा आयुक्त स्टेला क्यारीकाइड्स ने कहा कि यूरोपीय संघ के देशों में मंकीपॉक्स के मामले जरूर कम हुए लेकिन खतरा अभी भी है, इसलिए इस महामारी से बचाव का खास इंतजाम होना चाहिए।

श्रीलंका की निजी विमान कंपनी अक्टूबर में करेगी

कोलंबो। श्रीलंका की निजी विमान कंपनी फिट्सएयर अक्तूबर में अंतरराष्ट्रीय यात्री उड़ान की शुरूआत करेगी जिससे यहां विदेशी पर्यटकों के आगमन में बढ़ोत्तरी होने की उम्मीद है। स्थानीय मीडिया ने हवाई कंपनी के बयान के हवाले से कहा कि निजी स्वामित्व वाली निवेश समूह एबरडीन होल्डिंग्स जिसका मुख्यालय कोलंबो में है, के अंतर्गत यह फिट्सएयर विमान कंपनी 5 अक्टूबर को अपनी पहली अंतरराष्ट्रीय उड़ान शुरू करेगी जो कोलंबो से संयुक्त अरब अमीरात के दुबई के लिए होगी। मालदीव की राजधानी माले के लिए उसकी उड़ान सेवा 10 अक्टूबर से शुरू होगी और भारत के त्रिची के लिए 28 अक्टूबर से। अंतरराष्ट्रीय यात्री उड़ानों की शुरूआत करके, फिट्सएयर श्रीलंका का पहला निजी अनुसूचीबद्ध अंतरराष्ट्रीय यात्री वाहक बन जाएगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

कॅरियर गाइडेंस देश व दुनिया में आज हेल्थ सेक्टर का जितना विस्तार हो रहा है, उसे देखते हुए कहा जा सकता है कि आगे चलकर काबिल फिजियोथेरेपी की मांग और बढ़ेगी। फिजियोथैरेपी विज्ञान की ऐसी विधा है जिसके अंतर्गत शारीरिक व्यायाम के जरिए व्यक्ति के रोगों व व्याधियों का उपचार किया जाता है।

फिजियोथैरेपी

वक्त की मांग

फिजियोथैरेपिस्ट का काम रोगियों में किसी बीमारी, चोट, अक्षमता या बढ़ती उम्र की वजह से उपजी शारीरिक व्याधियों का उपचार करना है। आज लोग बीमारी के उपचार के लिए समग्र नजरिया अपनाने लगे हैं। इसकी वजह से दुनिया भर में फिजियोथैरेपिस्ट्स की मांग में तेजी से इजाफा हुआ है।

काम का दायरा

फिजियोथैरेपिस्ट्स अस्पतालों, विकलांगों की लिए बने पुनर्वास केन्द्रों, स्वास्थ्य केन्द्रों, शारीरिक व मानसिक रूप से अक्षम व्यक्तियों के लिए बने स्कूलों, स्वास्थ्य संगठनों के

अलावा डिफेंस मेडिकल प्रतिष्ठानों और स्पोर्ट्स क्लबों में भी अपनी सेवाएं देते है। इंजुरी व फैक्चर्स, जोड़ों के दर्द, खिंचाव, मोच, स्ट्रोक्स के उपचार में काबिल फिजियोथैरेपिस्ट की सेवाएं कारगर साबित होती हैं।

बढ़ती मांग

आज जिस तरह के अत्याधुनिक अस्पताल, स्वास्थ्य केन्द्र व क्लीनिक्स खुल रहे हैं और हेल्थ सेक्टर का विस्तार हो रहा है, उसे देखते हुए कहा जा सकता है कि फिजियोथैरेपिस्ट की मांग आगे चलकर और बढ़ेगा। कई राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी खुद को फिट रखने व फिटनेस संबंधी सुझाव लेने के लिए फुलटाइम पर्सनल फिजियोथैरेपिस्ट्स की सेवाएं लेते हैं। विदेशों में और खासकर अमेरिका कनाडा व आस्ट्रेलिया जैसे देशों में पर्सनल फिजियोथैरेपिस्ट्स की जबदस्त मांग है।

योग्यता

फिजियोथैरेपी में कोई डिग्री अथवा डिप्लोमा/सर्टिफिकेट कोर्स करने के लिए अभ्यर्थी को फिजिक्स, केमिस्ट्री या बायोलॉजी के साथ 12वीं या इसके समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए। अस्पताल व क्लीनिक्स अमूमन ऐसे लोगों को रोजगार देते हैं, जिनके पास फिजियोथैरेपी में बैचलर डिग्री (बीपीटी) हो। बीपीटी करने के बाद छात्र यदि चाहें तो अपनी विशेषज्ञता बढ़ाने के लिए पोस्ट ग्रेजुएशन भी कर सकते हैं। फिजियोथैरेपी में डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स की अवधि छह महीने से लेकर दो साल तक हो सकती है। डिग्री स्तर अवधि

तीन से चार साल तक होती है। प्रतिष्ठित संस्थान कॉमन टेस्ट सीईटी के जरिए बीपीटी में छात्रों की दाखिला देते है।

व्यक्तिगत योग्यता

फिजियोथैरेपिस्ट्स बनने के चाह रखने वाले अभ्यर्थियों में लंबे समय तक खड़े रहकर काम करने की क्षमता होनी चाहिए। काबिल फिजियोथैरेपिस्ट वहीं है जो मरीज की जरूरत को अच्छी तरह समझ सके, उसके प्रति संवेदनशील रवैया अपनाए। सफल फिजियोथैरेपिस्ट बनने के लिए व्यक्ति में इन खूबियों के अलावा मानवीय संरचना का सम्पूर्ण ज्ञान होना भी अति आवश्यक है।

पारिश्रमिक

इस क्षेत्र से जुड़े कोई फ्रेश ग्रेजुएट किसी हॉस्पिटल या क्लीनिक में ट्रेनी फिजियोथैरपिस्ट के तौर पर 8,000 से 12,000 रूपए वेतन पाने की उम्मीद कर सकता है। हालांकि प्रतिष्ठित अस्पतालों में आपको और भी अच्छा वेतन मिल सकता है। अनुभव हासिल करने के बाद आपके वेतन में खासा इजाफा हो सकता है। अनुभवी फिजियोथैरपिस्ट चाहे तो निजी क्लीनिक खोल कमाई कर सकते हैं।

डायटीशियन

कॅरियर का बेहतर विकल्प

आहार जीवन की प्राथमिक आवश्यकता है। हम जो आहार लेते है उसका शरीर में पाचन किया जाता है। प्रकृति ने विभिन्न खाद्य-पदाथों को भोजन का रूप दिया है जिसे कच्चा या पका कर हम उपयोग करते हैं ऐसे पदार्थ हमारे पाचक अंगों द्वारा पचा लिए जाते हैं, जिनसे ऊतकों का निर्माण एवं पोषण होता है। चलने, फिरने दौडने या अन्य शारीरिक कार्य करते रहने से शरीर के भीतर के ऊतक टूटते-फूटते एवं घिसते रहते है। भोजन द्वारा हमारे शरीर की संरचना तथा मरम्मत के लिए विभिन्न पोषक तत्व मिलते रहते हैं, जिनसे हमें शक्ति मिलती हैऔर हमारे शीररिक के विभिन्न अंग अपना कार्य सुचारू रूप से करते रहते हैं।सन्तुलित आहार और सही आहार हमारे शरीर के लिए बेहद जरूरी है लिहाजा हमारी शारीरिक जरूरतों के अनुसार कितने पोषक तत्वों की जरूरत होती हैं और कौन से खाद्य-पदार्थ से सेहत को नुकसान पंहुच सकते है, इसका जवाब डायटीशियन ही बता सकता है। जीवनशैली में आ रहे बदलावों और उसके दुष्णपरिणाम के चलते डायटीशियन एक बेहतर केरियर ऑप्शन के रूप में उभरा है। यह कोर्स अपनाकर आप अपना ही नहीं दूसरो की सेहत का भी ख्याल रख सकते है। एक डायटीशियन के रूप में आप नवजात शिशु से लेकर बुजुर्ग, बीमार, अभिनेताओं और खिलाडियों तक की डाइट का चार्ट बना सकते हैं। डायटीशियन लोगों को सलाह देता है, कि उसे स्वस्थ रहने के लिए किस तरह का भोजन करना चाहिए। डायटीशियन का कार्य जितना आसान दिखाई देता है वास्तव में वह उतना आसान नहीं हैं, क्योंकि रोगियों के लिए व्यक्तिगत आहार योजना बनाते हुए विभिन्न क्लीनिकल घटकों को ध्यान में रखना होता है। साथ ही रोगियों की जीवनशैली, खान-पान की आदतों पर भी विचार करना होता है।पोरेट स्तर पर डायटीशियन की मांग बढ रही है और पांच सितारा होटलों में भी डायटीशियनों की सेवाएं ली जा रहीं हैं।

कराटे- दुश्मन को बिना किसी हथियार से हराने की तकनीक

करादे निहत्थे लडने की एक मार्शल आर्ट है। यह एक प्रकार की कला है जिसमें हाथों तथा पैरों से वार करना तथा दुश्मन के वार को रोकना शामिल होता है। जिस व्यक्ति को कराटे की तकनीक पता हो वह अपने दुश्मन को बिना किसी हथियार के हरा सकता है। एक कराटे एक्सपर्ट सामने वाले को एक ही वार में चित्त भी कर सकता है। जहां जूडो आत्मरक्षा के लिए इस्तेमाल की जाती है वहीं कराटे में दुश्मन पर वार भी किया जा सकता है। कराटे में शारीरिक संपर्क बहुत सीमित रखा जाता है और चोट से बचने के लिए वार को नियंत्रित रखा जाता है।

कराटे एक जापानी शब्द है जिसका अर्थ है 'खाली हाथ'। कराटे में शरीर की ताकत स्ट्राइकिंग प्वाइंट पर केंद्रित की जाती है। स्ट्राइकिंग प्वाइंट में हाथ, पैर का अलग भाग, एड़ी, बाजू, घुटना तथा कोहनी शामिल होते हैं। इन सभी भागों को कड़ी मेहनत और प्रैक्टिस से कठोर बनाया जाता है। एक कराटे एक्सपर्ट कई इंच मोटी लकड़ी को अपने हाथ या पैर से तोड़ सकता है। सही टाइमिंग, कुशलता तथा जज्बा तो इसके लिए जरूरी है ही साथ ही जरूरी होती है शारीरिक कठोरता।

कराटे के खेल में वार को शरीर के संपर्क में आने से एक इंच पहले ही रोक लिया जाता है। कराटे में मैच सिर्फ 3 मिनट के होते हैं। एक खेल के तौर पर इसमें कुशलता का स्तर परखने के लिए दोनों में नकली लड़ाई और औपचारिक परीक्षण दोनों का आयोजन किया जाता है। यदि प्रतियोगी अच्छे से वार न कर पाए तो जज अपना फैसला मूवमैंट्स और डिफेंस तकनीक के आधार पर सुना सकते हैं।जजों द्वारा खिलाडियों के प्रदर्शन को वैसे ही रेटिंग दी

जाती है, जैसे जिम्नास्टिक में होता है। कराटे एशिया में विकसित हुआ जिसे कई शताब्दियां लग गईं और 17वीं शताब्दी के दशक में जाकर यह कला के रूप में व्यवस्थित होने लगा। 1920 के दशक में यह जापान में बहुत प्रसिद्ध हुआ। आज पूरे विश्व में कई स्कूल कराटे की ट्रेंनिंग देते हैं। 1970 में कराटे वर्ल्ड चैम्पियनशिप टाइटल की स्थापना की गई थी।

प्राचीन चीन से शुरू और जापान में प्रसिद्ध हुआ युद्ध कौशल (मार्शल आर्ट) कराटे आज पूरे विश्व में अत्यधिक लोकप्रिय है। कराटे खेल भी, कला भी कराटे निहत्थे लडने की एक मार्शल आर्ट है। यह एक प्रकार की कला है जिसमें हाथों तथा पैरों से वार करना तथा दुश्मन के वार को रोकना शामिल होता है।

जिस व्यक्ति को कराटे की तकनीक पता हो वह अपने दुश्मन को बिना किसी हथियार के हरा सकता है। एक कराटे एक्सपर्ट सामने वाले को एक ही वार में चित्त भी कर सकता है। जहां जूडो आत्मरक्षा के लिए इस्तेमाल की जाती है वहीं कराटे में दुश्मन पर वार भी किया जा सकता है। कराटे में शारीरिक संपर्क बहुत सीमित रखा जाता है और चोट से बचने के लिए वार को नियंत्रित रखा जाता है। कराटे एक जापानी शब्द है जिसका अर्थ है 'खाली हाथ'। कराटे में शरीर की ताकत स्ट्राइकिंग प्वाइंट पर केंद्रित की जाती है। स्ट्राइकिंग प्वाइंट में हाथ, पैर का अलग भाग, एड़ी, बाजू, घुटना तथा कोहनी शामिल होते हैं।

स्वरोजगार

कागज़ उद्योग

देश में सामाजिक-आर्थिक विकास की दृष्टि से कागज़ उद्योग देश का सबसे पुराना और अति महत्वपूर्ण उद्योग है। इस उद्योग का अनुमानित आकार 25000 करोड़ रुपये (5.95 बिलियन डॉलर) है। विश्व के कागज और कागज बोर्ड उत्पाद में इसका हिस्सा लगभग 1.6 प्रतिशत है। इस उद्योग से 1.20 लाख लागों को प्रत्यक्ष रूप से और 3.40 लाख लोगों को परेक्ष रूप से रोजगार मिला हे। अधिकतर पेपर मिल पिछले लम्बे अर्से से कार्य कर रहे हैं और इस प्रकार वर्तमान समय में इनमें पुरानी से लेकर अति आधुनिक तकनीक वाली दोनों प्रकार की प्रौद्योगिकियाँ इस्तेमाल हो रही हैं।

पिछले पाँच वर्षों से कागज़ की खपत लगभग 6 प्रतिशत वार्षिक दर से बढ़ रही है। कागज़ उद्योग को कागज के उत्पादन की किस्म के आधार पर वर्गीकृत किया जा सकता है; जैसे क्रीमवोव, मैपलिथो, कोपलर, कोटेड पेपर, इंडिस्ट्रयल पेपर और स्पेस्लिटी पेपर। इंडिस्ट्रयल पेपर अधिक मात्रा में इस्तेमाल होता है, जो कि कुल खपत का लगभग 60 प्रतिशत है। अभी तक कागज उद्योग की वृद्धि सकल घरेलू उत्पाद में हुई वृद्धि के बराबर रही है और पिछले कुछ वर्षों के दौरान इसमें औसतन 6-7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। विश्व स्तर पर भारत में कागज का बाजार तेजी से बढ़ रहा है ओर यह उत्सावर्धक स्थिति को दर्शाता है। आर्थिक संवृद्धि के साथ कागज की खपत में भी अत्याधिक उछाल आने की संभावनाएँ हैं और यह 2015-16 तक 13.95 मिलियन टन तक पहुँच सकता है। भावी अनुमान यह हे कि कागज की खपत में सकल घरेलू उत्पाद के गुणांकों में वृद्धि होगी और इस प्रकार प्रति व्यक्ति 1 किलाग्राम खपत की वृद्धि से उसकी मांग में 1 मिलियन टन की वृद्धि होगी। उद्योग के अनुमानानुसार वर्ष 2012-13 तक कागज़ उत्पादन 8.4 प्रतिशत संचयी वार्षिक वृद्धि दर(सीएजीआर) से बढ़ा है, जबकि कागज की खपत 9 प्रतिशत संचयी वार्षिक वृद्धि दर(सीएजीआर) से बढ़ी है। कम खर्च व लागत में कागज उद्योग स्वरोजगार का बेहतर जरिया बन सकता है।

पैरा-मैडीकल कोर्सेज में संवारें कॅरिअर

यदि आपकी बारहवीं परीक्षा की श्रेणी या अंक बहुत अच्छे नहीं हैं तो निराश होने की आवश्यकता नहीं है। इसकी वजह यह है कि पैरा-मैडीकल कोर्सेज में प्रवेश के लिए सी.पी.एम.टी. जैसी कठिन प्रवेश परीक्षा नहीं देनी होती। डॉक्टर जब मरीज को देख लेता है उसके बाद (कुछ मामलों में डाक्टर से पहले भी) सारा काम पैरा-मैडीकल के लोग ही संभालते हैं।

मरीज के खून, पेशाब, बलगम, वीर्य, टिश्यू आदि की जांच करनी हो, उसका एक्स-रे, ई.सी.जी., ई.ई.जी., एम.आर.आई., अल्ट्रा साऊंड, सी.टी. स्कैन, टी.एम.टी.,पी.एफ.टी., मैमोग्राफी आदि इंजैक्शन व दवा देनी हो तथा इसके अलावा भी अनेक ऐसे काम हैं जिसे पैरा-मैडीकल स्टाफ ही करता है। आप्रेशन करते समय एक डाक्टर को असिस्ट करने के लिए पैरा-मैडीकल स्टाफ होता है। मैडीकल फील्ड का लगभग सारा टैक्निकल स्टाफ पैरा-मैडीकल के अंतर्गत ही आता है।

इसके तहत प्रमुख कोर्स व संबंधित कार्य इस प्रकार हैं- मैडीकल लैब टैक्नोलॉजी , एक्स-रे टैक्नोलॉजी एंड रेडियोलॉजी/रेडियोग्राफी, ऑप्टोमीट्री या ऑप्थाल्मिक टैक्नोलॉजी, प्रॉस्थैटिक एवं ऑथोटिक इंजीनियरिंग, फिजियोथैरिपी एंड ऑकुपेशनल थैरेपी, डैंटिस्ट असिस्टैंट, स्पीच थैरेपी एंड ऑडियोलॉजी, क्लीनिकल चाइल्ड डिवैल्पमैंट, रिहैबिलिटेशन, मैडीकल ट्रांसक्रिप्शन, कम्युनिटी हैल्थ वर्कर्स कोर्स (मेल/फीमेल/मल्टीपर्पज़) ऑप्रेशनल थैरेपिस्ट असिस्टैंट/ ऑप्रेशन थिएटर असिस्टैंट व टैक्नीशियन कोर्स, कॉर्डियोलॉजी टैक्नीशियन कोर्स, सी.टी. स्कैन टैक्नीशियन कोर्स।

इनके साथ ही फॉर्मेसी, नर्सिंग एवं मिडवाइफरी तथा साइकोलॉजी की गणना भी पैरा-मैडीकल के अंतर्गत ही की जाती है। उपरोक्त सभी कोर्सों में सर्टीफिकेट, डिप्लोमा, बी.एससी., एम.एससी., बैचलर या मास्टर डिग्री विभिन्न मान्यता प्राप्त संस्थानों में प्रदान की जाती है।

संस्थान

- पोस्ट ग्रैजुएट इंस्टीच्यूट ऑफ मैडीकल एजुकेशन एंड रिसर्च, सैक्टर-11,चंडीगढ़-1600012
- पंडित भगवत दयाल शर्मा पोस्ट ग्रैजुएट इंस्टीच्यूट ऑफ मैडीकल साइंसेज, रोहतक-124001, हरियाणा।
- गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, कश्मीरी गेट, दिल्ली-110007